THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 72 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ शु.11 2080 बुधवार, 31 मई 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

भारत का एक मात्र ब्रैण्ड शिव नारायण ज्वैलर्स ने

8 गिनीज वर्ल्ड रिकाड्र्स ® की उपलब्धि प्राप्त की

हैदराबाद के शिव नारायण ज्वैलर्स प्राइवेट लिमिटेड ने 8 गिनीज वर्ल्ड रिकाड्र्स® प्राप्त कर एक असाधारण उपलब्धि हासिल की है और भारत के प्रतिष्ठित ज्वैलर के रूप में अपनी प्रतिष्ठा को कायम रखा है। इस महत्वपूर्ण अवसर को यादगार बनाने तथा शिव नारायण की समृद्ध विरासत का सम्मान करने के लिए हैदराबाद के ताज फलकनुमा पैलेस में एक भव्य समारोह आयोजित किया गया था।

इस कार्यक्रम में बॉलीवुड की फैशन आइकन, दिशा पाटनी सहित अनेक गणमान्य और प्रसिद्ध हस्तियां उपस्थित रहे। शाम का एक और मुख्य आकर्षण एक्सपीरियन्टल जोन था, जो रिकॉर्ड-ब्रेकिंग गहने दिखाने वाला आकर्षक अनुभव पेश कर रहा था।

चार रिकॉर्ड-ब्रेकिंग कृतियों में से पहला गणेशा पेंडेंट था, जो 1011.150 ग्राम पर सबसे भारी पेंडेंट के लिए शीर्षक था, और एक पेंडेंट पर 11,472 हीरों को जड़ा गया था। इस सावधानीपूर्वक दस्तकारी वाले ज्वैल की अवधारणा और बनाने के लिए साढ़े छह महीने का समय लगा। शिव नारायण ज्वैलर्स ने इसे बना कर अपनी ही पूर्व कृति राम दरबार पेंडेंट के साथ अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस शानदार पीस ने सबसे भारी पेंडेंट के लिए खिताब हासिल किया, जिसका प्रभावशाली वजन 1681.820 ग्राम था, और इस पेंडेंट पर चौंका देने वाले सबसे अधिक 54,666 हीरे सेट किए गए थे।

शिव नारायण ज्वैलर्स, ब्राण्ड की तीसरी उत्कृष्ट पुरस्कार गिनीज वर्ल्ड रिकाड्र्स® विजेता कृति थी सतलड़ा नेकलेस। इस सतलड़ा नेकलेस में 315 एमरल्ड (पन्ना) और 1971 फाइन डायमण्ड जड़े गए थे। इस नेकलेस पर सबसे अधिक पन्ना और सेट किए गये हीरे अपने आप में एक रिकॉर्ड है। इस अकेले नेकलेस पर रत्नों की सोर्सिंग में चार साल का समय लगा वहीं इसे बनाने में चार महीने लगे। नई उचाइंया कायम करने वाली शिव नारायण ज्वैलर्स की इस कृति का मैग्निफाइंग ग्लास में 108,346 अमेरिकन डॉलर मूल्य आकां गया जो कि अपने स्तर पर सर्वाधिक मूल्य माना गया है।

इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए, शिव नारायण ज्वैलर्स के प्रबन्ध निदेशक तुषार अग्रवाल ने कहा, "हम वास्तव में 8 गिनीज वर्ल्ड रिकाड्र्स® प्राप्त कर अपने आपको गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। यह माइल स्टोन न केवल हमारे उद्योग के लिए एक जबरदस्त उन्नति का प्रतीक है, बल्कि वैश्विक स्तर पर हमारी टीम के समर्पण, कड़ी मेहनत और जुनून को भी स्वीकार करता है।"

8 गिनीज वर्ल्ड रिकाड्र्स ® हासिल करने वाले एकमात्र भारतीय ज्वैलर के रूप में, शिव नारायण ज्वैलर्स प्राइवेट लिमिटेड ने उद्योग के बेहतरीन में से एक के रूप में अपनी जगह को मजबूत किया है।

शिव नारायण ज्वैलर्स प्राइवेट लिमिटेड एक प्रतिष्ठित विंटेज और शाही आभूषण ब्रांड है जो पन्ना आभूषणों में विशेषज्ञता रखता है। कंपनी की शुरुआत हैदराबाद के सातवें निजाम मीर उस्मान अली खान के प्रमुख जौहरी सेठ श्री शिव नारायण जी ने की थी। तब से, ब्रांड ने कई मास्टरपीस बनाए हैं। आज यह कंपनी वर्तमान अध्यक्ष कमल किशोर अग्रवाल और प्रबंध निदेशक तुषार अग्रवाल के हाथों में है।

Advt. MEENAKSHI

जम्मू-श्रीनगर हाईवे पर पुल से गिरी बस

चालक समेत 10 की मौत, 59 यात्री घायल

जम्मू, 30 मई (एजेंसियां)। जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे पर झज्जर कोटली के पास बड़ा सड़क हादसा हुआ है। यहां एक बस पुल से नीच गिर गई। इस हादसे में अबतक 10 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 59 यात्री घायल हैं। घायलों का इलाज जम्मू के मेडिकल कॉलेज अस्पताल में जारी है। जानकारी के अनुसार, छह लोगों की मौत मौके पर ही हो गई थी, जबकि चार ही मौत जीएमसी जम्मू में इलाज के दौरान हो गई। मरने वालों बस चालक भी शामिल है। घायलों में तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि बस संख्या यूपी 81सीटी-3537 अमृतसर से वैष्णो देवी (कटड़) जा रही थी। बस में करीब 60 यात्री सवार थे। सभी बिहार की राजधानी पटना के रहने वाले बताए जा रहे हैं। जैसे ही बस नेशनल हाइवे-44 पर झज्जर कोटली पहुंची, बस अनियंत्रित होकर पुल से नीचे गिर गई। हादसे में सात से ज्यादा लोगों के मरने की खबर है। वहीं, 41 लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा जम्मू जिले से करीब 15 किलोमीटर दूर झज्जर कोटली के पास हुआ है। सीआरपीएफ अधिकारी अशोक चौधरी ने बताया कि जैसे ही हमें सुबह दुर्घटना की जानकारी मिली। तुरंत हमारी टीम ने यहां पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। शवों को निकाला गया। घायलों को अस्पताल पहुंचाया है। पुलिस की टीम भी हमारे साथ रेस्क्यू ऑपरेशन में लगी है। सीआरपीएफ, पुलिस और अन्य टीमें भी यहां हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। बताया जा रहा है कि बस में बिहार के लोग थे जो कटरा जा रहे थे। वे शायद कटरा का रास्ता भूल गए और यहां पहुंच गए।

उपराज्यपाल ने जताया दुख, घायलों को हर संभव सहायता देने का निर्देश

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि जम्मू के झज्जर कोटली में हुए दर्दनाक बस हादसे में लोगों की मौत से वह बेहद आहत हैं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति उनकी हार्दिक संवेदना है। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं। जिला प्रशासन को घायलों को हर संभव सहायता और उपचार प्रदान करने का निर्देश दिया गया है।

भाजपा सांसद हंस राज हंस ने पीड़ित परिवार से की मुलाकात, परिजनों को सौंपा 1 लाख रुपये का चेक

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के सांसद हंस राज हंस ने शाहबाद डेयरी इलाके में मृतका के घर पहुंचकर उनके माता-पिता और परिजनों से मुलाकात की। सांसद हंस राज हंस ने इस मौके पर पीड़ित परिवार से गहरी संवेदना जताई। उन्होंने 16 वर्षीय मृतका के परिजनों से कहा कि साक्षी को न्याय दिलाने और आरोपी को सख्त से सख्त सजा दिलाने के लिए उनके साथ हैं। साथ ही ये भी कहा कि वो दुख के इस घड़ी में अकेला न महसूस करें। सभी लोग आपके साथ हैं। बीजेपी सांसद हंस राज हंस ने कहा कि इस घटना का वीडियो ऐसे हैं जिसे देख नहीं जा सकता। इस घटना को किसी राजनीति से नहीं जोड़ा जा सकता। हम भी इसी समाज से जुड़ें हैं और इसका अभिन्न अंग हैं। उन्होंने कहा कि हमारे घर में क्या मां बेटी नहीं हैं! इस दौरान मृतका की मां ने मांग की है कि हत्यारोपी साहिल सरफराज को कम से कम फांसी की सजा होनी चाहिए।

कर्नाटक में ट्रेनिंग के दौरान विमान की इमरजेंसी लैंडिंग, दोनों पायलट घायल

बेलगावी, 30 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक में प्रशिक्षण के दौरान एक ट्रेनिंग विमान की इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी है। इमरजेंसी लैंडिंग की वजह से विमान में सवार दोनों पायलटों को चोटें आई हैं और उन्हें इलाज के लिए वायुसेना के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक दिन पहले सोमवार को भी भारतीय वायुसेना के एक अपाचे हेलीकॉप्टर को मध्य प्रदेश के भिंड जिले में इमरजेंसी लैंडिंग के जरिए लैंड कराया गया। वायुसेना ने बताया कि इमरजेंसी लैंडिंग के कुछ घंटे बाद ही विमान को ठीक कर रवाना कर दिया गया। हेलीकॉप्टर में दो कर्मचारी सवार थे और कोई हताहत नहीं हुआ था। हालांकि आज की यह घटना कर्नाटक की है, जहां पर रेडबर्ड एविएशन से संबंधित एक टू सीटर वाले ट्रेनिंग एयरक्रॉफ्ट को बेलगावी में सांबरा हवाई अड्डे के पास इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। उड़ान के दौरान आई तकनीकी खराबी के चलते इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। हालांकि इस दौरान दोनों पायलटों को मामूली चोटें आई हैं। दोनों पायलट को वायुसेना के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

उड़ान के दौरान आई तकनीकी खराबी

सूत्रों के मुताबिक, इस ट्रेनिंग विमान ने एक पायलट और एक ट्रेनी पायलट को लेकर बेलगावी के सांबरा एयरपोर्ट से आज सुबह साढ़े नौ बजे उड़ान भरी थी, हालांकि, उड़ान के दौरान विमान में तकनीकी खराबी की जानकारी मिली। विमान में तकनीकी खराबी की वजह विमान की इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी और इसे बेलगावी जिले के होनिहाला गांव में एक खेत में उतारा गया। यह बेलागवी में फ्लाइट ट्रेनिंग सेंटर के ट्रेनर्स के लिए एक ट्रेनिंग विमान था।

हादसे के बाद पहुंचे आईएएफ के अफसर

हादसे की जानकारी मिलते ही एयरफोर्स के जवान, ट्रेनिंग स्कूल के अफसर और दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। हालांकि हादसे में किसी तरह के जानमाल की कोई खबर नहीं है। जिस खेत में लैंडिंग कराई गई वहां पर ज्यागा लोगों की संख्या नहीं लग रही है। इससे पहले पिछले हफ्ते शुक्रवार को वैंकूवर जा रहा एअर इंडिया के एक विमान को तकनीकी खराबी की वजह से उड़ान भरने के तुरंत बाद दिल्ली वापस लौटना पड़ा। दिल्ली एयरपोर्ट पर बोइंग 777 विमान की सेफ लैंडिंग कराई गई थी।

जस्टिस एमएस रामचंद्र राव ने हिमाचल हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस के रूप में ली शपथ

शिमला, 30 मई (एजेंसियां)। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के जस्टिस एमएस रामचंद्र राव ने मंगलवार को हिमाचल हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस के रूप में शपथ ली। राजभवन शिमला में पूर्वाह्न 10:30 बजे आयोजित सादे समारोह में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह के बाद मीडिया से अनौपचारिक बातचीत में चीफ जस्टिस राव ने कहा कि हिमाचल एक सुंदर प्रदेश है और यहां के लोग बहुत अच्छे हैं। उन्हें बहुत खुशी हो रही है कि उन्हें यहां काम करने का मौका मिला है।

उन्होंने कहा कि चीफ जस्टिस के तौर पर उनकी प्राथमिकताएं उनके काम में नजर आएंगी और वह यहां के लोगों की सेवा करेंगे। हाई कोर्ट में लंबित मामलों पर उन्होंने कहा कि इस बारे में जो किया जा सकता है, वह करने की कोशिश करेंगे। इससे पहले राजभवन के दरबार हॉल में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना ने कार्यवाही का संचालन किया और राष्ट्रपति द्वारा जारी उनकी नियुक्ति का पत्र पढ़ा।

राज्यपाल के सचिव राजेश शर्मा ने शपथ पत्र पर राज्यपाल और चीफ जस्टिस के हस्ताक्षर प्राप्त किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सुखविन्दर सिंह सुक्खू, उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान, नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, हाई कोर्ट के न्यायाधीश, पुलिस महानिदेशक संजय कुंडू, राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी समेत कई गण्यमान्य उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि चीफ जस्टिस राव का जन्म 07 अगस्त 1966 को हैदराबाद में हुआ था। उन्होंने एलएलबी की डिग्री उस्मानिया विश्वविद्यालय से 1989 में ली। इसके बाद कैंब्रिज विश्वविद्यालय से एलएलएम की डिग्री हासिल की। उनको 29 जून 2012 को आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया था।

मुझे अपना भारत चाहिए न नया न पुराना

नई संसद को लेकर एक बार फिर केंद्र और भाजपा पर हमलावर हुए सिब्बल

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। राज्यसभा के सदस्य कपिल सिब्बल लगातार केंद्र की मोदी सरकार पर हमलावर हैं। इसी क्रम में उन्होंने मंगलवार को नए संसद भवन को लेकर एक बार फिर मोदी सरकार को घेरा। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा, सरकार और भाजपा कहती है कि नए भारत के लिए नई संसद।

मैं कहता हूं मुझे अपना भारत चाहिए न नया न पुराना, जहां: धार्मिक अनुष्ठानों के बिना संसद हो, जहां कानून सभी को समान मानता हो। उन्होंने आगे लिखा, जहां धार्मिक विश्वासों और व्यापार के लिए नागरिक नहीं मारे गए, यदि युवा प्रेम के लिए विवाह करते हैं, जहां बजरंग दल का कोई डर नहीं है, जहां एजेंसियों का राजनीतिकरण नहीं है और जहां मीडिया निष्पक्ष है। बता दें कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की पहली और दूसरी सरकार के दौरान केंद्रीय मंत्री रहे सिब्बल ने पिछले साल मई में कांग्रेस छोड़ दी थी।

समाजवादी पार्टी के समर्थन से सिब्बल राज्यसभा के निर्दलीय सदस्य हैं

उन्होंने हाल में 'इंसाफ' नामक एक मंच शुरू किया है। उनके मुताबिक, इस मंच का उद्देश्य अन्याय से लड़ना है। इससे पहले सोमवार को सिब्बल ने नए संसद भवन के उद्घाटन के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मोदी की टिप्पणी को लेकर सोमवार को उन पर कटाक्ष करते हुए कहा था कि ईंटों और गोलों से नहीं बल्कि 1.4 अरब लोगों की सोच व आकांक्षाओं के साथ स्वतंत्रता का विचार नए भारत का निर्माण कर सकता है।

सिब्बल ने उद्घाटन समारोह के दौरान प्रधानमंत्री द्वारा की गई टिप्पणी का हवाला देते हुए कहा, ईंटों और गोलों से नहीं, बल्कि 1.4 अरब लोगों की सोच व आकांक्षाओं के साथ स्वतंत्रता का विचार मेरे नए भारत का निर्माण कर सकता है जहां नए विचार पनपते हों और हर तरह के रंग बिखरते हों न कि जो भगवा, खंडित और असहिष्णु हो।

महाराष्ट्र से कांग्रेस के इकलौते लोकसभा सांसद बालू धानोरकर का निधन

2 दिन पहले पिता ने ली थी अंतिम सांस

मुंबई, 30 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद सुरेश धानोरकर उर्फ बालूभाऊ धानोरकर का मंगलवार की सुबह निधन हो गया। वह महाराष्ट्र से कांग्रेस के इकलौते लोकसभा सांसद थे और 2019 के चुनावों में उन्होंने चंद्रपुर सीट पर जीत हासिल की थी। किडनी स्टोन की बीमारी से पीड़ित धानोरकर का दिल्ली के एक अस्पताल में इलाज चल रहा था। बता दें कि उनके पिता नारायण धानोरकर का निधन 2 दिन पहले ही हुआ था। महाराष्ट्र कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता अतुल लोंढे पाटिल ने ट्वीट कर जानकारी दी कि धानोरकर का पार्थिव शरीर मंगलवार की दोपहर दिल्ली से वरोरा लाया गया।

मात्र 48 साल की उम्र में थम गया सफर

पाटिल ने एक ट्विट में कहा कि चंद्रपुर के सांसद बालूभाऊ धानोरकर को तबीयत बिगड़ने के बाद दिल्ली के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्होंने कहा कि मंगलवार की सुबह इलाज के दौरान धानोरकर का निधन हो गया। पाटिल ने कहा कि उनका पार्थिव शरीर दिल्ली से उनके वरोरा स्थित आवास पर लाया गय है, और 31 मई को 11 बजे वणी-वरोरा बाइपास मार्ग पर स्थित मोक्षधाम में उनका दाह संस्कार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मात्र 48 वर्ष की आयु में उन्होंने एक कट्टर शिवसैनिक से लोकसभा सांसद तक का सफर तय किया था।

कांग्रेस से विधायक हैं धानोरकर की पत्नी

पाटिल ने ट्वीट में कहा कि धानोरकर चंद्रपुर जिले के भद्रावती गांव के रहने वाले हैं। 2014 में बालू धानोरकर पहली बार शिवसेना के टिकट पर विधानसभा पहुंचे थे। 2019 के लोकसभा चुनावों से पहले धानोरकर ने शिवसेना छोड़कर कांग्रेस जॉइन कर ली थी और पार्टी ने उन्हें लोकसभा का टिकट दिया था। धानोरकर ने चंद्रपुर की लोकसभा सीट से जीत हासिल की और यह 2019 के चुनावों में सूबे में कांग्रेस की इकलौती लोकसभा सीट रही। इसके बाद विधानसभा चुनावों में वरोरा-भद्रावती सीट पर धानोरकर की पत्नी प्रतिभा ने कांग्रेस के टिकट पर जीत हासिल की।

उत्तरी सीमा पर नहीं बढ़ रही चीनी सैनिकों की तैनाती

सीडीएस जनरल अनिल चौहान बोले- सेना की चुनौतियां अलग

मुंबई, 30 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे में मंगलवार को एनडीए की पासिंग आउट परेड के दौरान सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने भारतीय सेना की चुनौतियों से लेकर मणिपुर हिंसा पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की तैनाती भारत की उत्तरी सीमा पर रोजाना नहीं बढ़ रही है। यह उतनी ही है, जितनी 2020 में थी। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने कहा कि हमारे सामने चुनौती है और सशस्त्र बल हर वो कदम उठा रहे हैं, जिससे कोई अप्रिय स्थिति न पैदा हो। उन्होंने कहा कि हम देपसांग और डेमचोक को छोड़कर सभी जगहों पर वापस जाने में सफल रहे है और इसे लेकर बातचीत जारी है। उन्होंने कहा कि हमें अपने दावे की वैधता बनाए रखनी होगी। सीमा विवाद को सुलझाना अलग मुद्दा है, जिन इलाकों में हम 2020 से पहले पेट्रोलिंग करते थे,

जिनपर हमारा दावा है, वहां यथास्थिति बनानी होगी। सीडीएस जनरल चौहान ने कहा कि हम ऐसे समय में रह रहे हैं जब वैश्विक सुरक्षा की स्थिति सबसे अच्छी नहीं है और जियोपॉलिटिकल ऑर्डर लगातार बदल रहे हैं। यूरोप में युद्ध, हमारी उत्तरी सीमाओं पर पीएलए की निरंतर तैनाती और हमारे निकट पड़ोस में राजनीतिक और आर्थिक उथल-पुथल, ये सभी भारतीय सेना के लिए एक अलग तरह की चुनौती पेश करते हैं।

उद्धव गुट के एमपी का दावा

बीजेपी से नाखुश 22 एमएलए-9 सांसद, शिंदे की सेना छोड़ना चाहते हैं; एकनाथ के मंत्री का जवाब

मुंबई, 30 मई (एजेंसियां)। शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे (यूबीटी) गुट के सांसद विनायक राउत ने बडा दावा किया है। उनका कहना है कि शिवसेना के 22 विधायक और 9 लोकसभा सांसद बीजेपी से नाखुश हैं और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली पार्टी छोड़ना चाहते हैं। शिंदे के नेतृत्व वाली पार्टी विधायक और सांसद छोड़ना चाहते हैं, क्योंकि उनके निर्वाचन क्षेत्रों में कोई विकास नहीं हुआ था। इतना ही नहीं, विनायक राउत ने बयान पर मुहर लगात हुए स्वास्थ्य मंत्री तानाजी सावंत, मंत्री शंभूराज देसाई और सांसद गजानन कीर्तिकर का भी नाम लिया।

शिंदे के मंत्री ने विनायक को दी चेतावनी

हालांकि, शिंदे सरकार में मंत्री शंभूराज देसाई ने उद्धव गुट के सांसद विनायक राउत के तमाम दावों को गलत ठहराया है। चेतावनी देते हुए कहा कि विनायक राउत दो दिन में अपने बयान वापस लें, नहीं तो मानहानि दावे का सामना करने को तैयार रहें। यह बात शंभूराज देसाई ने सतारा जिले के शासकीय विश्राम गृह में कही है।

कीर्तिकर ने लगाया बीजेपी पर भेदभाव का आरोप

उधर, राज्य में सत्तारूढ़ बीजेपी-शिवसेना गठबंधन में सब ठीक नहीं होने का संकेत देते हुए सांसद गजानन कीर्तिकर ने बीजेपी पर भेदभाव का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि हम 13 सांसद हैं और अब हम एनडीए का हिस्सा हैं। हमें उम्मीद थी कि हमारे निर्वाचन क्षेत्रों से संबंधित मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाएगा। लेकिन, हमें ऐसा होता नजर नहीं आ रहा है। स्वाभिमान और सम्मान पैसे से नहीं खरीदा जा सकता, यह एक बार फिर साबित हो गया है। कीर्तिकर ने दावा किया कि उनकी पार्टी राज्य की 22 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ना चाहेगी।

1 जून को होगा देशव्यापी प्रदर्शन संयुक्त किसान मोर्चा का ऐलान

राकेश टिकैत ने पहलवानों से की ये अपील

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आंदोलन कर रहे पहलवानों को संयुक्त किसान मोर्चा का साथ मिला है। मंगलवार को पहलवानों के साथ बैठक के बाद संयुक्त किसान मोर्चा ने बड़ा ऐलान किया है। एक जून को संयुक्त मोर्चा देशभर में बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेगा। इस दौरान जिला और तहसील केंद्रों पर पुतला दहन किया जाएगा। बता दें, मंगलवार शाम को पहलवानों ने अपने मेडल गंगा में बहाने का ऐलान किया है। भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत ने पहलवानों से ऐसा न करने की अपील की है।

राकेश टिकैत ने ट्वीट कर लिखा, यह मेडल देश और तिरंगे की शान है हमारा सभी पहलवानों से अनुरोध है कि ऐसा कदम मत उठाओ। आपने अपने खेल से देश का सिर गर्व से ऊंचा किया है हमारा राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री जी से अनुरोध है कि मामले को संज्ञान में लेकर पहलवानों से जल्द बातचीत करें। मंगलवार को संयुक्त किसान मोर्चा और पहलवानों के बीच बैठक हुई, जिसमें पहलवानों का प्रतिनिधित्व बजरंग पूनिया ने किया। संयुक्त किसान मोर्चा ने आश्वासन दिया कि जब तक इन पहलवानों को न्याय नहीं मिल जाता और बृजभूषण सिंह गिरफ्तार नहीं होते, संघर्ष जारी रहेगा।

साक्षी मर्डर के दूसरे दिन एक और लड़की का मिला शव

खून से सनी थी लाश; पास बैठी थी एक युवती

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। साक्षी हत्याकांड को अभी एक दिन भी नहीं बीता और दिल्ली में एक और लड़की की चाकू कथित तौर पर हत्या कर दी गई है। इस लड़की की पहचान मनीषा छेत्री के रूप में हुई है और उसकी उम्र महज 22 साल है और वह दिल्ली के एसजे एनक्लेव की निवासी थी। मिली जानकारी के मुताबिक, आज सुबह 7 बजे थाना सिविल लाइंस में एक पीसीआर मिली, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची।

दिल्ली पुलिस ने बताया कि दिल्ली के मजनू का टीला, सिविल लाइंस के अरुणा नगर में एक इमारत की तीसरी मंजिल पर एक महिला, जिसकी पहचान मनीषा छेत्री (22) के रूप में हुई है, मृत पाई गई और खून से लथपथ पड़ी थी। घटनास्थल पर शव के पास एक अन्य महिला सपना (36) मिली। उसने पुलिस को बताया कि वह घर की छत पर थी। एफएसएल टीम और क्राइम टीम को मौके पर बुलाया गया है और मामले की जांच की जा रही है। कथित तौर पर मनीषा की भी हत्या हुई है। इस मामले में फिलहाल ज्यादा जानकारी नहीं मिल पाई है।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में एक दिल दहला देने वाली घटना घटी थी। यहां एक 16 साल की लड़की की चाकू से गोदकर बीच सड़क पर हत्या कर दी गई थी। मामला दिल्ली के शाहबाद डेरी इलाके का था। इस हमले में लड़की की मौत हो गई थी। लड़की की पहचान साक्षी के रूप में हुई थी और ये घटना सीसीटीवी में कैद हो गई थी। इस घटना में हमला करने वाला शख्स लड़की का दोस्त साहिल है। आरोपी साहिल को गिरफ्तार कर लिया गया था। वह फ्रिज और एसी रिपेयरिंग का काम करता है। साहिल के पिता का नाम सरफराज है। साक्षी ने अभी 10वीं की परीक्षा पास की थी। उनकी मां किसी कंपनी में काम करती हैं और पिता मिस्त्री का काम करते हैं।

'चल नीचे उतर।', हरियाणा की लेडी एएसआई को होटल मैनेजर ने मारा थप्पड़,

अंबाला, 30 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के अंबाला जिले से महिला पुलिस अधिकारी से बदतमीजी और मारपीट का वीडियो वायरल हुआ है। जानकारी के मुताबिक, नारायणगढ़ के विराज मैरिज पैलेस में पॉक्सो एक्ट मामले में कार्रवाई करने गई महिला एएसआई के साथ होटल मैनेजर ने हाथापाई की। वीडियो में दिख रहा है कि आरोपी मैनेजर विकास यादव पहले महिला पुलिस एएसआई को धमकाते हुए सीढ़ियों पर ऊपर की तरफ गया। फिर उन्हें बाजू से पकड़कर नीचे खींचने की कोशिश करने लगा। तभी एएसआई ने उसे एक थप्पड़ मार दिया। जिसके बाद आरोपी ने भी महिला अधिकारी पर हाथ उठा दिया। महिला अधिकारी की तहरीर पर आरोपी होटल मैनेजर के खिलाफ मामला दर्ज करके उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

एसपी जश्नदीप सिंह रंधावा ने बताया कि आरोपी के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा।

विपक्ष का 2024 के लिए क्या है 'प्लान 450'

पी चिदंबरम ने बताई पूरी रणनीति, लेकिन आशंका भी जताई

कोलकाता, 30 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद पी। चिदंबरम ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों को एकजुट होने में थोड़ा समय लगेगा। 2024 के लोकसभा चुनाव की रणनीति के बारे में पूछे जाने पर कांग्रेस नेता ने कहा, '...मेरे विचार से, अगर गैर-बीजेपी विपक्षी दल एक साथ हो जाते हैं, तो संभव है कि 450 सीटों पर हम एक आम उम्मीदवार के साथ भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़ सकते हैं। लेकिन यह एक आकांक्षा है। पार्टियां 12 जून को पटना में बैठक कर रही हैं। यह कार्य प्रगति पर है। यह होगा लेकिन इसमें कुछ समय लगेगा।' चिदंबरम ने कहा, 'गैर-भाजपा दलों के बीच एकजुटता का काम जारी है।' कांग्रेस नेता ने कहा कि उनका मानना है कि विपक्षी दल 'एक-दूसरे के करीब आ रहे हैं, लेकिन अभी कुछ दूरी तय करनी है।' सूत्रों के मुताबिक 12 जून को पटना में विपक्षी दलों की बैठक होने की संभावना है। चिदंबरम ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अगले कुछ महीनों में प्रक्रिया में तेजी आएगी। इसके साथ ही पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री पी। चिदंबरम ने राज्यों में मजबूती के आधार पर कांग्रेस का समर्थन करने के संबंध में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी के बयान का स्वागत करते किया और कहा कि उन्हें बातचीत शुरू करनी चाहिए। बनर्जी ने कहा था कि 2024 के आम चुनावों के लिए कांग्रेस जहां मजबूत है उसका समर्थन किया जाएगा बदले में कांग्रेस को भी क्षेत्रीय दलों का समर्थन करना होगा। यह पूछे जाने पर कि हाल में संपन्न कर्नाटक चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर कांग्रेस की भारी जीत का क्या असर हो सकता है, चिदंबरम ने कहा कि 2024 के चुनावों को लेकर परिणामों की भविष्यवाणी करना 'बहुत जल्दबाजी' होगी, लेकिन उनका मानना है कि इसका 'सकारात्मक प्रभाव' पड़ेगा। अगले साल होने वाले आम चुनावों से पहले मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में होने वाले विधानसभा चुनावों का जिक्र करते हुए चिदंबरम ने कहा कि कांग्रेस को कर्नाटक में शुरू हुई जीत का सिलसिला जारी रखने के लिए सभी प्रयास करने चाहिए। उन्होंने कहा, 'इसका (कर्नाटक में कांग्रेस की जीत) निश्चित रूप से सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। हालांकि, लोकसभा चुनाव से एक साल पहले यह कहना जल्दबाजी होगी कि 2024 के आम चुनाव का नतीजा क्या होगा। मैं कर्नाटक की जीत के बाद आम कांग्रेस कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा और उत्साह देख सकता हूं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 72 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ शु.11 2080 बुधवार, 31 मई 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

पेपर लीक मामले में नया मोड़

आरोपी ने चैट जीपीटी और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से उम्मीदवारों के साथ उत्तर साझा किए : एसआईटी

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग (टीएसपीएससी) के परीक्षा पेपर लीक मामले में एक नए मोड़ में, विशेष जांच दल (एसआईटी) ने पाया है कि सरकारी विभागों में भर्ती के लिए कम से कम दो परीक्षाओं में आरोपी ने कथित रूप से चैट जीपीटी और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का इस्तेमाल करके परीक्षा में बैठने वाले उम्मीदवारों के साथ उत्तर साझा किए।

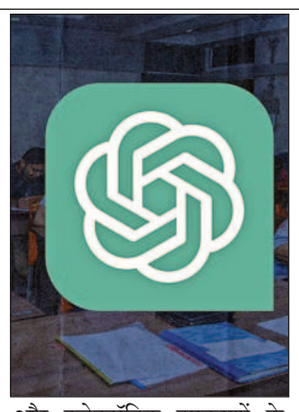

एसआईटी की जांच से पता चला है कि तेलंगाना स्टेट नॉर्दर्न पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (टीएसएनपीडीसीएल) के एक डिवीजनल इंजीनियर पूला रमेश ने कथित तौर पर सहायक अभियंता (सिविल) के लिए परीक्षा से संबंधित प्रश्न पत्र बेचे और नवीनतम एआई टूल और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का भी इस्तेमाल किया तथा सहायक कार्यकारी अभियंता और मंडल लेखा अधिकारी परीक्षा लिखने वाले कुछ उम्मीदवारों की मदद की।

रमेश ने कथित तौर पर परीक्षा हॉल में मौजूद कम से कम सात उम्मीदवारों के साथ इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के माध्यम से उत्तर साझा किए। सूत्रों ने बताया कि सनसनीखेज मामले में यह पहली बार है जब चैटजीपीटी (चैट जनरेटिव प्री-ट्रेनिंग ट्रांसफॉर्मर) और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के इस्तेमाल का मामला सामने आया है।

एसआईटी ने प्रशांत, नरेश, महेश और श्रीनिवास को गिरफ्तार किया, जिन्होंने कथित तौर पर इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की मदद से परीक्षा लिखी थी। जांच अधिकारी अब यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि प्रवेश द्वार पर बिना पता लगाए उम्मीदवार इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के साथ परीक्षा हॉल में कैसे प्रवेश कर गए। वे एक ऐसे परीक्षक की तलाश कर रहे थे, जो डिवाइस-ब्लूटूथमाइक्रो ईयरपीस- के साथ परीक्षा हॉल में प्रवेश करने में उनकी मदद करे। यह भी संदेह है कि परीक्षार्थी ने प्रश्नपत्रों की तस्वीरें लीं और परीक्षा शुरू होने के 10 मिनट बाद रमेश को व्हाट्सएप पर भेज दी।

सोमवार को हुई गिरफ्तारियों के साथ, मामले में गिरफ्तार लोगों की कुल संख्या 49 हो गई है। रमेश को सहायक अभियंता (सिविल) परीक्षा का लीक हुआ प्रश्न पत्र एक अन्य आरोपी पूला रवि किशोर से मिला था, जो बिजली विभाग में एक कनिष्ठ सहायक है। रमेश ने लीक हुए प्रश्नपत्र को करीब 25 अभ्यर्थियों को 25 लाख से 30 लाख रुपये में बेचा। परीक्षा 5 मार्च को हुई थी। 22 जनवरी और 26 फरवरी को पूर्व में आयोजित एईई और डीएओ परीक्षाओं के लिए, रमेश ने उम्मीदवारों की मदद के लिए नवीनतम एआई तकनीक और माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का इस्तेमाल किया। एक परीक्षक के माध्यम से परीक्षा केंद्र से अपने मोबाइल पर प्रश्न पत्र प्राप्त करने के बाद, उसने चार अन्य लोगों की मदद से सही उत्तर प्राप्त करने के लिए चैटजीपीटी का उपयोग किया और ब्लूटूथ ईयरबड्स का उपयोग करके परीक्षा हॉल में उपस्थित उम्मीदवारों को इसे रिले कर दिया।

रमेश का कथित तौर पर प्रत्येक उम्मीदवार के साथ 20 लाख से 30 लाख रुपये में सौदा था। टीएसपीएससी परीक्षा पेपर लीक का मामला शुरू में सोची गई तुलना में अधिक जटिल हो रहा है क्योंकि एसआईटी नए निष्कर्ष निकाल रही है। टीएसपीएससी घोटाला 13 मार्च को एक युवक की शिकायत के बाद सामने आया था। पुलिस ने शुरुआत में टीएसपीएससी में सहायक अनुभाग अधिकारी के रूप में काम करने वाले प्रवीण कुमार और टीएसपीएससी में नेटवर्क एडमिनिस्ट्रेटर राजशेखर रेड्डी सहित नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया था। उन्होंने कथित तौर पर आयोग के एक गोपनीय खंड में एक कंप्यूटर से कुछ परीक्षाओं के प्रश्नपत्र चुरा लिए थे और उन्हें अन्य आरोपियों को बेच दिया था। इसके बाद, एसआईटी ने अकेले महबूबनगर जिले से 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया। जांचकर्ताओं ने बाद में पाया कि इस मामले के हैदराबाद, रंगारेड्डी, नागरकुर्नूल, खम्मम और नलगोंडा जिलों से संबंध हैं।

परीक्षा पेपर लीक मामले ने तेलंगाना में सनसनी फैला दी क्योंकि विपक्षी दलों कांग्रेस और बीजेपी ने लीक के लिए बीआरएस सरकार को दोषी ठहराया जिससे राज्य में लाखों बेरोजगार प्रभावित हुए। विपक्ष उच्च न्यायालय के एक सिटिंग जज या केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा जांच की भी मांग कर रहा है।

एसआईटी ने टीएसपीएससी के अध्यक्ष जनार्दन रेड्डी, सचिव अनीता रामचंद्रन और सदस्य बी. लिंगा रेड्डी से भी पूछताछ की है।

पहलवानों ने गंगा में नहीं बहाए मेडल

टिकैत के कहने पर माने, बजरंग, साक्षी-विनेश ने उन्हें मेडल्स सौंपे, सरकार को 5 दिन का अल्टीमेटम

हरिद्वार, 30 मई (एजेंसियां)। भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण सिंह के खिलाफ धरना देने वाले पहलवानों ने हर की पौड़ी में अपने मेडल गंगा में बहाने का फैसला बदल दिया है। पहलवान मेडल बहाने के लिए हरिद्वार पहुंच गए थे। इसका पता चलते ही भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष नरेश टिकैत वहां पहुंचे।

पहलवानों से बात कर उन्होंने केंद्र सरकार को कार्रवाई के लिए 5 दिन का अल्टीमेटम दिया है। टिकैत ने उनसे मेडल्स और मोमेंटो वाली पोटली भी ले ली है। उन्होंने कहा कि इन्हें राष्ट्रपति को देंगे। सभी खिलाड़ी हरिद्वार से घर के लिए रवाना हो गए हैं। इससे पहले साक्षी मलिक, बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट करीब एक घंटे तक हर की पौड़ी में बैठकर मेडल पकड़े रोते रहे। इससे पहले गंगा समिति पहलवानों के खिलाफ खड़ी हो गई थी। उनका कहना था कि ये (हर की पौड़ी) पूजा-पाठ की जगह है, राजनीति की नहीं।

बता दें, ये पहलवान बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी के लिए जंतर-मंतर पर धरना दे रहे थे। रविवार को पुलिस से हुई झड़प के बाद ये जंतर-मंतर से लौट आए थे। रेसलर साक्षी मलिक ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि मेडल्स गंगा में प्रवाहित करने के बाद इंडिया गेट पर आमरण अनशन करेंगे। हमने पवित्रता से इन मेडल को हासिल किया था। इन मेडल को पहनाकर तेज सफेदी वाला तंत्र सिर्फ अपना प्रचार करता है। फिर हमारा शोषण करता है। राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को नहीं लौटाएंगे, क्योंकि उन्होंने हमारी कोई सुध नहीं ली।

इस बीच, बृजभूषण शरण सिंह ने 5 जून को अयोध्या में महा रैली बुलाई है। इसमें संत भाग लेंगे। बृजभूषण और संतों का कहना है कि पॉक्सो एक्ट का फायदा उठाकर इसका दुरूपयोग किया जा रहा है।

साक्षी मलिक की पोस्ट की 5 बातें

हमें अपराधी बना दिया, शोषण करने वाला ठहाके लगा रहा। क्या हमने मेडल इसलिए जीते थे कि तंत्र हमारे साथ घटिया व्यवहार करे। हमें घसीटे और फिर हमें ही अपराधी बना दे।

मेडल लौटाने पर सवाल आया कि किसे लौटाएं? राष्ट्रपति और पीएम को लौटाने पर मन नहीं माना। राष्ट्रपति कुछ नहीं बोलीं। प्रधानमंत्री ने हमें अपने घर की बेटियां बताया लेकिन एक बार भी सुध नहीं ली।

यह मेडल अब हमें नहीं चाहिए क्योंकि इन्हें पहनाकर हमें मुखौटा बनाकर तंत्र सिर्फ अपना प्रचार और फिर हमारा शोषण करता है। हम उस शोषण के खिलाफ बोलें तो हमें जेल में डालने की तैयारी कर लेता है। ये मेडल सारे देश के लिए ही पवित्र हैं और पवित्र मेडल को रखने की सही जगह पवित्र मां गंगा ही हो सकती है, न कि हमें मुखौटा बना फ़ायदा लेने के बाद हमारे उत्पीड़क के साथ खड़ा हो जाने वाला हमारा अपवित्र तंत्र।

बीआरएस : परिसीमन पर दक्षिणी राज्यों के साथ होगा अन्याय

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने मंगलवार को कहा कि अगर जनसंख्या के आधार पर लोकसभा सीटों का परिसीमन साल 2026 के बाद किया जाता है तो यह दक्षिणी राज्यों के साथ घोर अन्याय होगा।

बता दें, काफी दिनों से चर्चा बनी हुई है कि अगर भाजपा अगले साल होने वाले आम चुनावों में जीत गई तो केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार संसदीय क्षेत्रों के परिसीमन की प्रक्रिया शुरू करेगी। हाल ही में नया संसद भवन बना है, जिसका उद्घाटन पीएम नरेंद्र मोदी ने 28 मई को किया था।

इस नए संसद भवन की लोकसभा में अधिकतम 888 सांसदों के बैठने की क्षमता है। वहीं, राज्यसभा में 384 सदस्यों के बैठने की क्षमता है। इसको इसी आधार पर बनाया गया है कि अगर सीटें बढ़ती हैं, तो बैठने की जगह बनी रहे।

रामाराव ने कहा कि केंद्र की नीतियों का पालन करने वाले और पढ़े-लिखे होने का सबूत देते हुए जनसंख्या को नियंत्रित करने वाले दक्षिणी राज्यों के लिए जनसंख्या के आधार पर परिसीमन होना गलत होगा। उन्होंने कहा कि इस फैसले से दक्षिण के राज्यों के साथ गंभीर अन्याय होने की संभावना है।

बीआरएस नेता ने कहा कि परिसीमन के कारण दक्षिणी राज्यों को कम लोकसभा सीटें मिल सकती हैं। यह वाकई दुख की बात है। उन्होंने कहा कि इसका लाभ उन उत्तरी राज्यों को मिलेगा जो केंद्र सरकार की अपील के बावजूद जनसंख्या को नियंत्रित नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनसंख्या नियंत्रित करने वाले केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना राज्यों को आज उनकी प्रगतिशील नीतियों के लिए कड़ी सजा दी जा रही है।

रामा राव ने दावा किया कि केवल 18 प्रतिशत आबादी वाले दक्षिणी राज्य सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 35 प्रतिशत का योगदान करते हैं। उन्होंने दक्षिणी राज्यों के नेताओं और लोगों से अन्याय के खिलाफ बोलने की अपील की।

दिल्ली शराब नीति केस, सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज

हाईकोर्ट ने कहा- वे गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं, अब सुप्रीम कोर्ट जाएंगे मनीष

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने शराब नीति केस में मंगलवार को मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज कर दी। सीबीआई के भ्रष्टाचार मामले में कोर्ट ने सुनवाई करते हुए कहा कि सिसोदिया एक पावरफुल इंसान हैं और वे बाहर आएंगे तो गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं। हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ अब सिसोदिया सुप्रीम कोर्ट में अपील करेंगे।

हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान जस्टिस दिनेश शर्मा ने कहा, सिसोदिया पर आरोप है कि दिल्ली की शराब नीति साउथ ग्रुप के इशारे पर उन्हें अनुचित लाभ देने के इरादे से बनाई गई थी। ये बेहद गंभीर मामला है। कोर्ट ने कहा कि सिसोदिया एक प्रभावशाली व्यक्ति हैं और जमानत पर रिहा होने पर गवाहों को प्रभावित किए जाने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है।

सीबीआई ने जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा कि सिसोदिया दिल्ली के डिप्टी सीएम रह चुके हैं और उनके पास 18 विभाग थे। ऑफिस और नौकरशाहों पर सिसोदिया का प्रभाव और दबदबा स्पष्ट है। इतना ही नहीं ऊंचे पदों पर बैठे उनकी पार्टी के सहयोगी जांच को प्रभावित करने के लिए गलत दावे कर रहे हैं। वे यह भी कह रहे है कि सिसोदिया राजनीतिक बदले का शिकार हुए हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक ईडी ने आरोप लगाया है कि सिसोदिया ने शराब घोटाले में रिश्वत के तौर पर 622 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की है। ईडी इस मामले में अब तक चार चार्जशीट दायर कर चुका है। जल्द ही 5वीं चार्जशीट भी दायर करने वाला है।

ईडी ने कहा कि सिसोदिया ने शराब नीति घोटाले में सबूत छिपाने के लिए 14 फोन इस्तेमाल किए। जांच में यह पता चला है कि ये 14 फोन देवेंद्र शर्मा, सुधीर कुमार, जावेद खान और रोमाडो क्लॉथ्स नाम की कंपनी ने खरीदे थे।

सिसोदिया 11 महीने से आईफोन 13 मैक्स प्रो का इस्तेमाल कर रहे थे, लेकिन एलजी के आदेश के तुरंत बाद इसे नष्ट कर दिया। इतना ही नहीं, उन्होंने जांच के दौरान बताया कि उन्हें नहीं पता कि नष्ट किया गया फोन कहां है।

सोमवार को दिल्ली हाईकोर्ट में भी ईडी केस में जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। सिसोदिया ने अपना पक्ष रखते हुए कहा, ऐसे मामले में जहां कई आरोपी हैं, आप सब कुछ मेरे सिर पर सिर्फ इसलिए नहीं डाल सकते क्योंकि मैं उच्च पदाधिकारी हूं। एक मंत्री 3 साल के भीतर 3 फोन यूज करता है क्या बड़ी बात है। आईफोन के दीवाने हैं, जो हर साल फोन बदलते हैं। इसमें समस्या क्या है।

मनीष सिसोदिया को सीबीआई ने इस साल 26 फरवरी को गिरफ्तार किया था। तब से वे जेल में हैं। हाईकोर्ट से पहले 31 मार्च को ट्रायल कोर्ट ने भी सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज कर दी थी।

पाक जेल में भारतीय मछुआरे की मौत

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान की जेल में बंद एक और भारतीय मछुआरे बालू जेठा की मौत हो गई। मामला 28 मई का है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जेठा ने अपनी सजा पूरी कर ली थी और उसे रिहाई का इंतजार था, लेकिन इससे पहले ही उसकी मौत हो गई। पिछले 2 महीनों में ये इस तरह का चौथा मामला है।

पाकिस्तान ने सजा पूरी करने के बाद भी 400 से ज्यादा भारतीयों को गैरकानूनी तरह से अपनी कैद में रखा हुआ है। इससे पहले 4 अप्रैल को विपन कुमार, 6 मई को जुल्फिकार और 8 मई को सोमा देव नाम के मछुआरों की भी मौत हो गई थी। इसके अलावा, पाकिस्तान में तीन और भारतीय मछुआरों की हालत गंभीर है।

मई में रिहा हुए थे 500 भारतीय मछुआरे

कॉन्सुलर एक्सेस 2008 पर समझौते की धारा 5 के मुताबिक, दोनों देशों की सरकारों को राष्ट्रीय स्थिति की पुष्टि और सजा पूरी होने के एक महीने के अंदर कैदियों को रिहा करके उनके देश वापस भेजना होता है। पाकिस्तान की सरकार ने हाल ही में 500 भारतीय कैदियों को रिहा करने की घोषणा की थी। इनमें गुजरात से 184 मछुआरे, आंध्र प्रदेश से 3, दीवान से 4, महाराष्ट्र से 5 और उत्तर प्रदेश से 2 मछुआरे शामिल थे। सभी लोगों को 2 गुट में भारत भेजा गया। रिहा हुए 184 गुजराती मछुआरों ने बताया था कि 184 वो करीब साढ़े 3 से 4 साल पहले खराब मौसम के चलते रास्ता भटककर पाकिस्तान की सीमा में पहुंच गए थे।

आज विशाखापट्टनम में आयोजित होगा नौसेना अलंकरण समारोह, पुरस्कारों का होगा वितरण

विशाखापट्टनम, 30 मई (एजेंसियां)। नौसेना अलंकरण समारोह-2023 नौसेना बेस विशाखापट्टनम में 31 मई 2023 को आयोजित किया जाएगा। ऐसा पहली बार होगा जब 'नौसेना अलंकरण समारोह' शाम को आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन में उन नौसेना कर्मियों को सम्मानित किया जाएगा जिन्होंने वीरतापूर्ण कार्यों, नेतृत्व, पेशेवर उपलब्धियों और उच्च कोटि की विशिष्ट सेवा का प्रदर्शन किया है। नौसेना ने एक बयान में कहा कि नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की ओर से वीरता और विशिष्ट सेवा पुरस्कार प्रदान करेंगे।

पुरस्कारों का होगा वितरण

समारोह के दौरान 33 पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे, जिनमें दो 'नौसेना मेडल'(शौर्य), 13 'नौसेना मेडल' (कर्त्तव्य के प्रति समर्पण), 16 'विशिष्ट सेवा मेडल' और दो 'जीवन रक्षा पदक' शामिल हैं। नौसेनाध्यक्ष, हथियार उन्नति और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अग्रणी अनुसंधान के लिए 'लेफ्टिनेंट वी के जैन मेमोरियल गोल्ड मेडल' और उड़ान-सुरक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए 'कैप्टन रवि धीर मेमोरियल गोल्ड मेडल' भी प्रदान करेंगे।

नौसेना के यूट्यूब चैनल पर लाइव स्ट्रीम देख सकते हैं

उन्होंने कहा कि परिचालन इकाइयों और तट इकाइयों के लिए इकाई उद्धरण भी प्रस्तुत किए जाएंगे। यह कार्यक्रम भारतीय नौसेना के कई वरिष्ठ गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में एक औपचारिक परेड के साथ शुरू होगा। अगर कोई इस कार्यक्रम को देखना चाहता है तो इसे भारतीय नौसेना के यूट्यूब चैनल पर लाइव स्ट्रीम किया जाएगा वहां आप पूरा कार्यक्रम देख सकते हैं।

केंद्रीय अध्यादेश पर रार! सीपीएम ने आप को दिया समर्थन

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। दिल्ली में अधिकारियों की पोस्टिंग, ट्रांसफर के मुद्दे पर केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ अरविंद केजरीवाल विभिन्न नेताओं से समर्थन मांग रहे हैं। इसी कड़ी में मंगलवार को केजरीवाल ने सीपीआई (एम) के महासचिव सीताराम येचुरी से मुलाकात की। इस दौरान आप नेता संजय यादव, राघव चड्ढा और आतिशी मर्लेना भी केजरीवाल के साथ मौजूद रहे। वहीं सीपीआई (एम) की तरफ से सीताराम येचुरी के अलावा वृंदा करात, प्रकाश करात जैसे वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

सीपीआई (एम) ने किया आप को समर्थन

बैठक के आप संयोजक और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवा ने बताया कि सीपीआई (एम) ने केंद्रीय अध्यादेश के खिलाफ दिल्ली सरकार के समर्थन का फैसला किया है। वहीं सीताराम येचुरी ने कहा कि हम केंद्र के अध्यादेश की निंदा करते हैं। यह असंवैधानिक है, साथ ही यह कोर्ट की अवमानना भी है। हम सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी कांग्रेस से अपील करते हैं कि वह आगे आए और संविधान को बचाए।

विपक्षी नेताओं से क्यों समर्थन मांग रहे केजरीवाल

केंद्रीय अध्यादेश के खिलाफ समर्थन के लिए केजरीवाल विपक्षी नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं। सीपीआई (एम) नेतृत्व से मिलने से पहले केजरीवाल इस मुद्दे पर तेलंगाना के सीएम के चंद्रशेखर राव, एनसीपी चीफ शरद पवार, बिहार के सीएम नीतीश कुमार, पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से भी मिल चुके हैं। केजरीवाल कांग्रेस नेताओं से भी मिलने की योजना बना रहे हैं लेकिन कांग्रेस अभी केंद्रीय अध्यादेश के खिलाफ केजरीवाल को समर्थन देने के मुद्दे पर एकराय नहीं है। दिल्ली कांग्रेस के नेताओं ने पार्टी अध्यक्ष खड़गे को साफ मना कर दिया है। हालांकि आखिरी फैसला पार्टी आलाकमान को ही लेना है। राज्यसभा में अभी भी विपक्ष का बहुमत है। यही वजह है कि केजरीवाल केंद्रीय अध्यादेश के खिलाफ विपक्षी नेताओं का समर्थन मांग रहे हैं ताकि जब संसद सत्र के दौरान अध्यादेश पास होने के लिए राज्यसभा में लाया जाए तो वहां इसे पास ना कराया जा सके।

मणिपुर के दौरे पर गृहमंत्री अमित शाह

हिंसा पीड़ित परिवारों के लिए मुआवजे का ऐलान

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने मणिपुर में बीते कुछ दिनों में जातीतय संघर्ष में मारे गए लोगों के परिवारों के लिए 10 लाख रुपये के मुआवजे का ऐलान किया है। देश के गृहमंत्री अमित शाह ने भी हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा किया।

गृहमंत्री अमित शाह ने हिंसा प्रभावित चुराचांदपुर जिले का दौरा किया, जहां आदिवासी महिलाओं ने राष्ट्रीय ध्वज थामे उनका स्वागत किया। राज्य में फैली अशांति के बीच महिलाएं ने अपने हाथ में पोस्टर थामा हुआ था, जिसपर लिखा था कि सिर्फ केंद्र ही समाधान ढूंढ़ सकता है।

गृहमंत्री अमिता शाह ने मंगलवार को इंफाल में मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों सहित कई प्रमुख हस्तियों के साथ मुलाकात की। मणिपुर के अपने दौरे के दौरान गृह मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि जिन प्रमुख हस्तियों से मैंने मुलाकात की उन्होंने शांति के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की और आश्वासन दिया कि हम साथ मिलकर मणिपुर में सामान्य स्थिति बहाल करने का मार्ग प्रशस्त करने में योगदान देंगे।

इंफाल में मुख्यमंत्री सचिवालय में विस्तृत चर्चा हुई जहां कई स्टेकहोल्डर्स ने राज्य में सामान्य स्थिति बहाल करने का संकल्प लिया। केंद्र ने यह भी कहा कि अफवाहों को दूर करने के लिए बीएसएनएल की मदद से टेलीफोन लाइनें भी स्थापित की जाएंगी।

एक महीने पहले आरक्षित वन भूमि से कुकी समुदाय के लोगों को बेदखल करने को लेकर झड़प हुई थी।

हिजाब पर लेंगे ऐसा निर्णय, सभी को होगा लाभ

बेंगलुरू, 30 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक के स्कूलों और कॉलेजों में हिजाब पर प्रतिबंध के संबंध में राज्य के शिक्षा मंत्री मधु बंगरप्पा ने मंगलवार को कहा कि कांग्रेस सरकार ऐसा फैसला लेगी, जिससे सभी छात्रों को लाभ होगा। पत्रकारों से बात करते हुए, बंगरप्पा ने स्वीकार किया कि हिजाब के मुद्दे पर कुछ कानूनी बाधाएं थीं, लेकिन हम एक निर्णय लेंगे जिससे पूरे छात्र समुदाय को लाभ होगा।

उन्होंने कहा, हम सभी छात्रों के हितों को ध्यान में रखते हुए कानूनी रूप से मामले को आगे बढ़ाएंगे।

उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार और कांग्रेस ने जोर देकर कहा था कि राज्य में कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद हिजाब पर प्रतिबंध सहित, पूर्व भाजपा सरकार द्वारा सांप्रदायिक आधार पर बनाए गए सभी कानूनों को वापस ले लिया जाएगा।

कैबिनेट मंत्री प्रियांक खड़गे ने भी कहा है कि कांग्रेस हिजाब, हलाल कट और गोहत्या कानूनों पर प्रतिबंध वापस लेगी। उडुपी प्री-यूनिवर्सिटी गर्ल्स कॉलेज की छह छात्राओं द्वारा शुरू किया गया हिजाब विवाद पिछले साल राज्य में एक संकट में बदल गया। हिजाब के बिना कक्षाओं में जाने से इनकार करने वाले छात्राओं का अभी भी कहना है कि वे तब तक इंतजार करेंगे जब तक कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा अंतिम फैसला नहीं सुनाया जाता। इस मुद्दे ने सांप्रदायिक रंग ले लिया था और इसके परिणामस्वरूप राज्य में बदले की भावना से हत्याएं हुईं।

बंगारप्पा ने मंगलवार को संवाददाताओं को अपने संबोधन में कहा कि पाठ्यपुस्तकों और गणवेश को लेकर कोई भ्रम नहीं है। उन्होंने कहा, शैक्षणिक वर्ष के लिए स्कूलों को शुरू करने के लिए सभी तैयारियां की गई हैं। मैं शिवमोग्गा में एक स्कूल का दौरा कर रहा हूं और स्कूलों में छात्रों का स्वागत कर रहा हूं। शिक्षा विभाग तैयार है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

बुधवार, 31 मई, 2023 4

सुविचार

जिंदगी की हर सुबह कुछ शर्तें लेकर आती है, और जिंदगी की हर शाम कुछ तजुर्बे देकर जाती है..!!

बीआरएस सरकार के प्रदर्शन से तेलंगाना के लोग खुश : गुत्ता

नलगोंडा, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य विधान परिषद के अध्यक्ष गुत्ता सुखेंद्र रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना के लोग अभी भी मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली बीआरएस सरकार के प्रदर्शन से संतुष्ट हैं और पिछले नौ साल में विकास के फल सभी वर्गों के लोगों तक पहुंचे हैं।

मंगलवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, गुत्ता सुखेन्द्र रेड्डी ने कहा कि राज्य के गठन के बाद से कृषि क्षेत्र का विकास प्रदर्शन बहुत प्रभावशाली रहा है और बीआरएस सरकार एक बार संकटग्रस्त कृषि को जीवंत और लाभदायक बनाने में सफल रही है। उन्होंने बताया कि तेलंगाना सरकार के कर्मचारी देश के सभी राज्यों में सबसे अधिक वेतन प्राप्त कर रहे हैं और वे अभी भी केसीआर सरकार से खुश हैं।

परिषद के अध्यक्ष ने कहा कि तेलंगाना विकास के मामले में अन्य राज्यों के लिए एक रोल मॉडल बनकर उभरा है और विभिन्न क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति दर्ज कर रहा है।

महाजन संपर्क अभियान के जरिए पीएम की योजनाओं को लोगों तक पहुंचाएं : बंडी

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने आज पार्टी कार्यकर्ताओं से तेलंगाना में महाजन संपर्क अभियान के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने को कहा। उन्होंने करीमनगर संसदीय क्षेत्र के पार्टी नेताओं के साथ बैठक के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं को ये निर्देश जारी किए। बैठक में संपर्क अभियान के नाम पर किए जाने वाले कार्यक्रमों पर चर्चा की गई।

भाजपा करीमनगर संसदीय संयोजक बोनीपल्ली प्रवीण राव ने करीमनगर के एक होटल में संसदीय क्षेत्र के नेताओं के साथ बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में संयुक्त जिला प्रभारी चाडा सुरेश रेड्डी, पूर्व मंत्री सुद्दला देवैया, पूर्व विधायक एनवीएसएस प्रभाकर, बोडिगे शोभा, करीमनगर, जगतियाल और सिरसिल्ला जिला अध्यक्ष गंगादी कृष्ण रेड्डी, सत्यनारायण, प्रताप रामकृष्ण, मोहन रेड्डी और अन्य शामिल हुए।

इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि देश की बेहतरी और लोगों के कल्याण के लिए लागू की जा रही योजनाओं पर अभियान को घर-घर तक ले जाना चाहिए क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के नौ साल पूरे हो गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले यूपीए शासन के दौरान, 2जी, कोयला और स्पेक्ट्रम सहित बड़े पैमाने पर घोटाले हुए थे और कहा कि भ्रष्टाचार बड़े पैमाने पर था। हर जगह बम विस्फोट और दंगे थे, और लोग दहशत की स्थिति में थे। मोदी के आने के बाद भ्रष्टाचार मुक्त शासन जारी है। वह बम धमाकों और हिंसा के बिना कानून व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में काम कर रहे हैं। उन्होंने कोरोना वायरस के दौरान वैक्सीन मुहैया कराकर न सिर्फ देश की जनता की जान बचाई है, बल्कि करीब 50 देशों को कोविड वैक्सीन मुहैया कराकर दुनिया के सामने एक मिसाल कायम की है। इसलिए ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री सहित पूरी दुनिया मोदी को बॉस कह रही है। पापुआ न्यू गिनी के प्रधानमंत्री ने मोदी के पैर छुए, जो इसका प्रमाण है। उन्होंने कहा कि मोदी के कार्यकाल में 74 हवाई अड्डों का निर्माण किया गया और आम आदमी को सस्ती दर पर हवाई यात्रा करने की अनुमति दी गई। पिछले 9 वर्षों में, उन्होंने कहा कि 53,000 किमी से अधिक सड़कों को चौड़ा किया गया है और 20 वंदे भारत ट्रेनें और 15 मेट्रो ट्रेनें मोदी सरकार द्वारा शुरू की गई हैं।

रेलवे स्टेशनों का अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार आधुनिकीकरण किया जा रहा है। सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन भी है। रेलवे लाइन का आधुनिकीकरण किया गया है। करीमनगर-वारंगल रेलवे लाइन और महबूबनगर-विशाखापत्तनम रेलवे लाइन को मंजूरी दी गई है। पहले 7 एम्स थे। मोदी के कार्यकाल में 15 नए एम्स बनाए गए। इनमें से एक तेलंगाना में है। हमने सात नए आईआईटी और बड़ी संख्या में विश्वविद्यालयों की स्थापना की है। पीएम गति शक्ति के नाम पर बड़ी संख्या में इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया गया है।

1.90 लाख करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। इसी का नतीजा है कि आर्थिक विकास में 10वें स्थान पर रहने वाला भारत आज इंग्लैंड को पछाड़ 5वें स्थान पर पहुंच गया। भारत सरकार द्वारा यमन, सीरिया, अफगानिस्तान, नेपाल और सूडान से लगभग 20,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

तेलंगाना के 10वें स्थापना दिवस समारोह को भव्य तरीके से मनाएं : स्मिता सभरवाल

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री की सचिव और मिशन भागीरथ की सचिव स्मिता सभरवाल ने मिशन भागीरथ के इंजीनियरों और अधिकारियों को तेलंगाना के 10वें स्थापना दिवस समारोह को भव्य तरीके से आयोजित करने का निर्देश दिया। 18 जून को होने वाले जल महोत्सव की व्यवस्था की जाए। स्मिता सभरवाल ने एर्रमंजिल, हैदराबाद में मिशन भागीरथ मुख्यालय में सभी जिलों के मुख्य अभियंताओं और अधीक्षण अभियंताओं के साथ दशक समारोह पर एक समीक्षा बैठक की। स्मिता सभरवाल ने इन समारोहों के लिए हैदराबाद को छोड़कर शेष 32 जिलों के लिए प्रभारी नियुक्त किए। 18 जून को मिशन भागीरथ जल शोधन केंद्रों और गांवों में समारोह आयोजित करे। वह ग्रामीणों को समझाना चाहते थे कि मीठे पानी के लिए उन्हें किन-किन कठिनाइयों का

सामना करना पड़ता है, और पीने के पानी की आपूर्ति जो मिशन भागीरथ आज कर रहा है। ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों, छात्रों और मीडिया प्रतिनिधियों को जल उपचार संयंत्र में ले जाकर जल शोधन की प्रक्रिया दिखानी चाहिए कि पानी कहाँ से आ रहा है? वे उन्हें समझाना चाहते हैं कि कितने गांवों में आपूर्ति की जा रही है। वे यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि सभी ग्रामीण इन समारोहों में भाग लें। 13 जून को महिला कल्याण दिवस समारोह में मिशन भागीरथ की महिला अभियंताओं एवं कर्मचारियों को भाग लेना चाहिए। भगीरथ प्रधान कार्यालय सहित अधीक्षण अभियंता कार्यालयों में महिला कर्मचारियों के लिए विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। अच्छा प्रदर्शन करने वाली महिला कर्मचारियों को सम्मानित किया जाना चाहिए। बैठक में ईएनसी कृपाकर रेड्डी, सरकारी सलाहकार ज्ञानेश्वर समेत सभी जिलों के मुख्य अभियंताओं, अधीक्षण अभियंताओं और कार्यकारी अभियंताओं ने भाग लिया।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

निविदा सूचना सं.28 से 32-डीआरएम-डब्ल्यू-एचवायबी दि.26.05.2023

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, मंडल रेल प्रबंधक/वर्क्स, हैदराबाद डिवीजन, दमरे, सिकंदराबाद व्दारा निम्न कार्यों हेतु ई-प्रोक्युरमेंट के माध्यम से दि.20.06.2023 के 15.00 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं. 28-डीआरएम-डब्ल्यू-एचवायबी, कार्य विवरण: सिकंदराबाद-धोने सेक्शन: तिम्मापुर(टीएमएक्स)- सीएमसीटी से चलने वाली मालगाड़ियों की खास डीलिंग हेतु अतिरिक्त लूप लाइन की व्यवस्था। अनुमानित लागत(रु.) 7118567/-, पूधरा(रु.) 142400/-

निविदा सं. 29-डीआरएम-डब्ल्यू-एचवायबी, कार्य विवरण: एचवायबी डिवीजन:एससी-एडीइएन/केसीजी के क्षेत्राधिकार के तहत दि.1.7.2023 से 30.06.2024 की अवधि के लिए स्टेशनों, सर्कुलेटिंग एरियाज, याड्र्स, फूट ओवर ब्रिजेस, गार्डन्स/पार्क्स सहित कार्टर्स एवं सर्विस बिल्डिंग्स की वार्षिक मरम्मत/रखरखाव कार्य। अनुमानित लागत(रु.)16000000/-, पूधरा(रु.)230000/-

निविदा सं. 30-डीआरएम-डब्ल्यू-एचवायबी, कार्य विवरण: एचवायबी डिवीजन:एससी-एडीइएन/केआरएनटी के क्षेत्राधिकार के तहत दि.1.7.2023 से 30.06.2024 की अवधि के लिए स्टेशनों, सर्कुलेटिंग एरियाज, याड्र्स, फूट ओवर ब्रिजेस, गार्डन्स/पार्क्स सहित कार्टर्स एवं सर्विस बिल्डिंग्स की वार्षिक मरम्मत/रखरखाव कार्य। अनुमानित लागत(रु.)20000000/-, पूधरा(रु.)250000/-

निविदा सं. 31-डीआरएम-डब्ल्यू-एचवायबी, कार्य विवरण: एचवायबी डिवीजन:एससी-एडीइएन/एलएएनडी के क्षेत्राधिकार के तहत दि.1.%.2023 से 30.06.2024 की अवधि के लिए स्टेशनों, सर्कुलेटिंग एरियाज, याड्र्स, फूट ओवर ब्रिजेस, गार्डन्स/पार्क्स सहित कार्टर्स एवं सर्विस बिल्डिंग्स की वार्षिक मरम्मत/रखरखाव कार्य। अनुमानित लागत(रु.)9000000/-, पूधरा(रु.)180000/-

निविदा सं. 32-डीआरएम-डब्ल्यू-एचवायबी, कार्य विवरण: एचवायबी डिवीजन:एससी- एडीइएन/एनजेडबी के क्षेत्राधिकार के तहत दि.1.7.2023 से 30.06.2024 की अवधि के लिए स्टेशनों, सर्कुलेटिंग एरियाज, याड्र्स, फूट ओवर ब्रिजेस, गार्डन्स/पार्क्स सहित कार्टर्स एवं सर्विस बिल्डिंग्स की वार्षिक मरम्मत/रखरखाव कार्य। अनुमानित लागत(रु.)14565000/-, पूधरा(रु.)222800/-

मंडल रेल प्रबंधक/कार्य/ हैदराबाद

निविदा सूचना सं.05/ डब्ल्यूडब्ल्यूएस/ आरवायपीएस/2023-24 दि.29/05/2023

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, उप मुख्य यांत्रिक अभियंता/आरवायपीएस, दमरे, वैगन वर्कशाप, गुंटुपल्ली-521241 व्दारा ई- निविदा आमंत्रित है।

निविदा सूचना सं. 05/डब्ल्यूडब्ल्यूएस/आरवायपीएस/2023-24, दि.29.05.2023 निविदा सं. जीआर/एम/197/पेंटिंग/ 05/ 2023-24, कार्य विवरण: बीसीएन/ बीसीएनए/ बीसीएनएचएल वैगान्स पर संपूर्ण पेंटिंग कार्य करना एवं वर्कशाप, गुंटुपल्ली, दक्षिण मध्य रेलवे के सभी प्रकार के वैगन्स पर बोगी स्प्रिंग सेट्स की पेंटिंग करना।

पूरा करने की अवधि: 24 महिने, निविदा मूल्य(रु.) 1,72,39,096.78(एक करोड बहत्तर लाख उनचालीस हजार छियानव्वे रुपये व अठहत्तर पैसे मात्र), जमा की जानेवाली पूधरा(रु.)2,36,200/-(केवल दो लाख छत्तीस हजार दो सौ रुपये), निविदा दस्तावेज मूल्य) निःशुल्क, आफर वैधता: खोलने की तिथि से लेकर 60 दिन, निविदा प्रकार: आयआरजीसीसी-2022 द्वारा शासित कार्य निविदा, निविदा प्रणाली: खुली निविदा- सिंगल पैकेट या एकल पैकेट, कार्य की समान प्रकृति: लागू, बोली बंद होने की तिथि व समय: 22.06.2023 के 15.00 बजे, बोली खोलने की तिथि व समय: 22.06.2023 के 15.15 बजे। निविदा दस्तावेज तथा शुध्दिपत्रों के लिए कृपया **वेबसाइट: http://www.ireps.gov.in** देखें।

ए 0801 उप मुख्य यांत्रिक अभियंता, डब्ल्यूडब्ल्यूएस/ गुंटुपल्ली

निविदा शर्तों/ तत्संबंधित अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्स: https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

पावरग्रिड, दक्षिणी क्षेत्र-I ने "स्वच्छता पखवाड़ा-2023" मनाया

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार के दौरान पावरग्रिड, दक्षिणी क्षेत्र-I अपने क्षेत्रीय कार्यालय और तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के कुछ हिस्सों में स्थापित अपने सभी प्रतिष्ठानों एवं देश भर के विभिन्न उपकेन्द्रों में 'स्वच्छता पखवाड़ा 2023' मना रहा है। गतिविधियों के रूप में,आज सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर स्वच्छता रैली और स्वच्छता अभियान चलाया गया। राजेश श्रीवास्तव, कार्यपालक निदेशक, दक्षिणी क्षेत्र-I, राजानारसु, स्टेशन मैनेजर, सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन, पीके हरिनारायणन, मुख्य महाप्रबंधक (मा.सं.), अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं पावरग्रिड क्षेत्रीय मुख्यालय के कर्मचारियों ने इस सफाई अभियान में भाग लिया। आम जनता तक स्वच्छता का संदेश पहुंचाने के लिए रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन भी किया गया। पखवाड़ा कार्यक्रमों में पावरग्रिड के कर्मचारियों द्वारा स्वच्छता ई-प्रतिज्ञा ली गयी। इस पखवाड़े के दौरान,पावरग्रिड ने अपने सभी प्रतिष्ठानों में सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता अभियान,स्वच्छता पर जागरूकता पैदा करने के लिए छात्रों के लिए प्रतियोगिताएं, प्लास्टिक थैलियों को बदलने के लिए कपास की थैलियों का वितरण आदि जैसी गतिविधियों का आयोजन किया।

प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष ने सीएम से पूछे कई सवाल

कहा, राज्य में गरीब उच्च जातियों के लोग सबसे ज्यादा उपेक्षित

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष एवं उप्पल के पूर्व विधायक एनवीएसएस प्रभाकर ने आज एक प्रेस विज्ञप्ति में सीएम केसीआर को 10 सवाल पूछे तथा इसका जबाव ब्राह्मण भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में देने की अपील की। उन्होंने अपने बयान में पूछा कि हर बार जब भी मैं आपसे मिलता हूं तो आपसे राज्य में संस्कृत विश्वविद्यालय बनने के लिए कहता हूं, किंतु आपने अभी तक इसकी शुरूआत क्यों नहीं की? समाज के निर्माण में योगदान देने वाले वैदिक विद्यालय की स्थापना धर्मस्व विभाग द्वारा क्यों नहीं की गई है? नास्तिकों को विधान परिषद के सदस्य के रूप में नियुक्त करना कहां तक उचित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ईडब्ल्यूएस के तहत उच्च जातियों में गरीबों के लिए दस प्रतिशत आरक्षण की घोषणा की गई। इसे राज्य में गरीब उच्च जातियों के लोगों के लिए क्यों नहीं शुरू किया गया है।

'स्पेशल 26' से प्रेरित गिरोह ने ज्वेलरी शॉप से लूटे 60 लाख के सोना, गिरफ्तार

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अक्षय कुमार अभिनीत 'स्पेशल 26' और इसी तरह की फिल्मों से कथित रूप से प्रेरित एक चार सदस्यीय डकैती गिरोह छद्म आई-टी अधिकारियों पर, एक आभूषण की दुकान से 60 लाख रुपये मूल्य की 17 सोने की छड़ें लूटता है, जिसे टास्क फोर्स और मार्केट पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से 573 ग्राम वजन की 7 सोने की छड़ें बरामद की हैं।

गिरफ्तार लोगों में महाराष्ट्र के रहमान गफूर अतहर, चिक्कडपल्ली के जाकिर गनी अतहर, महाराष्ट्र के प्रवीण यादव और आकाश अरुण होविल शामिल हैं। फरार लोगों में अभिजीत कुमार, अमोल, सिद्धनाथ, संजय परशुराम जाधव, शुभम विनोद जाधव और अजय विनोद जाधव हैं। ज्वैलरी स्टोर को निशाना बनाने से एक हफ्ते पहले, गिरोह के सदस्य हैदराबादआए और सिकंदराबाद इलाके में एक लॉज में ठहरे, जाकिर गनी अतहर की दुकान में सोने की छड़ें और गहने होने की जानकारी के आधार पर जहां वह काम करता है। अपनी योजना के अनुसार, शनिवार को, आई-टी अधिकारियों के रूप में प्रस्तुत गिरोह, सिकंदराबाद के पॉट मार्केट में नकली पहचान पत्र पहनकर दुकान में घुस गया और श्रमिकों को बंधक बनाकर 60 लाख रुपये मूल्य की 1,700 ग्राम सोने की छड़ें लूट लीं और भाग गया।

एमएलएम धोखाधड़ी के अलग-अलग मामलों में तीन गिरफ्तार

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सेंट्रल क्राइम स्टेशन पुलिस ने मंगलवार को यहां अलग-अलग घटनाओं में मल्टी-लेवल मार्केटिंग (एमएलएम) योजनाओं की आड़ में लोगों को धोखा देने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों में बेंगलुरु के जी.राजेश खन्ना, हिमायतनगर के मनीष और मलकपेट के सैयद अजमल मेहदी सज्जाद शामिल हैं, जो क्यूनेट (विहान डायरेक्ट सेलिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड) सहित दो अलग-अलग कंपनियों से जुड़े पाए गए, जो भ्रामक निवेश योजनाओं में लिप्त थे।

पुलिस ने कहा कि शुरू में महाकाली पुलिस ने तीन मामले दर्ज किए थे, जिन्हें बाद में आगे की जांच के लिए केंद्रीय अपराध स्टेशन में स्थानांतरित कर दिया गया। तदनुसार, 12 व्यक्तियों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए, जिन्होंने सिकंदराबाद में स्वप्नलोक कांप्लेक्स में वी-एम्पायर नाम की एक फर्जी कंपनी की स्थापना की और उच्च रिटर्न का वादा करके बेरोजगार युवाओं और आम जनता से पैसे एकत्र किए।

पहले मामले में मुख्य संदिग्ध, राजेश खन्ना ने अन्य लोगों के साथ मिलीभगत करके, प्रेरणा कक्षाएं संचालित कीं और लोगों को निवेश के आधार पर 20,000 रुपये से 60,000 रुपये के बीच मासिक रिटर्न के वादे के साथ ई-कॉमर्स व्यवसाय के नाम पर 50,000 रुपये से 1.5 लाख रुपये तक लुभाया।

नगर पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने कहा कि उन्होंने प्रत्यक्ष बिक्री व्यवसाय के रूप में एक पिरामिड योजना संचालित की, जो 2017 में जारी सरकार के प्रत्यक्ष बिक्री दिशानिर्देशों द्वारा सख्ती से प्रतिबंधित है। जांच के दौरान, 150 पीड़ितों की जांच की गई और उनकी सामूहिक हानि 3 करोड़ रुपये है। इसके अतिरिक्त, विहान डायरेक्ट सेलिंग प्राइवेट लिमिटेड और अन्य से संबंधित 35 बैंक खाते, जिसमें 54 करोड़ रुपये हैं, को फ्रीज कर दिया गया है। एक अलग मामले में, मनीष कट्टी और सैयद अजमल मेहदी सज्जाद, जो कंपनी के विपणन प्रभारी के रूप में काम करते थे और दो धोखाधड़ी योजनाओं को बढ़ावा देते थे, को गिरफ्तार किया गया है। इन फर्जी योजनाओं ने आंध्र प्रदेशऔर तेलंगाना के 44 व्यक्तियों को सुपर मार्केट व्यवसाय में 25-25 लाख रुपये का निवेश करने के लिए आकर्षित किया है। दुख की बात है कि व्यक्तिगत वितरक योजना में निवेश करके 300 से अधिक व्यक्तियों ने सामूहिक रूप से करोड़ों रुपये खो दिए हैं। जांच के हिस्से के रूप में, संदिग्धों और व्यक्तियों से संबंधित पांच खाते, जिनमें 6.5 करोड़ रुपये थे, फ्रीज कर दिए गए हैं।

राजभवन में गोवा राज्य दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सुंदरराजन ने कहा कि गोवा अपनी अनूठी सांस्कृतिक और पर्यटन पहचान के साथ देश में एक विशेष स्थान रखता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि गोवा के सुंदर समुद्र तट और शांत प्राकृतिक स्थान इसे देश के भीतर और बाहर प्रकृति प्रेमियों के लिए सबसे अधिक मांग वाले पर्यटन स्थलों में से एक बनाते हैं। राज्यपाल ने हैदराबाद में राजभवन

में आयोजित गोवा राज्य स्थापना समारोह को संबोधित किया। उन्होंने गोवा और तेलंगाना राज्य (पूर्व में हैदराबाद राज्य) के बीच समानता पर प्रकाश डाला, क्योंकि वे 15 अगस्त, 1947 को मुक्त नहीं हुए थे और उन्हें अपनी स्वतंत्रता के लिए कुछ और वर्षों तक इंतजार करना पड़ा था। इसके अलावा, राज्यपाल ने हैदराबाद शहर और तेलंगाना के विकास में गोवा समुदाय द्वारा किए गए महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की। उन्होंने स्वीकार किया कि हैदराबाद में रहने वाले गोवावासियों ने राज्य की संस्कृति और अद्वितीय विविधता को बहुत समृद्ध किया है। डॉ. तमिलिसाई सुंदरराजन ने सभी प्रतिभागियों से राज्य में जनजातीय लोगों के व्यापक विकास में योगदान देने के उद्देश्य से राजभवन द्वारा शुरू की गई पहल में शामिल होने का आग्रह किया। इस कार्यक्रम में गोवा समुदाय के कुछ प्रतिनिधियों द्वारा साझा किए गए व्यक्तिगत अनुभव और राजभवन के दरबार हॉल में आयोजित गोवा की जीवंत परंपराओं को प्रदर्शित करने वाले सांस्कृतिक प्रदर्शन शामिल थे। प्रतिभागियों को राज्य की पाक विरासत को दर्शाते हुए विभिन्न प्रकार के मनोरम गोअन व्यंजन भी परोसे गए।

ऑटो पलटने से एक की मौत

सूर्यापेट, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सूर्यापेट जिले के पेनफड में मंगलवार सुबह एक ऑटोरिक्शा के पलट जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। सड़क दुर्घटना में मारे गए व्यक्ति मंडल के जाना रेड्डी थंडा के ए. अजय थे। एक अन्य व्यक्ति भुख्य वरुण को भी चोटें आई हैं। पुलिस के अनुसार, पेनफाड के बाहरी इलाके में एक मोड़ पर ऑटोरिक्शा पलट गया। ओवरस्पीड बनी सड़क हादसे की वजह वे एक ऑटोरिक्शा में अपने पैतृक स्थान से सूर्यापेट जा रहे थे। सरकारी सामान्य अस्पताल में उपचाराधीन वरुण की हालत खतरे से बाहर है। पीड़िता के शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी सामान्य अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया।

मलकपेट में विराजित श्री ज्ञान मुनिजी म.सा. आदि ठाणा-2 के दर्शन-वंदन करते हुए श्री जैन सेवा समिति के अध्यक्ष ज्ञानचंद राका व श्री जैन सेवा संघ के प्रचार संयोजक प्रवीण पांड्या।

20 से 30 वर्षों से लंबित मामलों को सुलझाने की अनूठी पहल

सीआईडी ने ठंडे पड़े मामलों की जांच शुरू की, अपराधियों की तलाश जारी

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आखिरकार, कानून के लंबे हाथ अपराधियों को पकड़ने के लिए बाध्य हैं। कम से कम 20 से 30 वर्षों से लंबित मामलों को सुलझाने की एक अनूठी पहल में, तेलंगाना अपराध जांच विभाग (सीआईडी) के अधिकारी उन अपराधियों की तलाश कर रहे हैं जो इस धारणा के तहत शांति से अपना जीवन व्यतीत कर रहे हैं कि वे पुलिस के जाल से सुरक्षित दूरी पर हैं।

महेश मुरलीधर भागवत, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, अपराध जांच विभाग तेलंगाना के नेतृत्व में, विशेष जांच दल दशकों से गिरफ़्तारी से बच रहे लोगों को गिरफ्तार करने के मिशन पर देश भर में फ़ैल रहे हैं। सीमित जानकारी उपलब्ध होने के बावजूद, जो दशकों पुरानी है, विशेष जाच दल ने अब तक 11 लोगों को गिरफ्तार किया है, जो संपत्ति से जुड़े अपराधों और वित्तीय धोखाधड़ी सहित विभिन्न मामलों में फरार थे।

महेश भागवत कहते हैं कि हम उन लोगों को गिरफ्तार करने के मिशन पर हैं जो मामलों में शामिल हैं लेकिन फरार हैं।

रामदेवरा दरबार शिवरामपल्ली में स्वागत समारोह आयोजित

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थानी सैनिक क्षत्रिय माली समाज, तेलंगाना के नव निर्वाचित कार्यकारिणी सदस्यों का सम्मान समारोह का आयोजन रामदेवरा दरबार शिवरामपल्ली में किया गया। तेलंगाना जाट एकता मंच के प्रदेश अध्यक्ष धर्माराम ढाका द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक इस दौरान राजस्थानी सैनिक क्षत्रिय माली समाज की नई कमेटी के अध्यक्ष रामवल्लभ भाटी, महामंत्री राधाकिशनजी परिहार, उपाध्यक्ष जयनारायण पंवार, त्रिलोकचंद भाटी, सहमंत्री रामकिशोर कच्छवाहा, देवेंद्र सांकला, कोषाध्यक्ष पुरुषोत्तम टाक, सहकोषाधयक्ष रामकिशोर गेहलोत निर्विरोध निर्वाचित होने पर उनका हार्दिक अभिनंदन मंदिर कमेटी के श्याम सुंदर गिलडा, धर्मचंद भंसालई, कमल जाजू, धर्माराम ढाका, बनवारी महाराज, राकेश महाराज एवं अन्य द्वारा किया गया।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Service NO.14917791L, Rank: Sep, Name CH. SRINIVAS RAO S/o. Late CH. Yadaiah, R/o. H.No.13-6-277, Jaffarguda, Asifnagar, Karwan, Hyd-T.S. my mother incorrect name MANI-AMMA & Incorrect DOB is 11-01-1953, my mother correct name is CHALIMILLA MANEMMA & Correct DOB is 01-01-1947 vide affidavit No.T937604 Dt.24-05-2023

I, ARVIND SETH R/o.H No.1-8-229/4, P.N0.102, PG ROAD, SECUNDERABAD, HYD, T.S. PIN CODE 500003, Changed My Name As "ARVIND KUMAR BHAWARLALJI SETH".

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

सावन कृपाल रुहानी मिशन की एसबीआर कॉलोनी स्थित हैदराबाद शाखा की ओर से संत दर्शन सिंह महाराज के 34वें बरसी भंडारे के तहत नगर में बढती गर्मी से लोगों को राहत देने हेतु जलशाला का आयोजन छबिल आनंद नगर कॉलोनी एवं अफजलगंज में किया गया।

ममता बनर्जी की चाल से अधीर चौधरी हुए मात

बंगाल में कांग्रेस और टीएमसी फिर से आमने-सामने

कोलकाता, 30 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की चाल से कांग्रेस के सांसद और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी मात खा गए हैं। धानसभा चुनाव, कोलकाता में उपचुनाव, सैकड़ों नगर पालिकाओं में चुनाव, जगह-जगह उपचुनाव में टीएमसी की जीत का रथ नहीं रूका था, लेकि सागरदिघी धानसभा उपचुनाव में टीएमसी को हार मिली और कांग्रेस-लेफ्ट समर्थित उम्मीदवार जयी हुए, लेकिन जीत के मात्र तीन माह के बाद कांग्रेस के एकलौता विधायक यरन बिस्वास ने कांग्रेस से नाता तोड़कर तृणमूल कांग्रेस का दामन थाम लिया है। सागरदिघी में सफलता को राजनेताओं ने सागरदिघी मॉडल का नाम दिया था। लेफ्ट और कांग्रेस इस मॉडल की उम्मीद कर रहे थे। हाल ही में मुर्शिदाबाद में अधीर चौधरी का हाथ थामे कई राजनीतिक कार्यकर्ता भी कांग्रेस में शामिल होते देखे गए थे। सागरदिघी ने भी अध्यक्ष पर भरोसा जताया था, लेकिन ममता बनर्जी की एक चाल में सब मिट्टी में मिल गया। सागरदिघी के विधायक बायरन बिस्वास अभिषेक बनर्जी का हाथ थामे तृणमूल में शामिल हो गए। कांग्रेस का कहना है कि तृणमूल सागरदिघी की जीत से डर गई थी, इसलिए ऐसा किया गया। इसके साथ ही अधीर रंजन चौधरी ने ममता बनर्जी के बीजेपी से लड़ने की इच्छा पर सवाल खड़ा किया।

बायरन बिस्वास के जाने से सागरदिघी मॉडल को लगा झटका

बता दें कि सागरदिघी के नतीजों से तृणमूल कांग्रेस को झटका लगा था। नतीजे आने के बाद तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी ने सफाई दी कि कांग्रेस बीजेपी के साथ है। इसलिए तृणमूल उनसे किसी तरह का हाथ नहीं जोड़ेगी। इतना ही नहीं, नेता ने एक उपचुनाव के नतीजे पर रिपोर्ट मांगने के लिए एक कमेटी भी बनाई थी। राजनीतिक हलकों के एक वर्ग ने दावा किया था कि सागरदिघी के परिणाम अल्पसंख्यक वोटों से प्रभावित थे। अनीस हत्या, नौशाद सिद्दीकी की जेल हिरासत या बायरन की जीत के पीछे अल्पसंख्यकों का ममता से मोहभंग माना जा रहा था। लेकिन ममता ने उनकी एक नहीं सुनी। उन्होंने दावा किया कि सागरदिघी में पैसों का खेल हुआ था। उन्होंने टिप्पणी की थी कि जिले भर में साजिशें चल रही हैं, अल्पसंख्यकों को गलत समझा जा रहा है।

ममता बनर्जी की चाल से अधीर चौधरी हुए पस्त

देबाशीष बनर्जी सागरदिघी उपचुनाव में तृणमूल के उम्मीदवार थे। कुछ ही दिनों में उस देबाशीष को प्रखंड अध्यक्ष के पद से इस्तीफा देना पड़ा। जैसे ही तृणमूल सागरदिघी को लेकर नई थ्योरी लेकर आई, विपक्ष को इस मॉडल में सफलता नजर आने लगी, लेकिन उस मॉडल को सोमवार को बड़ा झटका लगा। बायरन बिस्वास मुर्शिदाबाद जिले के सागरदिघी से विधायक हैं और यह इलाका अधीर रंजन चौधरी का पकड़ का माना जा रहा है। अब एक मात्र विधायक के जाने के बाद अधीर रंजन चौधरी बिफरे हुए हैं और अब यह इंतजार किया जा रहा है कि लेफ्ट और कांग्रेस इसे लेकर कैसे पलटवार करता है।

फांसी के फंदे से लटकता मिला हेड कांस्टेबल का शव, पुलिस जांच में जुटी

जालौन,30 मई (एजेंसियां)।,उरई कोतवाली क्षेत्र में बीती देर रात क्षेत्राधिकारी कार्यालय में तैनात हेड कांस्टेबल ने आत्महत्या कर ली। उनका शव बघौरा रोड स्थित पुलिस लाइन में सरकारी आवास में फांसी के फंदे पर लटकता हुआ मिला। घटना की जानकारी तब हुई जब सहयोगी पुलिसकर्मी उनके कमरे में किसी काम से पहुंचा। आवाज न आने पर दरवाजा तोड़ा तो अंदर सिपाही फंदे पर झूल रहा था। घटना की जानकारी पर उच्च अधिकारी मौके पर पहुंचे और उसी अवस्था में सिपाही को मेडिकल कॉलेज लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पूरा मामला, देर रात का है। यहां पर उरई कोतवाली क्षेत्र में सिपाही जयचंद हेड कांस्टेबल के पद पर तैनात था। बीती रात उसने अपने कमरे में फांसी लगाकर जान दे दी। साथी पुलिसकर्मी के मुताबिक रात 11 बजे किसी जरूरी काम से जयचंद के कमरे में गए तो दरवाजा अंदर से बंद पाया।

केदारनाथ धाम यात्रा में उमड़ा श्रद्धालुओं का हुजूम

भारी भीड़ को देखते हुए तीन जून तक रजिस्ट्रेशन बंद

शिमला, 30 मई (एजेंसियां)। केदारनाथ धाम में श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ पड़ा है। यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए 03 जून तक नए पंजीकरण पर रोक लगा दी है। जगह-जगह पर यात्रियों की भीड़ होने पर यात्रा को रोक-रोक कर आगे बढ़ने दिया जा रहा है। बीच में मौसम के चलते यात्रा पर रोक लगाई जा रही थी। इस बार भीड़ को देखते हुए पंजीकरण रोके गए हैं। धाम के लिए अब तक 13 लाख से ज्यादा पंजीकरण हो चुके हैं।

क्षमता से 50 प्रतिशत अधिक यात्री

गर्मी बढ़ते और मौसम साफ होते ही चार धाम यात्रा एक बार फिर रफ्तार पकड़ रही है। सबसे ज्यादा मुश्किल केदारनाथ यात्रा को लेकर सामने आ रही है। यात्रियों की भारी भीड़ हो जाने से प्रशासन को व्यवस्था कर पाना मुश्किल हो रहा है। बताया जा रहा है कि क्षमता से 50 प्रतिशत अधिक यात्री केदारनाथ यात्रा के लिए पहुंच रहे हैं। साथ ही यात्रा मार्ग पर जगह-जगह जाम लगने से यात्रियों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। ऐसे में रजिस्ट्रेशन का पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। सरकार ने केदारनाथ धाम के लिए नए पंजीकरण पर 03 जून तक रोक लगा दी है। यात्रा मार्गों पर हरिद्वार, ऋषिकेश, तपोवन, व्यासी, श्रीनगर और रुद्रप्रयाग में रोक कर आगे भेजा जाएगा।

38 लाख यात्री पंजीकृत

चारधाम यात्रा के लिए अब तक 38 लाख यात्री पंजीकरण करा चुके हैं। 17 लाख से अधिक यात्री दर्शन कर चुके हैं। 29 मई तक केदारनाथ धाम के लिए 13 लाख, बदरीनाथ के लिए 11.21 लाख, यमुनोत्री में 6.24 लाख, गंगोत्री में 6.79 लाख और हेमकुंड साहिब के लिए 74 हजार यात्रियों ने पंजीकरण कराया है।

शिक्षक भर्ती घोटाला : अर्पिता मुखर्जी ने पूरा दोष बंगाल के मंत्री रहे पार्थ चटर्जी पर मढ़ा, ईडी ने दोनों को बताया गुनाहगार

कोलकाता, 30 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के सरकारी स्कूलों में करोड़ों रुपये के कथित शिक्षक भर्ती घोटाले के आरोपी और पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी की करीबी रहीं अर्पिता मुखर्जी ने सारा दोष चटर्जी पर मढ़ दिया। अर्पिता को यहां एक विशेष पीएमएलए अदालत में पेश किए जाने के बाद उनके वकील ने चटर्जी को उस मामले का मास्टरमाइंड बताया, जिसमें उनके मुवक्किल के फ्लैटों का उपयोग घोटाले की आय रखने के लिए किया गया था। याद दिला दें कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पिछले साल अर्पिता मुखर्जी के नाम पर दो फ्लैटों से कई करोड़ रुपये, सोने के बिस्कुट और गहने बरामद किए थे। इस बरामदगी पर उसने कहा था कि चटर्जी जब्त किए गए पैसे और सोने के मालिक थे। अर्पिता के वकील ने तर्क दिया, यह पार्थ चटर्जी थे, जो घोटाले के लाभार्थी थे, न कि मेरे मुवक्किल। उन्होंने कहा, 'चटर्जी द्वारा खोली गई शेल कंपनियों में मेरे मुवक्किल के अलावा अन्य निदेशक भी थे। लेकिन कमल सिंह भूटोरिया, मृण्मय मालाकार और मनोज जैन सहित ये निदेशक थे, जिन्हें बख्श दिया गया। मेरे मुवक्किल की एक बूढ़ी मां है, जिसकी उन्हें देखभाल करनी है।' जवाबी दलील में ईडी के वकील ने कहा कि पार्थ चटर्जी और अर्पिता मुखर्जी दोनों मामले में समान रूप से शामिल थे। ईडी के वकील ने कहा, 'पूर्व मंत्री के नाम पर 31 जीवन बीमा पॉलिसी हैं, जिनमें अर्पिता मुखर्जी नामांकित हैं। अगर अर्पिता का घोटाले से कोई संबंध नहीं था, तो उन्होंने पहले अपना मुंह क्यों नहीं खोला और उनके स्वामित्व वाले फ्लैटों में भारी मात्रा में धन रखे होने के बारे में पुलिस को सूचित क्यों नहीं किया? अगर वह अपराध में भागीदार नहीं थी, तो वह इतनी सारी बीमा पॉलिसियों में नामांकित होने के लिए क्यों सहमत हुईं?' उन्होंने अदालत के समक्ष चटर्जी और अर्पिता के संयुक्त स्वामित्व वाली संपत्तियों की सूची भी पेश की। उन्होंने कहा, तीन संपत्तियां विशेष रूप से अर्पिता के नाम पर हैं,

केरल के त्रिशूर में दो बसें आपस में टकराई, 25 से अधिक लोग घायल; दो की हालत गंभीर

त्रिशूर, 30 मई (एजेंसियां)। केरल के त्रिशूर जिले में इरिंजलकुडा के पास मंगलवार सुबह दो निजी बसों के बीच हुई टक्कर में 25 से अधिक लोग घायल हो गये और दो लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस के मुताबिक, एक वाहन जब बस स्टॉप पर रुका था, तभी दूसरे ने पीछे से उसको टक्कर मार दी। पुलिस ने कहा कि दोनों बसों में यात्रा कर रहे कई लोग घायल हो गए और कहा कि उन्हें अभी तक इस घटना के संबंध में कोई शिकायत नहीं मिली है। पुलिस ने कहा कि दुर्घटना का कारण लापरवाही से वाहन चलाना या तेज रफ्तार था, यह अभी तक पता नहीं चल पाया है।

बसों की चेकिंग के लिए आरटीओ ने संभाला मैदान

गलती करने वालों को मिली कड़ी सजा

इंदौर, 30 मई (एजेंसियां)। इंदौर में कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी के निर्देशन में वाहनों की चेकिंग का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अन्तर्गत शहर के विभिन्न स्थानों पर वाहनों की चेकिंग की गई। चेकिंग के दौरान ओवरनाइट चलने वाली बसों में दो ड्राइवर की अनिवार्यता और बसों के फिटनेस के भौतिक सत्यापन की विशेष चेकिंग की गई। विभिन्न वाहनों पर मोटरयान अधिनियम के अंतर्गत कार्यवाही करते हुए 53 हजार 300 रूपये का राजस्व वसूल किया गया। चेकिंग के दौरान वाहनों के परमिट, फिटनेस, रजिस्ट्रेशन, बीमा, पीयूसी, मोटरयान कर प्रमाण आदि दस्तावेज चेक किये गए। क्षमता से अधिक सवारी,

तेज गति से वाहन चलाने, परमिट शर्तों का उल्लंघन, वाहन चलाते समय चालक द्वारा मोबाइल पर बात करने, प्रेशर हॉर्न, आदि की भी जाँच की गई। विभिन्न वाहनों पर मोटरयान अधिनियम के अंतर्गत कार्यवाही करते हुए 53 हजार 300 रूपये का राजस्व वसूल किया गया।

वाहनों की विशेष चेकिंग का अभियान चलाया

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी प्रदीप शर्मा ने बताया कि क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय इंदौर एवं संभागीय परिवहन सुरक्षा स्क्वाड इंदौर द्वारा लोक परिवहन वाहनों सहित अन्य वाहनों की विशेष चेकिंग का अभियान चलाया गया। इस दौरान शहर के विभिन्न स्थानों पर वाहनों को चेक किया गया। 300 किलोमीटर से अधिक दूरी तय करने वाली एवं ओवरनाइट चलने वाली बसों में दो ड्राइवर की अनिवार्यता और बसों के फिटनेस के भौतिक सत्यापन की विशेष चेकिंग की गई। इस दौरान एक बस एमपी-13, जेडडी-0304 बिना परमिट पाई गई, जिसे जब्त किया गया। इंदौर से खंडवा चलने वाली एक बस एमएच-04, जीपी-0052 फ़िटनेश शर्तों पर खरा नहीं उतरने एवं इसका पिछला हिस्सा भी क्षतिग्रस्त होने से मौके पर ही बस का फिटनेस निरस्त किया गया।

गाय चोर पकड़ने गई पुलिस की गाड़ी ने किशोर को कुचला, पब्लिक से जमकर हुई झपड़; कई घायल

कोलकाता, 30 मई (एजेंसियां)। बंगाल नदिया के धनतला इलाके में पुलिस की कार की चपेट में आने से एक नाबालिग की मौत का आरोप लगा है। घटना के बाद ग्रामीणों ने विरोध शुरू कर दिया। पुलिस ने रोकने का प्रयास किया तो दोनों पक्षों में मारपीट हो गई। घटना के आसपास का इलाका रणक्षेत्र में बन गया। पुलिस और स्थानीय सूत्रों के मुताबिक समस्या की शुरुआत चोरों की गिरफ्तारी से हुई। स्थानीय लोगों का कहना है कि इलाके में धीरे-धीरे पशु चोरों की संख्या बढ़ती जा रही है। कई बार पुलिस प्रशासन को इसकी जानकारी दी जा चुकी है। रात स्थानीय लोगों ने गाय चोरी के आरोप में एक व्यक्ति को रंगे हाथ पकड़ा है। सुबह पुलिस को युवक को छुड़ाने के दौरान लोगों के गुस्से का सामना करना पड़ा। आरोप है कि पुलिस रफ्तार बढ़ाकर भीड़ को खदेड़ना चाहती है। तभी कई लोग कार के नीचे आ गए। पुलिस की गाड़ी की चपेट में आने से एक लड़के की मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने घायलों को बाहर निकाला और राणाघाट महकुमा अस्पताल में भर्ती कराया। ग्रामीणों ने गांव में विरोध जताया। अधिक बल तैनात किया गया था। नदिया के धनताला थाने की पुलिस कुलगाछी गांव गई और उसे और विरोध का सामना करना पड़ा। एक ग्रामीण ने कहा, "2-3 दिन पहले एक गाय चोरी हो गई थी। ग्रामीण चोर के घर सीमा क्षेत्र में चले गए। वे मारपीट करने लगे। आधे घंटे बाद पुलिस गई। पुलिस चोर को गिरफ्तार करना चाहती है। ग्रामीणों ने विरोध किया। और यही विरोध है।" इस घटना को लेकर इलाके में अभी भी तनाव है। स्थानीय लोगों ने दावा किया कि आरोपी ने स्वीकार किया है कि उसका बेटा गाय चोरी में शामिल था। पुलिस ने आरोपी को अपने कब्जे में लेने का प्रयास किया तो ग्रामीणों ने घेराबंदी शुरू कर दी। पुलिस की गाड़ी को घेर कर विरोध शुरू कर दिया। ग्रामीणों की मांग है कि गाय चोरी गिरोह के मुख्य दोषियों को गिरफ्तार किया जाए और चोरी गई गायों को वापस करने की व्यवस्था की जाए। आरोप है कि पुलिस ने प्रदर्शन के दौरान अचानक प्रदर्शनकारियों पर लाठियां बरसाईं। सुमंत प्रमाणिक ने कहा, 'हम पुलिस से चर्चा कर रहे थे। हम पुलिस की गाड़ी के सामने खड़े थे। कोई सोच भी नहीं सकता था कि कोई कार हमारे सीने पर इस तरह चढ़ जाएगी।

शहडोल में हो रहा था धर्म परिवर्तन

हिंदुओं को ईसाई बनाने की कोशिश, दो आरोपी गिरफ्तार

शहडोल, 30 मई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के शहडोल जिले में धर्म परिवर्तन कराने के आरोप में पास्टर समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों पर हिंदुओं को ईसाई धर्म अपनाने के लिए कई तरह के लालच देने का आरोप है। मामले में समाजसेवी सुनैना सिंह सैय्याम ने स्वयं पास्टर के खिलाफ शिकायत की थी। मामला शहडोल जिले के जैतपुर थाना इलाके के अंतिम छोर स्थित डोंगरी टोला गांव का है। डोंगरी टोला स्थित सिधिहा सिंह गोंड के घर में गोंड आदिवासी समाज के गांव वालों का धर्मांतरण कराया जा रहा है। धर्मांतरण की जानकारी सुनैना सिंह सैय्याम को मिली। वह पिछले 10 वर्षों से धर्मांतरण के खिलाफ समाज सेवा कर रही है। गोंड समाज में धर्मांतरण की खबर मिलने पर उन्होंने इसे रुकवा दिया है। साथ ही पुलिस से शिकायत की है। धर्मांतरण करवा रहे पास्टर को समाजसेवियों ने पुलिस के हवाले कर दिया है।

जैतपुर थाना एरिया के डोंगरी टोला के रहने वाले सिधिहा सिंह गोंड के घर में अधिक संख्या में लोग इकट्ठा हुए थे। इन्हें ईसाई धर्म में अपनाने के लिए मोटिवेट किया जा रहा था। वहीं, समाजसेवी सुनैना ने धर्मांतरण करा रहे पास्टर शंकर की कॉलर पकड़ कर जमकर खरी खोटी सुनाई। साथ ही जैतपुर पुलिस के हवाले कर दिया। धर्मांतरण करा रहे पास्टर शंकर समेत दो लोगों को जैतपुर पुलिस थाने ले जाकर पूछताछ कर रही है। वहीं, पूरे धर्मांतरण मामले में शहडोल जिले के एडिशनल पुलिस अधीक्षक मुकेश वैश्य ने जानकारी दी कि धर्मांतरण कराने का मामला आया है। 2 लोगों को हिरासत में लेकर जांच चल रही है।

नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह बोले- महाकाल को भी नहीं छोड़ा शिवराज सरकार ने; भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी

ग्वालियर, 30 मई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉ। गोविंद सिंह ने मंगलवार को ग्वालियर में एक प्रेसवार्ता में कहा कि मप्र। में भ्रष्टाचार की जड़ें कितनी गहरी हो चुकी हैं, यह इस बात का प्रमाण है कि प्रदेश की भाजपा सरकार ने बारह ज्योर्तिलिंगों में एक महाकाल कॉरिडोर को भी नहीं छोड़ा। एक ही आंधी में महाकाल कॉरिडोर के निर्माण की पोल खुल गई। अगर तूफान आ जाता तो क्या स्थिति होती। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि महाकाल लोक के निर्माण में करोड़ों रुपये खर्च किए गए। जिस महाकाल लोक का उद्घाटन प्रधानमंत्री ने किया, उसी महाकाल लोक की मूर्तियां एक आंधी भी सहन नहीं कर सकीं। डॉ। सिंह ने कहा कि महाकाल लोक निर्माण के समय ही इस बात का विरोध किया गया था कि मूर्तियां अष्टधातु की लगाई जाएं। लेकिन सभी धार्मिक भावनाओं को आहत करते हुए फाइबर की मूर्तियां लगाई गईं। उसका हश्र यह हुआ कि तेज हवा के झोंकों ने मूर्तियों को गिरा दिया।

'ज्यादातर काम गुजरात की एमपी बावरिया और डीएच पटेल की फर्मों को दिए गए'

नेता प्रतिपक्ष डॉ। गोविंद सिंह ने कहा कि कई चरणों में प्रारंभ हुए महाकाल लोक कॉरिडोर के निर्माण में हुई अनियमितताओं की शिकायत तराना के विधायक महेश परमार ने लोकायुक्त को की थी। लेकिन वहां पर भी कोई कार्रवाई न कर लोकायुक्त डीजीपी को ही हटा दिया गया। साल 2022 के दिसंबर में आहूत विधानसभा के सत्र में स्थगन के माध्यम से आरोप लगाया गया था कि 351 करोड़ के निर्माण लोक निर्माण विभाग और नगरीय प्रशासन विकास विभाग द्वारा कराए गए थे। उनमें बिना किसी जांच के ठेकेदारों को भुगतान कर दिया गया। निर्माण कार्य में एसओआर का पालन नहीं किया गया। ज्यादातर काम गुजरात की एमपी बावरिया और डीएच पटेल की फर्मों को दिए गए। साथ ही ज्वाइंट वेंचर पर भी कार्य कराए गए। उन्होंने कहा कि 22 दिसंबर, 2022 को विधानसभा प्रश्न क्र। (1090) के जवाब में नगरीय प्रशासन विभाग ने कहा कि 161 करोड़ 83 लाख का व्यय किया गया। बाद में यह राशि और बढ़ती गई।

मणिपुर हिंसा को लेकर कांग्रेस डेलिगेशन ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से की मुलाकात

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। मणिपुर में जारी हिंसा के बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश के नेतृत्व में एक डेलिगेशन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मिला और राज्य में शांति बहाली की मांग की। इस दौरान कांग्रेस के मणिपुर के तमाम नेता उसके साथ थे। डेलिगेशन ने राष्ट्रपति को चार पन्ने की रिपोर्ट सौंपी। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि बीजेपी की ध्रुवीकरण की राजनीति को लेकर मणिपुर जल रहा है। मणिपुर में 3 मई से हिंसा हो रही है और बीजेपी को इसकी कोई परवाह नहीं है। क्योंकि बीजेपी का सारा ध्यान कर्नाटक चुनाव में था। कांग्रेस डेलिगेशन ने 12 प्वाइंट्स में एक्शन प्लान बनाकर राष्ट्रपति को सौंपा है, जिसको फॉलो कर राज्य में हिंसा को रोका जा सकता है। राष्ट्रपति भवन में भारत के माननीय राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद कांग्रेस पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने एआईसीसी मुख्यालय में मीडिया को संबोधित किया। कांग्रेस ने कहा कि जब राज्य के मुख्यमंत्री इबोबी सिंह थे, तब मणिपुर में ऐसा नहीं होता था। आज मणिपुर के हालात से आप वाकिफ हैं। ऐसा पहले कभी इतिहास में नहीं हुआ है। यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। दो कम्युनिटी मैटीज और कुकी के बीच क्या हो रहा है। मैंने सुना कि आज भी दो लोगों की मौत हुई है। मुझे नही पता कि बीजेपी का हिडेन एजेंडा क्या है।

मणिपुर में जारी हिंसा के बीच गृह मंत्री अमित शाह राज्य के दौरे पर हैं। अगले कुछ दिनों तक गृह मंत्री यहीं रुकेंगे और सेना के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ ही अलग-अलग पक्षों और सिविल सोसाइटी संस्था के लोगों से भी मिलेंगे। बैठक में राज्य में जारी हिंसा को रोकने को लेकर चर्चा होगी। इस बीच गृहमंत्री अमित शाह कुछ हिंसा प्रभावित इलाक़ों का दौरा भी कर सकते हैं। कल उन्होंने मुख्यमंत्री और अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक भी की थी। रविवार को ही ताज़ा हिंसा में एक पुलिसकर्मी समेत पांच लोगों की मौत हो गई और बारह लोग घायल हो गए।

कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने पुलिस विभाग में किए बड़े फेरबदल, डीजीपी प्रताप रेड्डी का हुआ तबादला

बेंगलुरु, 30 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने पुलिस विभाग में बड़े फेरबदल किए हैं। राज्य के डीजीपी और बेंगलुरु शहर के पुलिस कमिश्नर सी.एच. प्रताप रेड्डी (1991 बैच के आईपीएस अधिकारी) का तबादला किया गया है। उन्हें तत्काल प्रभाव से बेंगलुरु के आंतरिक सुरक्षा विभाग में डीजीपी के रूप में भेजा गया है। यह पद पहले से खाली था। बेंगलुरु आंतरिक सुरक्षा विभाग के डीजीपी पद को बेंगलुरु आपराधिक जांच विभाग के डीजीपी पद के बराबर किया गया है। 1993 बैच के आईपीएस अधिकारी डॉ। एम। ए सलीम को प्रमोशन मिला है। उन्हें आपराधिक जांच विभाग, स्पेशल यूनिट्स एंड आर्थिक अपराध का डीजीपी बनाया गया है। वह पहले एडीजीपी और बेंगलुरु शहर के स्पेशल कमिश्नर (ट्रैफिक) थे।

इंदौर आ रही ट्रेन के लंच-पैकेट में निकला मरा कॉकरोच

कपल की शिकायत पर वेंडर बोला- कुछ नहीं होने वाला।

इंदौर, 30 मई (एजेंसियां)। सोमनाथ के दर्शन कर इंदौर लौट रहे एक परिवार ने ट्रेन में लंच बॉक्स मंगाया तो चौंक गए। लंच बॉक्स की दाल में मरा हुआ कॉकरोच निकला। इस पर परिवार ने शिकायत की तो वेंडर ने तीन बंद लंच बॉक्स तो वापस ले लिए, लेकिन जिस बॉक्स में कॉकरोच निकला था, उसका पेमेंट लौटाने से इनकार कर दिया। इसे लेकर बहस हुई तो परिवार ने आईआरसीटीसी को शिकायत की। लम्बी बहस के बाद मैनेजर ने पहले शिकायत वापस लेने को कहा। बाद में मैनेजर ने रुपए लौटाए और शिकायत वापस लेने के लिए दबाव बनाता रहा। परिवार ने शिकायत के समाधान के लिए मैसेज किया तो न रैफरेंस नंबर आया और न ही कोई कर्मचारी वापस आया। 5 घंटे बाद परिवार ने ट्रेन में ही अन्य जगह से ऑन लाइन ऑर्डर कर भोजन मंगाया। मामला इंदौर निवासी शिवनाथ सिंह का है। पिछले हफ्ते वे पत्नी रिंकी व 3 वर्ष की बेटी मिष्टी के साथ सोमनाथ सहित अन्य स्थानों पर घूमने गए थे। उनके साथ उनके दोस्त हेमंत वर्मा, उनकी पत्नी चिंकी और बेटी अनन्या भी थी। वे वेरावल (सोमनाथ) स्टेशन से जबलपुर ट्रेन से इंदौर के लिए रवाना हुए। इस दौरान उन्होंने अहमदाबाद तक की बुकिंग कराई थी। सुबह 10 बजे ट्रेन में आईआरसीटीसी का वेंडर ऑर्डर लेने आया तो उन्होंने 140 रु प्रति लंच बॉक्स के हिसाब से चार लंच बॉक्स का पेमेंट कर उसे ऑर्डर दिया। करीब दो घंटे बाद जूनागढ़ स्टेशन के आगे उनका लंच आया। इस पर उन्होंने उसे खोला तो चौंक गए।

बॉक्स में रखी दाल में मरा हुआ कॉकरोच था। इस पर उन्होंने वेंडर को शिकायत की तो उसने मानने से इनकार कर दिया और पेमेंट भी लौटाने से मना कर दिया। शिवनाथ सिंह ने कहा कि भोजन एक ही स्थान पर बना होगा तो ऐसे में अन्य लोग बीमार हो जाएंगे लेकिन वेंडर अपनी बात पर अड़ा रहा इस पर उन्होंने उसका वीडियो बनाया और 'रेल मदद' वेबसाइट पर शिकायत की। करीब दो घंटे बाद आईआरसीटीसी की ओर से मैनेजर आया और पूरा मामला समझा। उसने कहा कि ठीक है हम पेमेंट लौटा देते हैं, लेकिन इसके पहले आप शिकायत वापस ले लो।

लम्बी बहस के बाद मैनेजर ने पेमेंट वापस किया तो शिवनाथ सिंह ने 139 पर अपनी शिकायत रिसॉल्व को लेकर मैसेज किया, लेकिन उसका रैफरेंस नंबर नहीं आया। आधे घंटे बाद मैनेजर ने एक अन्य नंबर पर शिकायत रिसॉल्व का मैसेज करने को कहा। शिवनाथ सिंह ने इस नंबर पर भी मैसेज किया तो कोई रैफरेंस नहीं आया। ढाई बजे मैनेजर ने आश्वस्त किया कि नंबर जरूर आएगा और चला गया लेकिन नंबर नहीं आया। बाद में दोनों परिवारों ने 'फूड एंड ट्रेड' पर ऑर्डर देकर ऑन लाइन भोजन मंगाया। परिवार के मुताबिक चूंकि पहले ही लंच बॉक्स में मरा हुआ कॉकरोच निकला था इसलिए उन्होंने बाकी तीन बॉक्स को बिना खोले ही लौटा दिया।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 31 मई- 2023

हाईटेक नई संसद, काश माननीय भी हो पाते पारंगत..!

ऋतुपर्ण दवे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो चाहा कर दिखाया। देश को बेहद कम और रिकॉर्ड समय में नई संसद मिली। साथ ही पहली बार पूरे देश ने एक साथ न्याय के प्रतीक पवित्र सेंगोल के बारे में और भी काफी कुछ पहली बार जाना। चोल साम्राज्य से जुड़ा सेंगोल जिसे हस्तान्तरित किया जाता है, उससे न्यायपूर्ण शासन की अपेक्षा की जाती है। प्राचीन काल सेंगोल न केवल राजदंड के तौर पर जाना जाता था बल्कि यह राजदंड केवल सत्ता का प्रतीक ही नहीं बल्कि राजा को हमेशा न्यायशील बने रहने के साथ ही प्रजा को भी राज्य के प्रति समर्पित रहने के वचन का स्थिर प्रतीक भी रहा है। राष्ट्रपति और उप-राष्ट्रपति का संदेश वाचन भी हुआ। नई संसद का प्रधानमंत्री के हाथों उद्घाटन पर तमतमाए विपक्ष ने तमाम तरह के आरोपों से घेरने की कोशिश की। लेकिन ऐसा लगता है कि धुन के पक्के प्रधानमंत्री और उनकी सरकार पर कोई फर्क पड़ा नहीं। लोकतांत्रिक मूल्यों की दुहाई देकर विपक्ष केवल उद्घाटन पर सवाल उठाने से क्या हासिल पाया इस पर कुछ भी कहना अभी जल्दबाजी होगी। लेकिन इतना तय है कि प्रधानमंत्री की ढ़ेरों रैलियां, रोड शो और दूसरे कार्यक्रमों से इतर उनका महत्वकांक्षी सेण्ट्रल विस्टा प्रोजेक्ट जिसमें नई संसद का शिलान्यास व उद्घाटन कर जो बड़ी उपलब्धि हासिल की वो विरली है और अलग भी। अब कोई इसे इवेन्ट कहे या गैर जरूरी ये अपना-अपना नजरिया है। राजनीतिक दृष्टि से इसके मायने भी अलग हो सकते हैं। लेकिन जनता इस पर क्या सोचती है इसके लिए थोड़ा इंतजार जरूर करना होगा। हां भाग्यशाली वो सांसद जरूर हैं जिन्हें देश की पुरानी और नई संसद यानी दोनों में काम करने का मौका मिलेगा। नई संसद की बुनियाद भी नरेन्द्र मोदी ने 10 दिसंबर 2020 को तब रखी थी जब कोविड का दौर था। नई संसद तिकोने आकार का चार मंजिला विशाल निर्माण है जो 64,500 वर्ग मीटर में है। इसे देशी कंपनी टाटा ग्रुप की सहायक टाटा प्रोजेक्ट लिमिटेड ने बनाया है तथा टेण्डरिंग में लार्सन एंड टुब्रो को पीछे छोड़ 861.9 करोड़ रुपये में हासिल किया। लेकिन वर्ष 2020 में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने संसद में बताया था कि नए भवन की अनुमानित लागत 971 करोड़ रुपये है। वहीं बीते साल कई मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार लागत बढ़कर 1200 करोड़ रुपये से अधिक हो गई है। जाहिर है मंहगाई बढ़ने के साथ लागत बढ़ना नई बात नहीं है। पुरानी लोकसभा की क्षमता 552 सीटों की थी जबकि नए में 888 सीटें हैं। इसी तरह पुराने राज्यसभा भवन में 250 सदस्यों की ही जगह थी। नए भवन में यह क्षमता बढ़ाकर 384 हो गई है। नई संसद की संयुक्त बैठक में एक साथ 1272 सदस्य बैठ सकेंगे जबकि दर्शक दीर्घा में 336 लोगों के बैठने का इंतजाम होगा। सांसदों को अलग दफ्तर भी मिलेगा जो आधुनिक डिजिटल सुविधाओं से लैस होगा ताकि पेपरलेस कामकाज की ओर भी बढ़ा जा सके। नई इमारत में एक भव्य कॉन्स्टिट्यूशन हॉल जिसे संविधान हॉल है जिसमें भारत की लोकतांत्रिक विरासत को दर्शाया जाएगा। इसमें हमारे संविधान की मूल प्रति रखी जाएगी। सांसदों के बैठने के लिए भी बड़ा हॉल, एक लाइब्रेरी, विभिन्न समितियों के लिए कई कक्ष, भोजन कक्ष और बहुत सारी पार्किंग की जगह होगी ताकि संसद में पहले जैसे भीड़-भाड़ व जगह की कमीं नहीं दिखे। नई संसद में 3 मुख्य द्वार हैं ज्ञान द्वार, शक्ति द्वार और कर्म द्वार। फिलाहाल मौजूदा संसद भवन की इमारत को बने करीब 96 साल हो रहे हैं जो शुरू में 556 मीटर व्यास में थी। लेकिन जब जगह कम पड़ने लगी तो 1956 में फिर अतिरिक्त निर्माण करा दो मंजिलें और जोड़ी गईं। तब इसे संसद भवन नहीं बल्कि हाउस ऑफ पार्लियामेंट कहते थे। आजादी के बाद से जब यहां सांसद बैठने लगे तो संसद भवन कहलाने लगा। 1927 में बनी पुरानी संसद पर लगभग 83 लाख रुपए खर्च हुए और 6 साल का वक्त लगा। शुरुआत में ब्रिटिश विधान परिषद का कामकाज होता था। इसकी डिजाइन ब्रिटिश आर्कीटेक्ट एडविन लुटियंस और हर्बर्ट बेकर ने की थी और नाम काउंसिल हाउस दिया गया। इसी आर्किटेक्ट के चलते दिल्ली लुटियंस की दिल्ली कहलाने लगी। पुरानी संसद हमारे मजदूरों और कारीगरों ने देशी सामग्री से बनाया था जिस पर भारतीय वास्तुकला और परंपराओं की गहरी छाप है। इसे मुरैना के चौंसठ योगिनी मंदिर के डिजाइन जैसी डिजाइन मानते हैं क्योंकि कमरों से लेकर बिल्डिंग तक मंदिर से पूरी तरह मिलते हैं। इस मंदिर का निर्माण 1323 ईस्वी में कच्छप राजा जयपाल ने कराया और नाम इकंतेश्वर या इकत्तरसो महादेव मन्दिर रखा गया। दरअसल नई संसद भी स्वदेशी कारीगरी की मिशाल है। अभी सेंट्रल विस्टा जीर्णोद्धार और पुर्ननिर्माण परियोजना में कई काम होने हैं। रायसीना पहाड़ी से इंडिया गेट तक राजपथ के किनारे स्थित करीब 3 किमी क्षेत्र में केंद्रीय प्रशासनिक क्षेत्र यानी सेंट्रल विस्टा में नए तरीके से आधुनिक शिल्पकला और जरूरतों के हिसाब से केंद्रीय सचिवालय भी बन रहा है। यह संसद के बाजू में होगा। प्रधानमंत्री और उपराष्ट्रपति का नया घर भी नई संसद के करीब होगा। पूरे प्रोजेक्ट में करीब 20 हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे जिससे तमाम भवनों का निर्माण और सौंदर्यीकरण भी होगा। अभी वर्तमान आबादी के लिहाज से औसतन एक सांसद पर लगभग 24 लाख 87 हजार के लोगों के प्रतिनिधित्व की जिम्मेदारी है। लेकिन वास्तव में देश में कई ऐसे जिले हैं जिनके एक सांसद 16 लाख से 20-22 लाख और कहीं-कहीं 30 लाख से ज्यादा लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं। रही संसदीय क्षेत्र के विकास की बात तो वह भी ऐसी परिस्थितियों में काफी पेचीदगियों भरी होती है। यकीनन लोकसभा का भौगोलिक क्षेत्रफल कई जगह काफी विसंगति पूर्ण है। कहीं-कहीं तो एक सांसद का क्षेत्र 2-3 जिलों तक फैला हुआ है तो कहीं अलग-अलग संभागों के क्षेत्र भी आ जाते हैं। ऐसे में सांसद के सामने तकनीकी, व्यव्हारिक असमंजस भरी कठिनाइयों का अंबार होना स्वाभाविक है। नियमानुसार निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं का परिसीमन आयोग करता है। संविधान के अनुच्छेद 82 के अनुसार प्रत्येक जनगणना के बाद केन्द्र सरकार परिसीमन आयोग का गठन करती है जो संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं का नया परिसीमन करता है। आखिरी परिसीमन 2002 के प्रावधानों के तहत वर्ष 2001 की जनगणना आंकड़ों के आधार पर हुआ जो 2008 में खत्म हुआ। इसमें देश में जनसंख्या स्थिरीकरण के प्रयासों के चलते तय किया गया था कि 2026 तक लोकसभा की सीटें नहीं बढ़ाई जाएंगी। यदि पुरानी परंपराओं को कायम रखते हुए जनसंख्या को लोकसभा सीटों का आधार बनाया जाता तो उन उत्तरी राज्यों की सीटों में भारी इजाफा हो जाता जहां जनसंख्या स्थिरीकरण कार्यक्रम असफल रहा है। यही सब देखकर लगता है कि मौजूदा व्यवस्था के तहत नया परिसीमन 2026 तो नहीं 2031 की जनगणना के बाद ही हो पाएगा? अब आबादी लगभग 140 करोड़ है। 1971 की जनगणना के हिसाब से हर बड़े राज्य में लगभग 10 लाख की आबादी पर एक सांसद थे। फिलाहाल सीटों की संख्या तो वही है लेकिन आबादी तेजी से बढ़ी है। राजस्थान जैसे बड़े राज्य में कुछ संसदीय सीटों की आबादी 30 लाख पार हो चुकी है वहीं केरल या तमिलनाडु में सिर्फ 18 लाख की आबादी पर एक सांसद हैं। बस इन्हीं विसंगतियों के चलते 2026 या 2031 जब भी परिसीमन होगा बहुत ही पेचीदा होगा। नई संसद के उद्घाटन से पहले तकनीकी उड़ान में भी भारत 5 जी में पहुंच आगे की तैयारी में है। क्षेत्र के विकास और जनसमस्याओं के निराकरण के लिए दौरों के बजाए डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर सांसदों की हर जगह डिजिटल मौजूदगी और संसदीय क्षेत्र के हर आम व खास से खुले मंच जनता से कनेक्टिवटी भी जरूरी है। अब बड़ा क्षेत्रफल, दौरा या दूरी जैसी बातें बेमानी हैं। सभी से कभी संपर्क नए दौर की आसानी है। जहां आबादी का अनुपात जरूर घटेगा लेकिन जिम्मेदारियों, क्षेत्रवासियों से डिजिटलाइज संपर्क व संवाद जैसी भागीदारी बढ़ेगी। ऐसे में हमारे माननीयों को तकनीक का ज्ञान और कौशल कुशलता जरूरी होगी। इसमें ट्रेन्ड सांसद ही नए दौर केसच्चे जनप्रतिनिधि कहलाएंगे। नई संसद में माननीयों भी डिजिटल मोड में रहकर नई अग्निपरीक्षा से गुजरेंगे। भविष्य कुछ ऐसा होगा जहां हर एक मतदाता सीधे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर कभी भी और कहीं भी अपने जनप्रतिनिधि से अपनी जायज समस्याओं के लिए संवाद कर सकेगा। काश हमारे सांसद भी हाईटेक माननीय होकर अपनी डिजिटल भूमिका निभाते दिखते।

गजब की लाटसाहबी

अंग्रेजी हुकूमत गए पचहत्तर साल बीत चुके हैं इस खुशी में सारा देश अमृतकाल मना रहा है लेकिन अपने देश के कुछ अफसर आज भी ऐसे हैं जिनकी कार्य संस्कृति अंग्रेजी हुकूमत से कम नहीं है। ताजा नजारा है छत्तीसगढ़ के कांकेर में एक अधिकारी का। हुआ यह कि अधिकार महोदय का मोबाइल फोन बांध के पानी में गिर गया तो उनके सब्र का बांध ही टूट गया। फिर क्या था अपना मोबाइल हासिल करने के लिए उन्होंने पंप लगा कर पूरे जलाशय को पानी निकालना शुरू करा दिया। संयोग अच्छा था कि चार हजार एक सौ चार घन मीटर यानी इकतालीस लाख लीटर पानी बहाने के बाद अफसर का मोबाइल मिल गया, वरना वे तो पूरा जलाशय ही सुखा डालने पर अमादा थे। मोबाइल मिलने तक जो पानी बचा वही जलाशय की शोभा अब बढ़ा रहा है। इसमें कोई दो राय नहीं कि साहब का मोबाइल महंगावाला रहा होगा वर्ना दस-पंद्रह हजार के फोन के लिए इतनी मशक्कत कौन कराता। हो सकता है कि उसमें उनके कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज भी रहे हों जिसकी वजह से उन्होंने अपना अफसरी का विवेक खो दिया और इस गर्मी के मौसम में इतने पानी का नुकसान कौन करता। जितना पानी जलाशय से निकाला गया उतने से तो कितने लोगों की इस गर्मी में प्यास बुझ सकती थी। कितने एकड खेतों की सिंचाई हो सकती थी। लेकिन वह अफसर ही क्या जो अपनी अफसरी दिखाने के लिए अधिकार का दुरुपयोग न करे। बताया जा रहा है कि लाट साहब कुछ दोस्तों के साथ उस बांध पर सैर-सपाटे के लिए गए थे। मोबाइल से पानी का नजारा लेते हुए अपने उतार रहे थे कि मोबाइल हाथ से फिसल कर जलाशय में गिर गया। फिर क्या था लाट साहब की त्योरी जलाशय पर चढ़ गई और उन्होंने उसे कुछ उसी प्रकार सुखा डालने का संकल्प ले लिया, जैसे राम ने समुद्र को सुखाने का लिया था। बस, आनन-फानन में पंप मंगाए गए और जलाशय का सारा पानी बाहर। जाहिर है, इससे साहब के साथ गए दोस्तों पर भी रोब गालिब हो रहा था। जिन साहब का फोन जलाशय में गिरा था वे छत्तीसगढ़ में खाद्य निरीक्षक के पद पर तैनात थे। खबर है जिलाधिकारी को जब इस घटना की खबर मिली तो उन्होंने उन साहब को सस्पेंड कर दिया। शायद उन साहब ने सोचा भी न होगा कि जिलाधिकारी उनके इस फैसले पर इस कदर वज्रपात करेंगे। उन्हें निलंबित करने के पीछे तर्क दिया गया है कि उन्होंने बांध का कीमती पानी निकालने के लिए संबंधित अधिकारी से आज्ञा नहीं ली थी। उन अधिकारी महोदय को कहीं न कहीं यह भरोसा रहा होगा कि जब सब अधिकारी आपस में मिल बांट कर खा पी रहे हैं तो इसमें अनुमति देने-लेने की क्या जरूरत है। इसलिए उन्होंने उस अधिकारी की तरफ से भी खुद ही फैसला ले लिया। ऐसे फैसले तो प्रशासन में लेने ही पड़ते हैं, लिए ही जाते हैं, वरना व्यवस्था चलने ही न पाए! एक अधिकारी दूसरे अधिकारी के काम न आए या अपने आप उसका समर्थन न प्राप्त कर ले, तो फिर वह काम ही कैसे करेगा। हालांकि छत्तीसगढ़ के संबंधित अधिकारी महोदय का मोबाइल तलाश अभियान प्रशासनिक अधिकारियों के अपने शक्ति प्रदर्शन का एक उदाहरण भर है। पिछले साल की ही तो बात है, जब दिल्ली के अक्षरधाम वाले खेल गांव परिसर में एक अधिकारी महोदय ने स्टेडियम में अभ्यास कर रहे खिलाड़ियों को इसलिए डपटकर निकाल दिया कि वहां उनके कुत्ते के घूमने का वक्त हो गया है। देखा जाए तो हमारे प्रशासनिक अधिकारियों को इस तरह की कार्य संस्कृति अंग्रेजी हुकूमत से विरासत में मिली है और उन्हें इस बात का अभिमान भी है कि उन्होंने उसे नष्ट नहीं होने दिया, बल्कि कुछ समृद्ध ही किया है। ऐसे में आदिवासी बहुत राज्य छत्तीसगढ़ वाले अधिकारी महोदय ने जो किया उस पर आश्चर्य नहीं होना चाहिए। इसी हनक के चलते तो अधिकारियों का आम जन पर रोब-दाब बना रहता है। जनता का क्या है, वह तो भूखी-प्यासी रहने की अभ्यस्त है, जरूरत पडी तो दो जून या फिर दो दिन तक और भूखे-प्यासे जी लेगी।

हमें भोजन चाहिए, तंबाकू नहीं

सुनील कुमार महला

प्रत्येक वर्ष 31 मई को संपूर्ण विश्व में प्रत्येक वर्ष विश्व तंबाकू निषेध दिवस,(वर्ल्ड नो टोबैको डे) मनाया जाता है। वास्तव में, इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य तंबाकू सेवन के व्यापक प्रसार और नकारात्मक स्वास्थ्य प्रभावों की ओर ध्यान देना है। जानकारी देना चाहूंगा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू एच ओ) के सदस्य राज्यों ने 1987 में विश्व तंबाकू निषेध दिवस की शुरूआत की थी और इसे अप्रैल, 1988 को 'विश्व धूम्रपान निषेध दिवस' के रूप में लागू किया गया था,जिसे बाद में इसे 31 मई से विश्व तंबाकू निषेध दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। वर्ष 2008 में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने तंबाकू से संबंधित किसी भी विज्ञापन या प्रचार पर भी प्रतिबंध लगा दिया था। वास्तव में इसका मकसद था कि विज्ञापन देख युवा धूम्रपान करने के लिए आकर्षित न हों। आज भी टीवी, सिनेमा पर कोई भी फिल्म, कार्यक्रम से पहले आमजन को जागरूक करने के लिए विज्ञापन आते हैं कि तंबाकू का किसी भी रूप में सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। यहां जानकारी देना चाहूंगा कि वर्ष 2019 में विश्व तंबाकू निषेध दिवस का थीम तंबाकू और फेफड़ो का स्वास्थ्य तथा वर्ष 2020 की थीम युवाओं को उद्योग के हेरफेर से बचाना और उन्हें तंबाकू और निकोटीन के उपयोग से रोकना था। वर्ष 2021 की थीम कमिट टू क्विट तथा वर्ष 2022 की थीम पर्यावरण की रक्षा करें थी। जानकारी देना चाहूंगा कि विश्व तंबाकू निषेध दिवस 2023 की इस वर्ष की थीम है हमें भोजन चाहिए, तंबाकू नहीं। यह विडंबना ही है कि आज हमारे देश के विभिन्न रेलवे स्टेशनों,बस स्टैंडों के बाहर, विभिन्न स्कूलों, कोचिंग संस्थानों के नजदीक, अस्पतालों, सार्वजनिक स्थानों के बहुत नजदीक, फुटपाथों, सड़क के किनारों, ओवरब्रिज के नीचे स्थाई व अस्थाई रूप से बनी दुकानों, लकड़ी,लोहे के खोखों, रेहड़ियों, साइक्लोन तक आदि पर तंबाकू व इससे बने उत्पादों को बेचने वाले लोग, दुकानदार आसानी से मिल जाते हैं। बहुत से दुकानदार तो 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को भी तंबाकू या इससे बने उत्पाद उपलब्ध करवा देते हैं।आज तंबाकू व इससे बने पदार्थों/उत्पादों का सेवन करना आज की युवा पीढ़ी का जैसे एक फैशन, एक लत बन गया है। तंबाकू व इससे बने उत्पादों का सेवन सबसे ज्यादा युवा वर्ग के लोग ही करते हैं, क्यों कि तंबाकू के ख़तरों से वे अनजान होते हैं और तंबाकू या इससे बने उत्पादों, पदार्थों के सेवन में उन्हें आनंद की अनुभूति होती है, लेकिन तंबाकू सेवन आनंद नहीं,सीधी मौत को बुलावा है। कुछ लोग तो तंबाकू को तनाव, अवसाद दूर करने का साधन तक मानते हैं लेकिन तंबाकू खाने से कभी भी तनाव दूर नहीं होता है बल्कि तंबाकू के सेवन से तनाव, थकान,भूख न लगना, सांस लेने में परेशानी, खांसी, अनिद्रा, खांसते समय मुंह से खून आना व गले व कान से जुडी स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें हो सकतीं हैं। वास्तव मे,तंबाकू सेवन हमारे देश, हमारे समाज का एक ऐसा स्याह पहलू है जो आधुनिक समय में हमारी युवा पीढ़ी को लगातार खोखला करता जा रहा है। तंबाकू की इस गिरफ्त में आज के समय में केवल युवा वर्ग ही नहीं, अपितु हर उम्र, लिंग, धर्म-जाति के लोग फंस चुके हैं। तंबाकू मौत को सीधा बुलावा तो है ही, इससे घर-परिवार ही बर्बाद नहीं होते हैं, बल्कि देश की सभ्यता और संस्कृति भी नष्ट हो जाती है।

पैसिव स्मोकिंग भी बन रही है मौत का कारण

श्वेता गोयल

बचपन से ही हम पढ़ते-सुनते आए हैं कि धूम्रपान स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है और शरीर में कैंसर तथा कई अन्य बीमारियों को जन्म देता है लेकिन यह जानने-समझने के बाद भी जब हम अपने आसपास किशोरवय बच्चों को भी धूम्रपान करते देखते हैं तो स्थिति काफी चिंताजनक प्रतीत होती है। दरअसल ऐसे किशोरों के मनोमस्तिष्क में धूम्रपान को लेकर कुछ गलत धारणाएं विद्यमान होती हैं, जैसे धूम्रपान से उनके शरीर में चुस्ती-फुर्ती आती है, उनका मानसिक तनाव कम होता है, मन शांत रहता है, व्यक्तित्व आकर्षक बनता है, कब्ज की शिकायत दूर होती है आदि-आदि। तमाम वैज्ञानिक शोधों के बावजूद ऐसे व्यक्ति समझना ही नहीं चाहते कि धूम्रपान करने से उनके अंदर ऐसी कोई ताकत नहीं पैदा नहीं होने वाली कि देखते ही देखते वो किसी ऊंचे पर्वत पर छलांग लगा सकें या महाबली हनुमान की भांति समुद्र लांघ जाएं। वास्तविकता यही है कि धूम्रपान एक ऐसा धीमा जहर है, जो धीमे-धीमे इसका सेवन करने वाले व्यक्ति का दम घोंटता है। धूम्रपान शरीर में धीरे-धीरे प्राणघातक बीमारियों को जन्म देता है और ऐसे व्यक्ति को धीमी गति से मृत्यु शैया तक पहुंचा देने का माध्यम बनता है। तम्बाकू सेवन के व्यापक प्रसार और नकारात्मक स्वास्थ्य प्रभावों की ओर ध्यान आकर्षित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 31 मई को 'विश्व तम्बाकू निषेध दिवस' मनाया जाता है। एक ओर जहां विकासशील देशों में धूम्रपान का प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है, वहीं अमेरिका सरीखे कुछ विकसित देशों में धूम्रपान के प्रचलन में तेजी से गिरावट आई है। 1965 में अमेरिका की 42 फीसदी आबादी धूम्रपान की आदी थी जबकि 1991 में यह संख्या घटकर 26 फीसदी रह गई और पिछले डेढ़ दशक में तो वहां धूम्रपान करने वालों की संख्या में और भी तेजी से गिरावट आई है। गहराई में जाने पर पता चलता है कि अमेरिका में सिगरेट की खपत में लगातार कमी आने की वजह से अमेरिका की सिगरेट कम्पनियों ने अपने घाटे की पूर्ति के लिए अपने उत्पादों को भारत तथा अन्य विकासशील देशों में खपाने की योजना बनाई और उसे इस कार्य में सफलता भी मिली। भारत में प्रतिदिन धूम्रपान से मरने वालों की संख्या सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों के मुकाबले 20 गुना है जबकि एड्स से देश में जितनी मौतें 10 वर्ष में होती हैं, उतनी मौतें धूम्रपान की वजह से मात्र एक सप्ताह में ही हो जाती हैं। एक जानकारी के अनुसार देश में प्रतिदिन 3000 से अधिक व्यक्तियों की मृत्यु तम्बाकू जनित बीमारियों के कारण होती है, जिनमें 10 फीसदी व्यक्ति ऐसे होते हैं, जो स्वयं तो धूम्रपान नहीं करते लेकिन पैसिव स्मोकिंग करते हैं यानी धूम्रपान करने वालों के निकट होते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तम्बाकू के सेवन के कारण प्रतिदिन मरने वाले करीब 11000 लोगों में से लगभग 8000 व्यक्ति फेफड़ों के कैंसर के शिकार होकर मरते हैं। संगठन का अनुमान है कि यदि दुनियाभर में धूम्रपान की लत इसी रफ्तार से बढ़ती रही तो आगामी एक-दो वर्षों तक ही धूम्रपान की वजह से 50 करोड़ से भी ज्यादा लोग मारे जा चुके होंगे और अगले 30 वर्षों में केवल गरीब देशों में ही धूम्रपान से मरने वालों की संख्या प्रतिवर्ष 10 लाख से बढ़कर 70 लाख तक पहुंच जाएगी। संगठन का अनुमान है प्रतिवर्ष विश्वभर में 8000 से अधिक नवजात शिशु धूम्रपान के कारण असमय काल के ग्रास बन जाते हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि सभी प्रकार के कैंसर में से करीब 40 फीसदी का कारण धूम्रपान ही होता है। धूम्रपान करने वालों को धूम्रपान न करने वालों की अपेक्षा फेफड़ों का कैंसर होने की संभावना 15 गुना अधिक होती है। वरिष्ठ पत्रकार योगेश कुमार गोयल की नशे के दुष्प्रभावों पर छपी पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' में बताया गया है, ''सिगरेट के धुएं में करीब 4000 घातक रासायनिक तत्व विद्यमान होते हैं, जिनमें पोलिनियम 210, कार्बन मोनोक्साइड, कार्बन डाइआक्साइड, निकल, पाईरीडिन, बेंजीपाइरीन, नाइट्रोजन आइसोप्रेनावाइड, अम्ल, क्षार, निकोटीन, टार, जिंक, हाइड्रोजन साइनाइड, कैडमियम, ग्लायकोलिक एसिड, सक्सीनिक एसिड, एसीटिक एसिड, फार्मिक एसिड, मिथाइल क्लोराइड इत्यादि प्रमुख हैं, जो मानव शरीर पर तरह-तरह से दुष्प्रभाव डालते हैं। धूम्रपान से हृदय रोग, लकवा, हर प्रकार का कैंसर, मोतियाबिंद, नपुंसकता, बांझपन, पेट का अल्सर, एसीडिटी, दमा, ब्रोंकाइटिस, मिरगी, मेनिया, स्कीजोफ्रेनिया जैसे घातक रोगों का खतरा भी कई गुना बढ़ जाता है। धूम्रपान से मोतियाबिंद का खतरा बन जाता है और आंख की रेटीना प्रभावित होने लगती है, जिससे नेत्रज्योति कम होती जाती है। 'मौत को खुला निमंत्रण' पुस्तक के मुताबिक गर्भवती महिलाओं द्वारा धूम्रपान किए जाने से कम लम्बाई और कम वजन के बच्चों का जन्म, बच्चों में अपंगता तथा बाल्यावस्था में ही घातक हृदय रोग जैसी बीमारियों का खतरा काफी बढ़ जाता है। एक अध्ययन के अनुसार प्रतिदिन 20 सिगरेट तक पीने वाली गर्भवती महिला के बच्चे की मृत्यु होने की संभावना सामान्य से 20 प्रतिशत बढ़ जाती है जबकि 20 से अधिक सिगरेट पीने पर यह खतरा 35 प्रतिशत तक हो जाता है। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के अनुसार किसी दूसरे के धूम्रपान के धुएं के प्रभाव से दिल के दौरे से होने वाली मौतों की आशंका 30 प्रतिशत बढ़ जाती है। विश्वभर में करीब सवा अरब लोग धूम्रपान के आदी हैं, जो कुल मिलाकर प्रतिवर्ष लगभग 61 खरब सिगरेटें पी जाते हैं।

विभिन्न सर्वेक्षणों के अनुसार माना गया है कि विकसित देशों में 41 फीसदी पुरूष और 21 फीसदी स्त्रियां धूम्रपान करती हैं जबकि विकासशील देशों में सिर्फ 8 फीसदी स्त्रियों को इसकी लत लगी है तथा पुरूषों की संख्या 50 फीसदी से भी अधिक है। भारत में तम्बाकू का सेवन करने वालों का सर्वेक्षण करने वाली संस्था 'टोबेको इंस्टीच्यूट ऑफ इंडिया' के अनुसार हमारे यहां लोग हर साल करीब 950 करोड़ सिगरेटें पी जाते हैं, जिसकी औसतन कीमत 2000 करोड़ रुपये से भी अधिक मानी गई है। हालांकि सिगरेटें महंगी होने के कारण भारत में बीड़ी का प्रचलन निम्न तथा मध्यमवर्गीय तबके में ज्यादा है और ऐसा अनुमान है कि देश में प्रतिवर्ष सौ अरब रुपये मूल्य से भी अधिक की बीड़ियों का सेवन किया जाता है।

डॉक्टर इंजीनियर बने न बनें जिंदगी तो सलामत रहे

मनोज कुमार अग्रवाल

राजस्थान का एजुकेशन हब सिटी कोटा शहर इन दिनों प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र छात्राओं के सुसाइड का भी हब बन गया है। कैरियर बनाने की होड़ में बच्चे जिंदगी की जंग हार रहे हैं। मां बाप तन पेट काट कर अपने जिगर के टुकड़े को डाक्टर इंजीनियर बनाने के लिए प्रवेश परीक्षा की तैयारी के लिए लाखों की धनराशि खर्च कर कोचिंग के लिए कोटा भेजते हैं लेकिन यह नहीं समझ पाते कि लाखों की फीस वसूलने वाले कोचिंग संस्थान बच्चों के सलेक्शन की गारंटी नहीं है देश भर में डाक्टर बनने के लिए नीट परीक्षा में बीस लाख से अधिक बच्चे बैठते हैं जबकि सामान्य वर्ग के लिए देश भर में कुल मिलाकर पांच हजार से कम सीट हैं इतने कड़े प्रतियोगी परीक्षा में बाजी मारना हंसी मजाक नहीं है। जाहिर है कि अपेक्षित परिणाम नहीं मिलने पर बच्चों में हताशा का भाव पैदा हो जाता है जो कई बार बच्चों को आत्महत्या के कगार पर पहुचा देता है। शनिवार 27 मई को एक बार फिर एक परिवार के सपने बेटी के सुसाइड के साथ ही चकनाचूर हो गए। कोटा में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) की तैयारी कर रही 16 वर्षीय एक छात्रा ने शनिवार को थर्मल पावर प्लांट कॉलोनी स्थित अपने रिश्तेदार के घर में कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। मृतका की पहचान 11वीं कक्षा की छात्रा साक्षी चौधरी के रूप में हुई है। कुन्हारी अनुमंडल के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) शंकर लाल के हवाले से बताया गया है कि छात्रा के कमरे से एक सुसाइड नोट बरामद किया गया है, जिसमें उसने आत्महत्या के लिए किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया है। हालांकि, छात्रा के परिवार ने कहा कि संभव है कि उसने कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा में औसत प्रदर्शन करने के कारण इतना कठोर कदम उठाया।पुलिस अधिकारी के मुताबिक यह कोटा के किसी कोचिंग संस्थान से तैयारी कर रहे विद्यार्थी द्वारा इस महीने आत्महत्या किए जाने का पांचवां मामला है। उन्होंने कहा कि टोंक जिले की साक्षी अपनी दो बहनों के साथ कोटा में अपने रिश्तेदार के घर में रहती थी और यहां एक कोचिंग संस्थान से नीट की तैयारी कर रही थी। लाल ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है और आगे की जांच के लिए दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 174 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। इससे एक दिन पहले 26 मई को देर रात एलन इंस्टीट्यूट में कोचिंग कर रहे बिहार के एक छात्र ने आत्महत्या कर ली। मृतक छात्र की पहचान बिहार के रहने वाले आर्यन के रूप में हुई है। वह 12वीं का छात्र था और कोटा में नीट की तैयारी कर रहा था।आर्यन एलन कोचिंग से तैयारी कर रहा था और रियाज रेजीडेंसी रूम नंबर 206 में रह रहा था।आर्यन पहले जवाहर नगर में रहता था और एक महीने पहले ही लैंड मार्क सिटी में आया था। बुधवार शाम हॉस्टल के कमरे में पंखे में रस्सी डालकर उसने अपनी जीवन लीला खत्म कर ली। उसके रूम की शुरूआती तलाशी लेने पर किसी लड़की से प्रेम प्रसंग की बातें लिखी हुई मिली हैं।उससे ऐसा प्रतीत होता है कि वह किसी लड़की के प्रेम प्रसंग में चल रहा था आगे की जांच भी की जा रही है। कोटा में इस महीने में पांच छात्र-छात्राओं ने आत्महत्या की है। आठ मई को बेंगलुरू निवासी 22 साल के छात्र ने हास्टल की दसवीं मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या की थी। 11 मई को 15 साल के धनेश कुमार ने आत्महत्या की थी। इसी तरह 12 मई को बिहार के पटना निवासी 17 साल के नवलेश कुमार, 24 मई को 16वर्षीय आर्यन ने फांसी लगाकर आत्महत्या की थी।और अब 27मई को साक्षी का नाम भी मौत को गले लगाने वाले अभागे बच्चों की श्रृंखला में जुड़ गया। इस साल 10 से अधिक छात्रों ने सुसाइड किया है। इनमें अकेले एलन इंस्टीट्यूट के कई छात्र शामिल हैं लेकिन संस्थान की तरफ से अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया. ऐसे में अब एलन करियर इंस्टीट्यूट पर अब सवाल भी खड़े हो रहे हैं कि वह आत्महत्या के मामलों को रोकने के लिए कोई ठोस कदम क्यों नहीं उठा रहा है। यह हकीकत है कि सभी सुसाइड मानसिक तनाव और पढ़ाई के दबाव के कारण हुए हैं।पिछले साल 15 कोचिंग इंस्टीट्यूट के छात्रों ने सुसाइड किया था।

जब अपने पर आए

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

डॉक्टर...डॉक्टर बाहर रोगियों में मारामारी हो रही है। कुछ कीजिए वरना हालत काबू से बाहर हो जाएंगे। नर्स ने व्हाट्सएप पर व्यस्त इत्मीनान डॉक्टर से प्रार्थना की। डॉक्टर साहब ने पत्नी का भेजा हुआ कोई वीडियो देखते हुए कहने लगे - चिंता करने जैसी कोई बात नहीं है। यह इन लोगों का रोज का तमाशा है। सरकारी अस्पताल को धर्मशाला समझ रखा है। जिसे देखो वह मुंह उठाए चला आता है। इनके लिए तो पूरी दुनिया में यही अस्पताल पड़ा हुआ है। न जाने यहां ऐसा क्या है जो झक मारने आ जाते हैं। यहाँ आने से मरने वाला थोड़े न जी उठेगा। वैसे मैंने पुलिस को फोन कर दिया है। वे जल्द आते ही होंगे। तब तक चुप मारकर यही पड़ी रहो। कुछ देर बाद जिला स्वास्थ्य केंद्र के बड़े डॉक्टर का फोन आ गया। सख्त हिदायतें देते हुए कहा -जहां तक हो सके कम टेस्टिंग करो। ज्यादा पॉजिटिव दिखाने की हिमाकत न करना। वरना विपक्ष वालों के हाथों फिर से बटेर लग जाएगा। समझे! इतना कहकर उन्होंने फोन काट दिया। प्राथमिक चिकित्सा केंद्र के बाबू कुछ इत्मीनान की सांस लेने ही वाले थे कि फिर से फोन की घंटी बज उठी। इस बार उनके किसी मित्र ने फोन किया था। उसने उनसे अपने तीन-चार परिचितों को टीका लगवाने की प्रार्थना की। अब भला मित्र की बात को टाला कैसे जा सकता है। कहते हैं परोसने वाला अपना हो तो फिर आप कहीं भी बैठ जाएँ कोई फर्क नहीं पड़ता। उसकी आवभगत अच्छे से होती है। डॉक्टर बाबू ने पुलिस को सख्त निर्देश देते हुए रोगियों को कतार में खड़े होने के लिए कहा। सुबह साढ़े पाँच बजे से टीका और जांच के लिए खड़े लोगों के पैर जवाब देने लगे थे। मात्र तीस लोगों की जांच का फरमान जारी करते हुए बाकियों को जबरन भगा दिया गया। जबकि टीका के लिए इससे भी अधिक संख्या में लोगों को निपटाने का फैसला किया। बाकी टीका बड़े-बड़े लोगों और परिचितों के लिए रख छोड़ा था। नई नर्स गरीब और पिछले तबकों और पुरानी नर्स अमीर और हाई प्रोफाइल लोगों को टीका लगा रही थी। इस बीच डॉक्टर बाबू का फोन फिर से बज उठा। इस बार फोन घर से आया था। बात करने पर पता चला कि छोटे लड़के की तबीयत अचानक से बिगड़ गई है। इस पर डॉक्टर बाबू ने पत्नी को सख्त हिदायत देते हुए कहा - लड़के को फलाँ जगह के सबसे बड़े निजी अस्पताल में ले जाना। भूलकर भी सरकारी अस्पताल में क़दम रखा तो ठीक न होगा। मैं तुरंत वहाँ पहुंचता हूं।

निर्जला एकादशी : भगवान विष्णु के साथ ही गणेश जी की पूजा का शुभ योग

ज्येष्ठ शुक्ल एकादशी यानी निर्जला एकादशी बुधवार (31 मई) को है। इस तिथि पर भगवान विष्णु के लिए निर्जल रहकर व्रत किया जाता है यानी व्रत करने वाले दिनभर पानी तक नहीं पीता है। गर्मी के दिनों में पानी के बिना व्रत करना एक तपस्या की तरह है, इस व्रत से सालभर की सभी एकादशियों के पुण्य के बराबर पुण्य मिल जाता है।

बुधवार और एकादशी का योग होने से इस दिन विष्णुजी के साथ ही गणेश जी और बुध ग्रह की पूजा भी करनी चाहिए। हिन्दी पंचांग के एक माह में दो पक्ष होते हैं और दोनों पक्षों में एकादशी आती है। इस तरह 12 माह में कुल 24 एकादशियां हैं। जिस वर्ष में अधिकमास होता है, तब वर्ष में 26 एकादशियां आती हैं।

स्कंद पुराण के वैष्णव खंड में एकादशी महात्म्य अध्याय है, जिसमें इस व्रत से जुड़ी खास बातें बताई गई हैं। एकादशी व्रत करने से भगवान विष्णु की विशेष कृपा मिलती है और जाने-अनजाने में किए गए पापों से मुक्ति मिलती है। एकादशी व्रत और पूजा के बाद दान-पुण्य भी करना चाहिए।

ऐसे करें विष्णु जी और महालक्ष्मी की पूजा

एकादशी पर सुबह जल्दी उठें और स्नान के बाद सूर्य को तांबे के लोटे से जल चढ़ाएं। भगवान विष्णु और लक्ष्मी जी की पूजा की तैयारी करें। घर के मंदिर में सबसे पहले गणेश पूजा करें। इसके बाद भगवान की प्रतिमाओं का अभिषेक करें। दक्षिणावर्ती शंख में केसर मिश्रित दूध भरें और फिर भगवान का अभिषेक करें। पूजन में फल-फूल, गंगाजल, धूप दीप और प्रसाद आदि चीजें चढ़ाएं। जो लोग व्रत कर रहे हैं, उन्हें दिनभर निराहारा और निर्जल रहना चाहिए। निराहार यानी अन्न का त्याग करें और निर्जल यानी पानी न पिएं। अगर इतना मुश्किल व्रत नहीं कर पा रहे हैं तो फलाहार कर सकते हैं और दूध-जल पी सकते हैं।

सुबह पूजा के बाद दिनभर मंत्र जप कर सकते हैं। रात में भी भगवान विष्णु के सामने दीपक जलाएं। मंत्र जाप करें। अगले दिन यानी द्वादशी तिथि पर किसी जरूरतमंद को दान-दक्षिणा दें, भोजन कराएं। इसके बाद खुद भोजन ग्रहण करें।

गणेश जी को चढ़ाएं दूर्वा

गणेश जी को दूर्वा की 21 गांठ चढ़ाएं और श्री गणेशाय नमः मंत्र का जप 108 बार करें। गणेश जी की पूजा गजानंद के रूप में की जाती है। इसलिए किसी हाथी को गन्ना खिलाएं। गणेशजी के साथ ही रिद्धि-सिद्धि की भी पूजा करें। इससे घर में सुख-समृद्धि बढ़ती है। इस दिन बुध ग्रह के लिए हरे मूंग का दान करें।

भीमाशंकर : ज्योतिर्लिंग मंदिर

भीमाशंकर: ज्योतिर्लिंग की दर्शन टाइमिंग कांकड़ आरती के बाद सुबह 5 बजे से शुरू होती है। रात 9.30 बजे मंदिर बंद हो जाता है। सबसे पहले निजारूप दर्शन होते हैं। 5.30 बजे से रेगुलर पूजा और अभिषेक शुरू हो जाता है। दोपहर 12 बजे से 12.30 बजे तक नैवेद्य पूजा होती है। इस दौरान अभिषेक बंद रहता है। 12.30 से 3 बजे तक रेगुलर पूजा और अभिषेक जारी रहता है। 3 से 4 बजे तक मध्य आरती होती है। इसके बाद रात 9.30 तक श्रृंगार दर्शन होता है। 9.30 बजे मंदिर बंद हो जाता है।

दिनभर की पूजा के चार्जेस:	महा पूजा	30 मिनट
पूजा प्रकार (भीमाशंकर)	3300 रुपए	पंचामृत अभिषेक
चार्ज	1 घंटा, एकादश रुद्राभिषेक	651 रुपए
समय सीमा	1351 रुपए	2.30 घंटा
लघु रुद्राभिषेक	45 मिनट	अभिषेक पूजा
3500 रुपए	रुद्राभिषेक पूजा	251 रुपए
1 घंटा 30 मिनट	501 रुपए	30 मिनट

घी या तेल? भगवान को कौन सा दीपक लगाना होता है शुभ

हिंदू धर्म में देवी देवताओं को प्रसन्न करने के लिए उनकी पूजा पाठ करने का बड़ा महत्व होता है। कोई भी पूजा भगवान की आरती और दीपक की ज्योति के बिना अधूरी होती है। हालांकि दीपक लगाते समय लोगों के मन में एक दुविधा रहती है। दीपिक घी का लगाए या तेल का? कौन सा दीपक कब और कैसे लगाना चाहिए? इनमें ज्यादा शुभ कौन सा दीपक होता है? आज हम आपके इन सभी सवालों के जवाब देंगे।

घी का दीपक घर में लक्ष्मी भी लाता है। मां लक्ष्मी के समक्ष घी का दीपक प्रज्वलित करने से घर में बरकत बनी रहती है। पैसों की कभी कोई कमी नहीं होती है। इसके अलावा शिवजी, गणेशजी और विष्णुजी को भी घी का दीपक लगाने से लाभ होता है। आपके सभी दुख खत्म हो जाते हैं। घर में खुशियां आती है।

घी का दीपक लगाने का भी एक खास नियम होता है। इसे हमेशा भगवान के दाईं ओर जलाना चाहिए। इससे घर का वास्तु दोष समाप्त होता है। आपके घर को किसी की बुरी नजर नहीं लगती है। घी के दीपक में हमेशा सफेद रंग की खड़ी बत्ती ही लगाना चाहिए। इससे घर में पॉजिटिव एनर्जी आती है। नेगेटिविटी दूर चली जाती है।

तेल का दीपक

हिंदू धर्म में तेल का दीपक प्रज्वलित करने की भी परंपरा होती है। ये भी घी के दीपक की तरह शुद्ध माना जाता है। जो लोग सक्षम नहीं हैं वह घी की जगह तेल का दीपक भी लगा सकते हैं। यह दीपक भी आपको सुबह और शाम दोनों समय लगाना चाहिए। आप मूंगफली, सोयाबिन, सरसों, तिल इत्यादि का तेल इस्तेमाल कर सकते हैं।

सक्षम न होने पर आप तेल का दीपक हर भगवान को लगा सकते हैं। लेकिन कुछ देवी देवता ऐसे भी होते हैं जिन्हें सिर्फ तेल का ही दीपक लगता है। इन्हें घी का दीपक नहीं लगाया जाता है। इनमें हनुमानजी और शनिदेव सबसे पहले आते हैं। इन दोनों को मंगलवार और शनिवार तेल का दीपिक लगाना चाहिए। इन्हें सरसों या तिल के तेल का दीपक लगाने से ज्यादा लाभ होता है।

तेल का दीपक आपके दुखों का नाश करता है। शत्रु को आपके घर से दूर रखता है। उसकी कोई चाल पूरी नहीं होने देता है। यह तेल भगवान के बाईं ओर लगाना चाहिए। इससे घर की नकारात्मक ऊर्जा भी नष्ट होती है। इस तेल में लाल रंग की लंबी लेटी हुई बत्ती लगाना चाहिए।

छत्तीसगढ़ में पेड़ के अंदर से प्रकट हुए थे बजरंगबली

छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के लुंड्रा विकासखंड के लमगांव में अद्भुत संयोग वाला हनुमान मंदिर है। नेशनल हाइवे के किनारे बसे लमगांव में बजरंगबली का प्राचीन मंदिर है।इस मंदिर को लेकर अद्भुत मान्यताएं हैं।ग्रामीण बताते हैं कि यहां स्थापित बजरंगबली की प्रतिमा अपने आप बढ़ती जा रही है।इस अद्भुत चमत्कार के चर्चे दूर-दूर तक पहुंच रहे हैं।इस वजह से लोग लमगांव में हनुमान जी के दर्शन के लिए पहुंचते हैं।ऐसे में हनुमान चालीसा का दोहा 'सूक्ष्म रूप धरि सियहिं दिखावा, विकट रूप धरि लंक जरावा' याद आता है, कि कैसे हनुमान जी ने विशाल रूप धारण किया था।मंदिर के पुजारी रमाकांत तिवारी ने बताया कि पहले जो यहां मुख्य पुजारी थे, उन्होंने ही इस मंदिर की स्थापना की थी।80 वर्ष पहले यहां एक पेड़ के नीचे लगभग एक फीट से छोटी बजरंगबली की प्रतिमा दिखी थी।तभी से इस पेड़ के नीचे बजरंगबली की पूजा-अर्चना किया जाने लगा।बाद में लोगों ने यहां भव्य मंदिर बनवा दिया।यह पेड़ तो सूख गया, लेकिन बजरंगबली आज भी उसी स्थान पर विराजमान हैं.

उन्होंने बताया कि बजरंगबली की अद्भुत महिमा तब लोगों को अचरज में डाल देती है जब उन्हें पता चलता है की एक फीट छोटी मूर्ति इतने वर्षों में बढ़ कर साढ़े तीन फीट से भी अधिक ऊंची हो चुकी है।इसका मतलब है कि बजरंगबली की मूर्ति की लंबाई लगातार बढ़ रही है.

ऐसे पहुंच सकते हैं प्राचीन हनुमान मंदिर

अगर आप भी लमगांव के बजरंगबली के दर्शन करना चाहते हैं तो रायगढ़-अंबिकापुर मार्ग पर अंबिकापुर से 17 किलोमीटर दूर नेशनल हाइवे पर मंदिर का पहला द्वार आपको दिख जाएगा।इस द्वार से आगे बढ़ने पर लगभग दो किलोमीटर अंदर जाने के बाद इस हनुमान मंदिर में पहुंचा जा सकता है.

किस्मत की लकीरें बदल देता है चांदी का छल्ला

चांदी का छल्ला पहनने के फायदे

1. ज्योतिष शास्त्र की मानें तो चांदी का छल्ला हमारी किस्मत चमकाने का काम करता है। यदि आपका भाग्य हमेशा कमजोर रहता है तो आप अपने हाथ में चांदी का छल्ला पहन सकते हैं। इससे किस्मत आपका भरपूर साथ देगी। भाग्य के दम पर आपके बहुत सारे काम आसानी से हो जाएंगे। आप जिस भी काम में हाथ डालेंगे उसमें सफलता जरूर मिलेगी।

2. ज्योतिष शास्त्र के अनुसार ग्रहों की शांति के लिए भी आपको चांदी का छल्ला जरूर पढ़ना चाहिए। चांदी का छल्ला चंद्र ग्रह का कारक माना जाता है। आपकी कुंडली में चंद्र ग्रहण की स्थिति में सुधार आने पर शुक्र ग्रह की स्थिति भी अपने आप सुधर जाती है। वही शुक्र ग्रह की स्थिति सुधरने से बुध ग्रह भी आपको अच्छा खासा फल प्रदान करता है।

3. यदि आपकी कुंडली में चंद्र, शुक्र, सूर्य राहु, बुध शनि इत्यादि ग्रहों का दोष हो तो आपको चांदी का छल्ला जरूर बनना चाहिए। चांदी का छल्ला पहनने के बाद आपकी कुंडली में मौजूद सभी ग्रहों के दोष दूर हो जाएंगे। इससे आपकी लाइफ में सारी चीजें अच्छी होगी। इन ग्रहों के मजबूत होने से आपके जीवन में सुख शांति और समृद्धि आएगी। एक तरह से आप कह सकते हैं कि आपके जीवन के सभी दुख समाप्त हो जाएंगे।

4. यदि आप कमजोर आर्थिक स्थिति से गुजर रहे हैं तो हाथ में चांदी का छल्ला जरूर करना चाहिए। इससे पैसों के मामले में आपका भाग्य सुधर जाता है। आपको पैसा कमाने के कई मौके मिलते हैं। नौकरी में आपका प्रमोशन होता है तो बिजनेस में लाभ ही लाभ होता है। यह चांदी का छल्ला पहनने के बाद बेरोजगार लोगों को भी नौकरी मिल जाती है। इतना ही नहीं छात्रों को भी चांदी का छल्ला पहनने से बड़ा लाभ होता है।

तो देखा दोस्तों आपने चांदी का छल्ला पहनने के कितने सारे फायदे होते हैं। इसलिए देर मत कीजिए और आज ही दुकान से चांदी का छल्ला ले आए। इसे पहनने के बाद आपकी लाइफ की 90% समस्याएं यूं ही समाप्त हो जाएगी। इतना ही नहीं यदि पति पत्नी के बीच झगड़ा होता है तो दोनों चांदी का छल्ला साथ में पहन सकते हैं। इससे दोनों के बीच में प्यार मोहब्बत बढ़ती है। इनका रिश्ता मधुर होता है। यदि आपको यह खबर पसंद आई तो अपने दोस्तों के साथ शेयर करना ना भूले। इस तरह वे भी चांदी के छल्ले के लाभ जान सकेंगे।

M नाम वाली लड़कियां कैसी होती हैं

1. M नाम वाली लड़कियां बड़ी स्वीट और प्यारी होती हैं। यह सभी के साथ बहुत प्यार से मिलती हैं। इनकी बोली में शहद जैसी मिठास होती है। इसलिए इनसे मिलकर हर किसी के चेहरे पर मुस्कान आ जाती है। ये माहौल को पॉजिटिव बना देती हैं। इनके आसपास होने से खुशी का माहौल रहता है।

2. M नाम वाली लड़कियों को घूमना फिरना बड़ा पसंद होता है। यह लाइफ को खुलकर एंजॉय करती हैं। ये खाने पीने की भी बड़ी शौकीन होती हैं। इनकी जुबान बड़ी चटोरी होती है। इसके अलावा इन्हें फिल्में देखने का भी बड़ा शौक होता है। ये हमेशा मनोरंजन वाली चीजें पसंद करती हैं।

3. M नाम वाली लड़कियां अच्छी लाइफ पार्टनर बनती हैं। ये केयरिंग नेचर की होती हैं। इन्हें लड़कों के लुक से ज्यादा उनका गुड नेचर पसंद होता है। ये अच्छे दिल वाले लोगों को ज्यादा पसंद करती हैं। यह अपने पार्टनर से लाइफ टाइम वफादार रहती हैं। ये अपने साथी को कभी धोखा नहीं देती हैं। अपनी अंतिम सांस तक उसका साथ देती हैं।

4. M नाम वाली लड़कियों को लड़ाई झगड़ा पसंद नहीं होता है। यह शांति से और मिल जुलकर रहना पसंद करती हैं। इन्हें धोखबाज लोगों से सख्त नफरत होती है। इन्हें वह लोग भी पसंद नहीं होते जो बहुत झूठ बोलते हैं। ये ईमानदार लोगों को पसंद करती हैं। ये सच्चाई की राह पर चलना पसंद करती हैं।

5. M नाम वाली लड़कियां बहुत लकी होती हैं। किस्मत इनका हर बार साथ देती है। इनका लक इतना स्ट्रॉन्ग होता है कि इनके पति की लाइफ भी सेट हो जाती है। ये जिस घर में बहू बनकर जाती हैं वहां पूरे ससुराल की किस्मत चमका देती हैं।

6. M नाम वाली लड़कियां जीवन में बहुत तरक्की करती हैं। इनके सपने बहुत बड़े होते हैं। ये बड़ी मेहनती होती हैं। इसलिए अपने सपनों को पूरा भी करती हैं। यह अपने लक्ष्य को हासिल करने को लेकर गंभीर होती हैं। उसे पाकर ही दम लेती हैं।

तो दोस्तों! जैसा कि आपने देखा, M नाम वाली लड़कियां कितनी अच्छी होती हैं। यदि आप इन्हें अपनी बीवी या गर्लफ्रेंड बनाएंगे तो आपकी लाइफ भी सेट हो जाएगी। तो चलिए फटाफट इस खबर को अपने दोस्तों के साथ शेयर कर दीजिए। ताकि वह भी M नाम वाली लड़कियों को अपना जीवनसाथी बना सके।

एक्टिंग नहीं छोड़ना चाहतीं 'ससुराल सिमर का' एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़

बोली- कुछ समय का ब्रेक लूंगी, बयान को गलत तरीके से लिया गया

ससुराल सिमर का एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ ने हाल ही में अपने एक्टिंग छोड़ने की खबरों को खारिज किया। उन्होंने साफ किया कि वो एक्टिंग नहीं छोड़ने वाली हैं, बल्कि उनके बयान को अलग तरह से लिया गया है। दरअसल, सोमवार को यह खबर सामने आई कि एक इंटरव्यू में दीपिका ने कहा है कि वो अब एक्टिंग छोड़ना चाहती हैं। इस खबर से दीपिका के फैंस बेहद निराश हुए।

एक्ट्रेस के इस फैसले के लिए उन्होंने उनकी शादी को जिम्मेदार ठहराया। लोग उनके इंटर-फेथ विवाह पर भद्दे कमेंट्स करने लगे। इन सभी चीजों के बाद दीपिका ने सामने आकर इस मामले पर चुप्पी तोड़ी है।

लोगों ने मेरी बातों का गलत मतलब निकाला -दीपिका

दीपिका कक्कड़ ने ई टाइम्स से बातचीत के दौरान एक्टिंग छोड़ने की खबरों पर चुप्पी तोड़ी। उन्होंने कहा- मुझे अभी यह खबर मिली कि मैं एक्टिंग छोड़ रही हूं। लोगों ने पिछले इंटरव्यू में मेरी बातों का गलत मतलब निकाला कि मैं एक्टिंग छोड़ रही हूं। इसलिए साफ करना चाहूंगी कि ऐसा कुछ भी नहीं है।'

उन्होंने आगे कहा- ' मुझे हमेशा से हाउसवाइफ बनना पसंद है। शोएब ऑफिस जाएं और मैं उनके लिए नाश्ता बनाऊं, घर का ध्यान रखूं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मैं दोबारा काम नहीं करना चाहती हूं।'

दीपिका ने आगे कहा- 'हो सकता है कि आने वाले दिनों में करीबन 4-5 साल तक काम ना कर पाऊं, या फिर मुझे किसी अच्छे प्रोजेक्ट का ऑफर न मिल पाए, जिसमें मैं काम करूं। ऐसा भी हो सकता है कि मैं अपने 4-5 साल बच्चे पर दूं। ये सारी चीजें सिर्फ कह सकती हूं जब तक बेबी नहीं हो जाता।'

एक इंटरव्यू में दीपिका ने कहा था- 'मैं प्रेग्नेंसी फेज को इंजॉय कर रही हूं और जल्द अपने पहले बच्चे का वेलकम करने वाली हूं। इस बात को लेकर एक अलग ही एक्साइटमेंट हैं। मैंने बहुत कम उम्र में काम करना शुरू कर दिया था। लगातार 10-15 साल उम्र में काम करती रही। जैसी ही मेरी प्रेग्नेंसी जर्नी शुरू हुई, मैंने शोएब से कहा कि मैं काम नहीं करना चाहती और एक्टिंग छोड़ना चाहती हूं। मैं एक हाउसवाइफ की तरह रहना चाहती हूं।'

लंबे समय से एक्टिंग से दूर हैं दीपिका

दीपिका को आखिरी बार स्टार प्लस के शो 'कहां हम कहां तुम' में देखा गया था। तब से अब तक वो टेलीविजन से दूर हैं। फिलहाल ऐक्ट्रेस अपने ब्लॉग के जरिए खुद को बिजी रख रही हैं, जहां वो अपनी प्रेग्नेंसी, हेल्थ अपडेट, शोएब के साथ डेट से लेकर जिंदगी की छोटी-छोटी डिटेल्स शेयर करती रहती हैं।

दीपिका ने 2010 में टेलीविजन डेब्यू किया था, जिसमें उन्होंने लक्ष्मी का किरदार निभाया था। इसके बाद उन्होंने 'ससुराल सिमर का' और 'अगले जन्म मोहे बिटिया ही कीजो' में काम किया। टीवी सीरियल ससुराल सिमर का दीपिका के करियर का सबसे फेमस शो रहा, जो 2011 से लेकर 2018 तक चला। इसके अलावा दीपिका झलक दिखला जा 8, नच बलिए 8 और एंटरटेनमेंट की रात जैसे शोज में भी नजर आईं। दीपिका बिग बॉस 12 की विनर भी रह चुकी हैं।

नोरा ने अवॉर्ड शोज ऑर्गनाइजर्स से की डिमांड

डांसर्स के लिए अवॉर्ड कैटेगरी न होने पर जताया अफसोस

अवॉर्ड शोज हों या म्यूजिक कॉन्सर्ट्स या फिर स्टेज शोज और यहां तक कि फिल्मों में भी डांस हमेशा से बॉलीवुड का अहम हिस्सा रहा है। हालांकि, एक्ट्रेस और डांसर नोरा फतेही का मानना है कि इंडस्ट्री में अभी तक डांसर्स को उतना सम्मान नहीं मिलता है। नोरा का सवाल उठाया है कि आखिर डांसर्स के लिए कोई अवॉर्ड कैटेगरी क्यों नहीं होती है?

नोरा ने 'बेस्ट परफॉर्मर इन ए सॉन्ग' की कैटेगरी न होने पर अफसोस जताया

एक रिपोर्ट के अनुसार नोरा ने अवॉर्ड शोज में 'बेस्ट परफॉर्मर इन ए सॉन्ग' के लिए कोई भी कैटेगरी न होने पर अफसोस जताया है। उन्होंने कहा- 'हमारे कई फेमस डांस नंबर्स अपनी आइकॉनिक डांस स्टाइल के बदौलत जाने जाते हैं, लेकिन कभी भी उन कलाकारों को उनके आइकॉनिक डांस के लिए बॉलीवुड में अवॉर्ड नहीं दिया गया। मुझे उम्मीद है कि आने वाले समय में यह बदलाव जरूर आएगा।

डांस से इंडस्ट्री को अलग पहचान दी है-नोरा

नोरा ने आगे कहा- 'जब से बॉलीवुड की शुरुआत हुई है, डांस ने इंडस्ट्री को एक अलग पहचान दी है। यह भी एक कारण है कि इंडस्ट्री को ग्लोबल स्तर पर फेम मिला है। डांस एक ऐसी चीज है, जो बॉलीवुड को अन्य फिल्मों से अलग करती है। दशकों से हमने बड़े पर्दे पर तरह-तरह की डांस फॉर्म्स को देखा है, यह देखकर मुझे बहुत अच्छा लगता है।

नोरा ने अपने करियर में कई डांस रियलिटी शोज जज किए हैं। उन्हें उम्मीद है कि भारत में और भी डांस फिल्में बनेंगी। नोरा ने कहा- मेरा मानना है कि भार में डांस फिल्मों का बहुत स्कोप है। इनसे हमें अलग-अलग कहानियों और नए डांस फॉर्म्स के बारे में पता चलता है। ऐसी बहुत सी कहानियां हैं, जिन्हें डांस के जरिए बताया जा सकता है और मुझे नहीं लगता है कि अभी तक ऐसे कॉन्सेप्ट पर ज्यादा काम किया गया है। नोरा ने कहा कि वो डांस और लव स्टोरी से जुड़ी कहानी में काम करना पसंद करेंगी।

डांस मुझे मेंटली फिट रखता है, मजबूत रहने के लिए डांस की जरूरत हैं

नोरा का कहना है कि आर्ट फॉर्म होने के अलावा डांस ने उन्हें मेंटली तौर पर भी फिट रखा है। एक्ट्रेस ने कहा-₹मैंने हाल ही में महसूस किया है कि इतने सालों में डांस वास्तव में एक ऐसा जरिया रहा है जो मुझे अपने तनाव को दूर करने में मदद करता है। मेरे दिमाग और शरीर को वास्तव में स्वस्थ और मजबूत रहने के लिए डांस की जरूरत है।'

टाइगर श्रॉफ ने गाया ने तू मान मेरी जान सॉन्ग : फैंस हुए इम्प्रेस, बोले- कोई इतना टैलेंटेड कैसे हो सकता है

टाइगर श्रॉफ ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक गाने गाते हुए वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में टाइगर सिंगर किंग और निक जोनस का 'मान मेरी जान' आफ्टरलाइफ वर्जन गा रहे हैं, जिसे सोशल मीडिया पर फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। इस वीडियो को शेयर करते हुए टाइगर ने कैप्शन में लिखा, 'माय स्मॉल टेक ऑन द आफ्टरलाइफ #maanmerijaan @nickjonas @ifeelkingOG।'

टाइगर की आवाज से फैंस हुए इंप्रेस

टाइगर के इस गाने को फैंस की जमकर सराहना मिल रही है। वीडियो पर एक यूजर ने कमेंट कर लिखा, 'ओरिजिनल से बेहतर है'। दूसरे यूजर ने लिखा, 'कोई इतना टैलेंटेड कैसे हो सकता है'। तो वहीं तीसरे ने लिखा, 'इसे ऑफिशियली रिलीज करने की जरूरत है भाई'।

बता दें, दिग्गज एक्टर जैकी श्रॉफ के बेटे टाइगर को आखिरी बार 2022 में फिल्म हीरोपंती 2 में देखा गया था। इस फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी और तारा सुतारिया भी अहम रोल में थे। अब टाइगर जल्द ही अक्षय कुमार के साथ फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' में नजर आएंगे। वहीं अलाया एफ और सोनाक्षी सिन्हा भी फिल्म में अहम किरदार निभाएंगे।

बड़े मियां छोटे मियां के डायरेक्टर अली अब्बास जफर हैं। वहीं, वाशु भगनानी, दीपशिखा देशमुख और हिमांशु किशन मेहरा फिल्म प्रोड्यूस कर रहे हैं। ये एक्शन फिल्म 2024 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

नासिक के सीता गुफा पहुंचीं 'आदिपुरुष' की कृति सेनन, अपनी फिल्म के ही गाने पर की आरती

फिल्म 'आदिपुरुष' की रिलीज की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है फिल्म के प्रमोशन में एक्टर्स जुट गए हैं। 16 जून को रिलीज से पहले इस फिल्म के एक्टर्स सोशल मीडिया पर छाए हैं। कृति सेनन की कुछ तस्वीरें और वीडियो सामने आए हैं जिनमें वो नासिक के सीता गुफा मंदिर में नजर आ रही हैं।

फिल्म 'आदिपुरुष' की रिलीज डेट जैसे-जैसे करीब आ रही है, इस फिल्म के कलाकार प्रमोशन में जी-जान से जुट गए हैं। पिछले दिनों इस फिल्म का गाना 'राम सिया राम' रिलीज हुआ है, जिसे सोशल मीडिया पर अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। इस वक्त कृति सेनन की एक तस्वीर की काफी चर्चा हो रही है जिसमें वह सीता गुफा और कालाराम मंदिर में दर्शन करने के लिए पहुंची दिख रही हैं।

इस मौके पर वो अकेली नहीं गई थीं बल्कि म्यूजिकल जोड़ी सचेत और परंपरा के साथ पहुंची हैं।

'राम सिया राम' गाना रिलीज होने के ठीक बाद 'आदिपुरुष' की एक्ट्रेस कृति सेनन पंचवटी की पवित्र भूमि नासिक पहुंचीं, जहां उन्होंने माता सीता के दर्शन किए और आशीर्वाद लिया। कृति सेनन फिल्म 'आदिपुरुष' में सीता का रोल निभा रही हैं और इस मंदिर में भी वह श्रद्धा के साथ पूजा-अर्चना करती दिखी हैं। यहां फिल्म के इन क्रू ने 'राम सिया राम' गाने पर भगवान की आरती भी की है। आरती वाली ये तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर छाए हैं। इस दौरान कृति पिंक सलवार सूट में नजर आईं और उनकी झलकियां काफी मनमोहक दिख रही हैं।

हालांकि, इन झलकियों ने लोगों की धार्मिक भावनाओं को छुआ है। काफी लोग इन तस्वीरों और वीडियो को बेहद पसंद कर रहे हैं और 'जय सिया राम' और 'जय श्रीराम' कहकर इन झलकियों की तारीफ कर रहे हैं। वहीं कुछ लोगों को ये सब पसंद नहीं आ रहा।

यहां बता दें कि नासिक के पंचवटी मंदिर के बारे में पुरानी कथा ऐसी रही है कि कि वनवास के दौरान यहां माता सीता, भगवान श्री राम और लक्ष्मण जी ने यहां काफी वक्त बिताया था।

बता दें कि प्रभास स्टारर फिल्म 'आदिपुरुष' 16 जून को रिलीज हो रही है। ओम राउत निर्देशित इस फिल्म में प्रभास भगवान राम के रोल में हैं जबकि कृति सेनन मां सीता की भूमिका निभा रही हैं। वहीं सैफ अली खान रावण की भूमिका में होंगे।

सारा अली खान ने लाइव देखा आईपीएल का फाइनल मैच

तो लोगों ने शुभमन गिल से जोड़ा कनेक्शन

सारा अली खान इन दिनों विक्की कौशल के साथ अपनी अपकमिंग फिल्म 'जरा हटके जरा बचके' के प्रोमोशन में बिजी हैं. फिल्म 2 जून 2023 को रिलीज होने वाली हैं. इसी कड़ी में वे विक्की कौशल के साथ अहमदाबाद पहुंची और इस बीच उन्होंने आईपीएल 2023 का फाइनल मैच लाइव देखा. लेकिन सोशल मीडिया यूजर्स का उनका आईपीएल देखना रास नहीं आया है. दरअसल लोगों का कहना है कि सारा शुभमन की बैटिंग देखने के लिए ही स्टेडियम गई थीं और शुभमन महज 39 रन बनाकर आउट हो गए.सोशल मीडिया पर यूजर्स का कहना है कि सारा अली खान का मैच देखना जाना शुभमन को भारी पड़ गया और वे इतनी जल्दी आउट हो गए.

बता दें कि सारा अली खान और शुभमन गिल को एक साथ एक ही रेस्टोरेंट डिनर करके बाहर निकलते देखे जाने के बाद से ही दोनों के बीच अफेयर होने की चर्चा जारी है. कहा जा रहा है कि दोनों एक दूसरे को डेट कर रहे हैं. वहीं पिछले दिनों

एक रिपोर्ट में कहा गया था कि शुभमन और सारा ने सोशल मीडिया पर एक दूसरे को अनफॉलो कर दिया है. हालांकि इसपर कुछ नेटिजन्स का कहना था कि उन्होंने कभी एक दूसरे को फॉलो ही नहीं किया था.

नेटिजन्स ने किया सारा को ट्रोल

सारा के स्टेडियम पहुंचकर लाइव क्रिकेट देखने और शुभमन गिल के जल्दी आउट होने को लेकर सोशल मीडिया पर लोग सारा को ट्रोल कर रहे हैं. एक यूजर ने लिखा, जिस तरह से सारा खुश लग रही हैं इससे यही लगता है कि ब्रेकअप हो गया है. @shubhmangill कोई न अगली बार, आप लोगों ने बहुत अच्छा खेला.' एक और व्यक्ति ने लिखा, 'गिल ने सारा का सारा मूड खराब कर दिया, #SaraAliKhan उनके लिए पनौती हो गईं.' एक दूसरे शख्स ने कमेंट किया, 'ब्रेकअप फाइनल?' एक दूसरे शख्स ने लिखा, 'सारा अली खान वो तो आउट हो गया. धोनी ने क्या शानदार स्टंपिंग की!

जेनिफर विंगेट का करण सिंह ग्रोवर से क्यों हुआ था तलाक?

एक्ट्रेस जेनिफर विंगेट ने अपना 38वां बर्थडे मनाया। 'दिल मिल गए' सीरियल से डॉ. रिद्धिमा के रूप में पॉपुलैरिटी बटोरने वालीं जेनिफर विंगेट को 'बेहद' और 'बेपनाह' जैसे शोज में काफी पसंद किया गया। लेकिन पिछले काफी समय से जेनिफर विंगेट पब्लिक की नजरों से एकदम दूर हैं। खासकर करण सिंह ग्रोवर से तलाक के बाद से वह पब्लिक इवेंट्स में भी कम नजर आने लगीं।

जेनिफर और करण सिंह ग्रोवर का 2014 में तलाक हो गया था। जेनिफर विंगेट और करण की जोड़ी को टीवी इंडस्ट्री की पॉपुलर जोड़ियों में शुमार किया जाता था। 'दिल मिल गए' के दिनों से ही फैन्स उन पर फिदा थे। ऐसे में जब तलाक हुआ तो फैन्स को झटका लगा था। कुछ साल पहले एक इंटरव्यू में जेनिफर विंगेट ने करण सिंह ग्रोवर से तलाक के बारे में बात की थी। साथ ही बताया था कि किस तरह उनके मम्मी-पापा ने इस शादी को लेकर आगाह किया था।

जेनिफर विंगेट और करण सिंह टीवी शो 'दिल मिल गए' के सेट पर करीब आए थे। इस शो में वो एक-दूसरे के ऑपोजिट थे। फैन्स को जेनिफर और करण सिंह ग्रोवर की केमिस्ट्री काफी पसंद आई थी। जेनिफर और करण सिंह ग्रोवर ने 2012 में शादी कर ली। लेकिन यह शादी सिर्फ दो साल ही चली और 2014 में उनका तलाक हो गया। जेनिफर से यह करण की दूसरी शादी थी। करण सिंह ग्रोवर से तलाक के बाद जेनिफर विंगेट टूट गई थीं। इससे उबरने में उन्हें काफी वक्त लगा। फिर वह खुद को किसी तरह संभालकर काम में रम गईं।

ऐसा कहा जाता है कि करण सिंह ग्रोवर और जेनिफर विंगेट की शादी बिपाशा बसु की वजह से टूटी थी

जेनिफर विंगेट ने एक बार इंटरव्यू में करण सिंह ग्रोवर से तलाक के बारे में बात की थी। जेनिफर ने कहा था कि कुछ साल करण को डेट करने के बाद जब उन्होंने एक्टर से शादी का फैसला किया, तो हर को ई

हैरान था। जेनिफर के मुताबिक, जब उन्होंने दोस्तों को बताया कि वह करण की दूसरी वाइफ बनने जा रही हैं तो सबने उन्हें 'पागल' कहा था, और आगाह किया था कि वह ऐसा न करें।

जेनिफर विंगेट के मुताबिक, मम्मी-पापा ने भी उन्हें करण सिंह ग्रोवर से शादी को लेकर आगाह किया था। उन्होंने एक्ट्रेस से कहा था कि वह शादी का फैसला जल्दबाजी में ले रही हैं, जोकि गलत है। उन्हें एक बार सोचना चाहिए। पर जेनिफर विंगेट पर करण के प्यार का खुमार था और वह जिद पर अड़ी थीं। एक्ट्रेस के मुताबिक, तब कुछ ऐसा था कि अगर भगवान भी आकर कहें कि करण से शादी नहीं करनी, तब भी वह नहीं सुनतीं।

लेकिन जेनिफर और करण सिंह ग्रोवर की शादी नहीं चली और 2014 में टूट गई। बेटी जेनिफर की शादी टूटने से मम्मी-पापा बुरी तरह टूट गए थे। सबकुछ इतना अचानक हुआ था कि उन्हें इससे उबरने में काफी वक्त लगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऐसा कहा जाता है कि करण सिंह ग्रोवर और जेनिफर विंगेट की शादी बिपाशा बसु की वजह से टूटी थी। दरअसल करण तब बिपाशा के साथ फिल्म 'अलोन' में काम कर रहे थे। उसी दौरान दोनों का नाम साथ जोड़ा जाने लगा था। बाद में करण ने जेनिफर से तलाक ले लिया और बिपाशा बसु से शादी कर ली। बिपाशा और करण अब एक बेटी के पैरेंट्स बन चुके हैं।

हालांकि तलाक को लेकर जेनिफर ने कहा था कि इसमें न तो उनकी गलती थी और न ही करण सिंह ग्रोवर की। जो होना था, वो हो गया। जेनिफर ने कहा था कि वह और करण ही तलाक के लिए तैयार नहीं थे। वह और करण लंबे समय से दोनों दोस्त रहे थे और जब भी साथ होते थे तो खूब कमाल लगते थे। लेकिन बदकिस्मती से सब खत्म हो गया।

शादी से पहले होने वाली सासू मां को इम्प्रेस करने के टिप्स

हर लड़की की सबसे बड़ी टेंशन यही होती है कि शादी के बाद उसकी सास से पटेगी या नहीं। इसके पीछे की बड़ी वजह वो आम धारणा है, जो हमेशा यही दिखाती है कि बहूरानी और सासू मां के बीच खटपट तो होती ही होती है। वैसे तो ये पहले से ही बता पाना काफी मुश्किल होता है कि शादी के बाद की ट्यूनिंग कैसी होगी, लेकिन कुछ चीजें जरूर हैं, जिनका अगर लड़की ध्यान रखे, तो वो होने वाली सास पर शुरुआत से ही अच्छा इम्प्रेशन जमा सकती है।

पहली मुलाकात पर इन बातों का रखें ख्याल

आप जब होने वाली सास से पहली बार मिलने जाएं, तो इस बात का ख्याल रखें कि आपके कपड़ों से लेकर बाकी सारी चीजें ऐसी न हों, जो ओवर द टॉप लगें। साथ ही जब आप उनसे बातचीत करें, तो खुद कम बोलें और उन्हें ज्यादा बोलने का मौका दें, ताकि आप उनके नेचर को समझ सकें और फिर उसके मुताबिक अपने शब्दों का चुनाव करें।

तोहफा दें

तोहफा भला किसे पसंद नहीं आता? होने सास को क्या पसंद है, इसे अपने होने वाले पति से पूछें और फिर उसके अनुसार उनके लिए गिफ्ट खरीदें। खास मौकों से लेकर यूं ही कभी भी उन्हें इसे देकर सरप्राइज करें। इससे उन्हें यकीनन अच्छा लगेगा।

साथ में समय बिताएं

जिस तरह से होने वाले पति के साथ ज्यादा से ज्यादा बात कर व समय बिताकर बॉन्ड को स्ट्रॉन्ग करने की सलाह दी जाती है, उसी तरह से सास के लिए भी किया जाना चाहिए। इसका असर ये होगा कि आप एक-दूसरे को अच्छे से समझेंगे। ये शादी के बाद दोनों के बीच आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों से निपटने व सामंजस्य को बेहतर तरीके से बैठाने में मददगार साबित होगा।

सास की साइड लें

पति का साइड तो जिंदगीभर लेना ही है, लेकिन अगर सासू मां के दिल में जगह बनाना चाहती हैं, तो उनका साइड भी जरूर लें। शादी से पहले ही इस तरह के संकेत दिखाना शुरू कर दें कि आप उनकी तरफ हैं। ये उन्हें भी फील करवाएगा कि बहू बनने के बाद भी आप उनका साथ देती रहेंगीं।

सम्मान

चाहे जो भी हो, सम्मान देना न छोड़ें। पहली मुलाकात से लेकर आगे तक अपनी बोल-चाल या फिर किसी भी काम में उनके प्रति सम्मान के भाव को व्यक्त जरूर करें। रिस्पेक्ट ऐसी चीज होती है, जो कई चीजों को बिगड़ने से पहले ही रोक देती है। वहीं प्यार एक बार को फेल हो जाए, लेकिन आपसी सम्मान हो, तो कोई भी रिश्ता संभल जाता है। ऐसे में ये सुनिश्चित करें कि आप किसी भी रूप में सासू मां का अपमान न करें।

ऐसे पहचानें पति का किसी दूसरी औरत से चल रहा है चक्कर, बदलने लगता है पूरा तेवर

शादी के बाद पूरी जिन्दगी एक ही व्यक्ति के साथ बिताना होता है। ऐसे में जरूरी होता है, कि वह व्यक्ति इस काबिल हो कि उसपर भरोसा किया जा सके। लेकिन अगर वह थोड़े ही समय में घबरा के रिश्ते से बाहर अपनी खुशी को तलाशने लगे तो फिर साथ रहना बहुत मुश्किल हो जाता है। रिश्ते से विश्वास उठने लगता है।

यदि गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड के बीच यह परेशानी आए तो रिश्ते को खत्म करके आगे बढ़ना आसान होता है। लेकिन इसका समाधान पति-पत्नी के बीच इतना आसान नहीं होता है। शादी के बाद कई सारी महिलाएं सिर्फ घर और बच्चों को संभालने में उलझ जाती है। जिसके कारण पति को पूरा मौका मिल जाता है, कि वह बाहर बिना किसी रोक टोक के अपनी जिंदगी को एंजॉय करे। ऐसे में कई लोग एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर शुरू कर देते हैं। बिना इसके परिणाम को सोचे समझे।

अपनी हर चीज को सीक्रेट रखना

जीवनसाथी एक ऐसा व्यक्ति होता है, जिसके साथ आप सबसे ज्यादा खुलकर रह सकते हैं। लेकिन अफेयर में शामिल पार्टनर ऐसा नहीं कर पाता है। वह अपने फोन, लैपटॉप के पासवर्ड के साथ अपने घर से बाहर जाने के कारण को भी सीक्रेट रखता है। ताकि उसकी चोरी कभी न पकड़ी जाए।

इमोशनल दूरी बना लेना

शादी के रिश्ते में पति-पत्नी के बीच इमोशन का खत्म होना बेवफाई का एक आम संकेत है। अक्सर अफेयर रखने वाला व्यक्ति अपने पार्टनर के साथ बातचीत करने, एक साथ क्वालिटी टाइम बिताने में कम दिलचस्पी दिखाता है। इन चीजों से बचने के लिए वह अपने काम में बिजी होने का नाटक भी कर सकता है। ऐसे में आपको ये सोचने की जरूरत है, कि आपने आखिरी बार कब अपने पति के साथ बैठकर दिल खोलकर बातें की थी। क्या इस दौरान वह आपको ध्यान से सुन रहे थे या नहीं?

डेली हैबिट्स में बदलाव

जब कोई व्यक्ति किसी के प्यार में होता है, तो वह अपनी पसंद भूलकर दूसरे के मुताबिक खुद को ढालने लगता है। इसमें कपड़े पहनने से लेकर एक्सरसाइज करने और हेल्दी खाने, घर पर कम रुकना जैसे बदलाव शामिल हो सकते हैं। यदि आपके पति की आदतों में भी अचानक से कुछ बदलाव दिखने लगे हैं, तो हो सकता है, इसकी प्रेरणा उन्हें किसी और स्त्री से मिल रही हो। हालांकि, किसी भी नतीजे पर पहुचने से पहले ठीक तरह से श्योर होना बहुत जरूरी है।

कुछ भी पूछने पर गुस्से से भड़क जाना

जब व्यक्ति कोई काम चोरी छिपके करता है, तो उसे हमेशा पकड़े जाने का डर होता है। इसे छिपाने के लिए वह हमेशा अपने बचाव करने की स्थिति में रहता है। ऐसे में यदि उससे मजाक में भी इससे संबंधित कुछ कह दिया या पूछ लिया जाए तो वह गुस्से से भड़क उठते हैं। अपनी ईमानदारी और त्याग के बारे में जितना हो सके उतना ज्यादा बखान करने लगते हैं। ऐसे में जरूरी है यदि आपके पति भी किसी और महिला के नाम पर सवाल पूछने पर तिलमिला जाते हैं, तो सतर्क हो जाएं।

रोमांस करने से बचना

एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर शादीशुदा जीवन के रोमांस को भी प्रभावित करता है। अक्सर अफेयर में शामिल पार्टनर अपने लॉन्ग-टर्म पार्टनर के साथ संबंध बनाने में कम दिलचस्पी दिखाने लगते हैं। वे अक्सर रोमांस से बचने का बहाना खोजने लगते हैं, या इस दौरान वो बहुत अधिक इंट्रेस्ट नहीं दिखाते हैं।

वहीं, कुछ लोग अफेयर करने के बाद जीवनसाथी के साथ अपने व्यवहार के विपरीत रोमांस करने लगते हैं। ऐसे में अपने पति के पैटर्न पर नजर रखना बहुत जरूरी होता है।

घर के सदस्यों के लिए सक्सेस लेकर आएंगी ये फेंगशुई चीजें

घर में वास्तु के अनुसार, चीजें रखना बहुत ही शुभ माना जाता है। इस शास्त्र की मानें तो घर में रखी हर चीज की एक ऊर्जा होती है जो घर के सदस्यों पर नेगेटिव या पॉजिटिव असर डालती हैं। वास्तु के जैसे फेंगशुई शास्त्र भी चीनी का शास्त्र माना जाता है जो दो शब्दों को मिलाकर बना है फेंग यानी की हवा और शुई यानि की जल। ऐसे में यह शास्त्र वायु और जल पर आधारित है। फेंगशुई शास्त्र में कुछ चीजें बताई गई हैं जिन्हें घर में रखने से सुख-समृद्धि आती है।

घोड़ा

फेंगशुई शास्त्र की मानें तो घोड़े को तरक्की और सुख-समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। यदि आप घर के सदस्यों या फिर नौकरी व्यापार में तरक्की चाहते हैं तो घर में घोड़े की तस्वीर या फिर मूर्ति रख सकते हैं।

फेंगशुई कछुआ

इस शास्त्र के अनुसार, घर का वास्तु दोष दूर करने के लिए धातु का कछुआ बहुत ही शुभ माना जाता है। घर में इसे रखने से कई तरह की बीमारियां और दुश्मनों पर जीत मिलती है। धन में बढ़ोतरी करने के लिए आप धातु से बना कछुआ लेकर उसे पानी भरे बर्तन में डालकर उत्तर दिशा में रख दें।

लॉफिंग बुद्धा

वास्तु दोष, मानसिक परेशानी या फिर आर्थिक दिक्कतें दूर करने के लिए आप घर में लॉफिंग बुद्धा रख सकते हैं। घर में लाफिंग बुद्धा रखने से जीवन में सुख-समृद्धि आती है और किसी भी तरह की परेशानी दूर होती है।

लटकती हुई घंटी

घर में लटकती हुई घंटी रखना बहुत ही शुभ माना जाता है। मान्यताओं के अनुसार, घर में खुशनुमा वातावरण रखने से लिए आप इसे खिड़की के पास टांग दें। मान्यताओं के अनुसार, इससे घर में पॉजिटिव एनर्जी आती है और घर का माहौल अच्छा रहता है।

बांस का पौधा

बांस का पौधा घर में रखना बहुत ही शुभ माना जाता है। फेंगशुई शास्त्र में इसे सुख-समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। इसको घर में रखने से परिवार के सदस्यों की अच्छी आयु और सेहत मिलती है। आप यह पौधा वहां पर लगाएं यहां घर के सारे सदस्य रहते हों। बांस के पौधे को आप पूर्वी कोने में रख सकते हैं। यहां पर इसे रखना शुभ माना जाता है।

बच्चों के लिए जरुरी है परिवार का प्यार, बुजुर्गों की सीख

बच्चे दिल के बहुत ही साफ होते हैं उन्हें जिस दिशा में भी मोड़ो वो आसानी से उसमें मुड़ जाते हैं। लेकिन परिवार के साथ उनका एक अलग ही लगाव होता है। खासकर यदि बच्चों को परिवार के साथ घुलेंगे मिलेंगे तो बड़े बुजुर्ग उन्हें जिंदगी जीने की अलग दिशा सिखा पाएंगे। परंतु आज के समय में बच्चे न्यूक्लियर फैमिली में ही रहना पसंद करते हैं जिसके चलते वह परिवार का महत्व बिल्कुल भी नहीं समझ पाते।

नहीं महसूस होगा अकेलापन

परिवार जितना बड़ा होगा बच्चे उतना ही अकेलेपन से दूर रह पाएंगे। अगर पैरेंट्स वर्किंग तो बच्चे स्कूल से घर आने पर अपने परिवार के बाकी सदस्यों के साथ समय बिता सकते हैं। इस तरह उनकी अपने परिवार से भी अच्छी बॉन्डिंग बनती है और उनमें संस्कार, अच्छी बातें और फैमिली वैल्यूज सिख पाएंगे। बच्चे बड़ों का आदर करना, छोटों से प्यार और उनके साथ चीजें शेयर करने जैसी अच्छे बातें भी सिख सकते हैं।

सिखेंगे कई अच्छी बातें

यदि बच्चे परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताते हैं तो वह उनके साथ नई-नई बातें सिख पाएंगे। इस तरह बच्चे

अपनी बातें और फीलिंग्स भी उनके साथ खुलकर शेयर कर पाएंगे। घर पर यदि बड़े-बुजुर्ग हों तो बच्चे पूरी तरह से सुरक्षित रहते हैं और उनके साथ क्वालिटी टाइम स्पैंड करके बच्चे काफी कुछ भी सीखते हैं।

मिलेगी पुरानी परंपराओं और रीति-रिवाजों की जानकारी

आजकल के बच्चे अपनी परंपराओं, संस्कारों और रीति-रिवाजों से दूर होते जा रहे हैं जिसके सबसे बड़ा कारण यह है कि वह एक छोटे परिवार में रहते हैं। घर में बड़े-बुजर्ग न होने के कारण वह पुरानी चीजों को मानते भी नहीं हैं और उन्हें बिल्कुल मानते भी नहीं हैं। लेकिन यदि उनके घर में बड़े-बुजुर्ग होंगे तो बच्चे उनके रीति-रिवाजों को जान पाएंगे। उन्हें यह भी पता चल पाएगा कि त्योहार क्यों मनाया जाता है। इसके अलावा परिवार बच्चे अपने परिवार के करीब भी आ पाएंगे।

बच्चे सीख पाएंगे धैर्य

बच्चे गुस्सैल बहुत होते हैं खासकर आजकल के बच्चों में तो धैर्य बिल्कुल भी नहीं होता। परंतु यदि आपके बच्चे अपने बड़े बुजुर्गों के साथ रहेंगे तो वह सब्र सिख पाएंगे। उन्हें यह समझ आएगा कि चीजों को नियंत्रित कैसे करना है। बुजुर्गों के साथ जुड़कर बच्चे अपने गुस्से पर काबू करना भी सिख पाएंगे।

सिखेंगे अच्छी बातें

मां-बाप के साथ घर के बुजुर्ग भी बच्चों को अच्छी शिक्षा देते हैं। खासकर दादा-दादी का बच्चों से अलग ही लगाव होता है। वह अपने एक्सपीरियंस से बच्चों को बातें बहुत ही नरम और साधारण तरीके से उन्हें जीवन की शिक्षा दे देंगे। अपने जीवन में अनुभवों के आधार पर वह बच्चों के उनके जीवन में मार्गदर्शन करने में भी मदद कर सकते हैं। ऐसे में अपने दादा-दादी के साथ रहकर बच्चे अच्छी बातें सिख पाएंगे।

घर पर झटपट बनाएं मूंगफली की चटनी दोसा-इडली खाने में आ जाएगा मजा

खाने के साथ अगर चटनी परोस दी जाए तो सादे भोजन का स्वाद भी कई गुना बढ़ जाता है। ऐसे में आज हम आपको मूंगफली की चटनी की रेसिपी बताएंगे। बता दें कि मूंगफली में प्रटीन होता है इसे बनाकर आप फ्रिज में स्टोर करके भी रख सकते है। तो चलिए जानते है इसे बनाने के बारे में।

सामग्री

मूंगफली- 2 कप
हरी मिर्च- 2
राई- 1 चौथाई चम्मच
लाल मिर्च- 1 चुटकी
नमक - स्वादानुसार
तेल - 1 चम्मच
नींबू का रस - 1 चम्मच
करी पत्ता - 1 चम्मच

बनाने की विधि

1 सबसे पहले एक कड़ाही मध्यम आंच पर चढ़ाएं।

2 फिर मूंगफली को बिना तेल के थोड़ी देर के लिए कड़ाही में भून लें।

3 जब मूंगफली भुन जाए तो उसे एक बर्तन में निकाल लें।

4 मूंगफली के ठंडा हो जाने के बाद उसके छिलके को हाथ से मसलकर अलग कर लें।

6 फिर मिक्सी में मूंगफली, आवश्यकतानुसार पानी, हरी मिर्च व स्वादानुसार नमक डालकर पीस लें।

7 इसके बाद फिर कड़ाही में छौंक के लिए तेल, राई और करी पत्ता डालकर गर्म करें।

8 जब राई और करी पत्ता चटकने लगे, तो उसे मूंगफली के मिश्रण में डालकर छौंक लगा दें।

9 लीजिए तैयार है आपकी मूंगफली की चटनी।

बच्चों का उज्जवल भविष्य चाहते हैं तो माता-पिता आज से ही छोड़ें कुछ बुरी आदतें

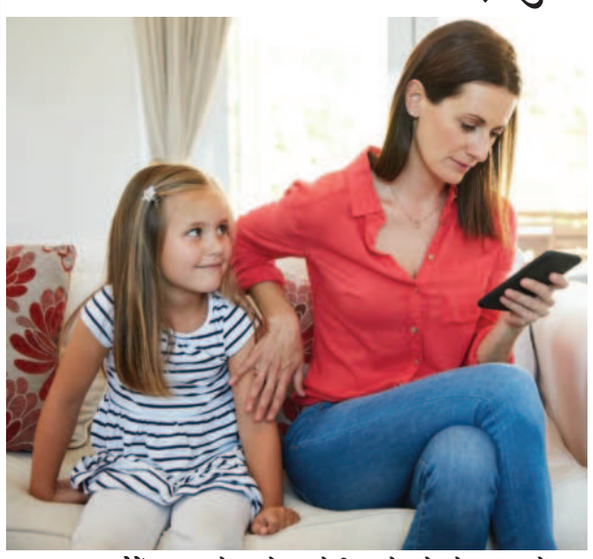

ज्यादातर पेरेंट्स अपने बच्चों को अच्छी परवरिश देने की ख्वाहिश रखते हैं। पेरेंट्स के काफी करीब होने के कारण कुछ बच्चे माता-पिता की आदतों को कॉपी करने लगते हैं। लेकिन कुछ पेरेंट्स ऐसे भी होते है जो बच्चों की हर मांग पूरी करते है। जो लाइफटाइम के लिए उसकी आदत बन जाएगी। अगर आप भी ऐसा करते है तो ये उसके फ्यूचर के लिए ठीक नहीं है। इसलिए अगर अच्छे माता-पिता बनना है और बच्चों की परवरिश ठीक ढंग से करनी है तो आज से ही अपनी कुछ आदतों को बदल लें।

जरा-जरा सी बात पर डांटने से बचें

अकसर कई माता- पिता छोटी-छोटी बातों को लेकर बच्चों पर चिल्लाना शुरू कर देते हैं जो बिल्कुल भी ठीक नहीं है। धीरे-धीरे आपकी ये आदत बन जाती है। ऐसे करने से बच्चा आपसे ज्यादा ही डरने लगेगा और आपसे कोई भी बात या पढ़ाई करते समय कोई भी सवाल पूछने से हिचकिचाने लगेगा। ध्यान रहे आपका उसपर चिल्लाना उसे गुस्सैल बना सकता है।

कभी तुलना न करें

ध्यान रहे कभी भी अपने बच्चे को दूसरे बच्चों से कंपेयर न करें। यह भी हो सकता है कि आपका बच्चा किसी एक काम में दूसरों से अच्छा न कर रहा हो लेकिन कई ऐसी भी एक्टिविजिट होंगी, जिसमें वह सबसे आगे और बेस्ट होगा।

हर बार इच्छा पूरी करना जरूरी नहीं

हमारे देश में कई माता-पिता ऐसे होते है जो बच्चों की मांग से पहले उनकी इच्छा पूरी कर देते है। आपका यह प्यार बच्चे को बिगाड़ भी सकता है। ऐसे में ध्यान रखना चाहिए कि ये आदत बच्चों पर गलत प्रभाव डाल सकती है। इसलिए बच्चे को ऐसी चीज लाकर दें जिसकी उसे जरुरत हो।

धैर्य की सबसे ज्यादा जरुरत

माता- पिता को चाहिए कि वह अपने बच्चों को थोड़ा धैर्य और शांत रहना सीखाएं। बच्चे में धैर्य होगा तो वह आगे चलकर काफी सफल हो सकता है और ये आदतें उसे विपरीत परिस्थितियों से निकलने में भी मदद करेंगी।

नखरे को प्यार न समझें

माता-पिता को बच्चे के नखरे को कभी भी प्यार नहीं समझना चाहिए। अच्छी पैरेंटिगं के लिए भावनाओं पर काबू रखना जरूरी होता है। इससे बच्चे सही और गलत के बीच का अंतर सीख पाते हैं।

खुद में थोड़ा बदलाव लाएं

एक अच्छी पैरेंटिग के लिए माता-पिता को खुद भी कुछ आदतों को छोड़ना चाहिए। इससे बच्चों का भविष्य शानदार हो सकता है बच्चों पर आरोप मढ़ने से अच्छा है कि आप अपनी छोटी-छोटी बुरी आदतों को छोड़ दें।

ऐसे बनायेंगे आम का अचार तो बाकी सारे अचार भूल जाएंगे, चलेगा लंबे समय तक

गर्मियों में हर घर में आम का अचार डाला जाता है जिसका वह सालभर आनंद लेते है। लेकिन कई लोगों को यह शिकायत होती है कि वह अचार इतनी मेहनत से डालते है फिर भी जल्दी खराब हो जाता है। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है। तो परेशान न हो। क्योंकि आज हम आपको आम का अचार डालने के दौरान और उसके बाद अचार कैसे लंबे वक्त तक अच्छा रहे, इसे लेकर कुछ बातें बताने जा रहे हैं। तो चलिए जानते है उसके बारे में।

कच्चा आम चुनना

गर्मीयों में ज्यादातर लोग आम का अचार डालते है। लेकिन यह काफी लंबे समय तक चले इसके लिए जरुरी है कि सही कच्चे आम का चुनाव करना। आम का अचार डालने से पहले इस बात का ख्याल रखे कि कच्चा आम सख्त और कच्चा हो। कच्चा आम अगर थोड़ा भी पक गया है तो उसका इस्तेमाल अचार के लिए नहीं करना चाहिए। इससे आम की कलियां जल्द गल जाती हैं और स्वाद में भी बदलाव आ सकता है।

कंटेनर चुनना

जब आप आम का अचार डाल लेते है तो उसे कांच के जार या डिब्बे में भरकर रखें। आप इस अचार को किसी चीनी के बर्तन में भी रख सकते है। ध्यान रहे अचार को प्लास्टिक के कंटेनर में बिल्कूल न रखें। ऐसा करने से अचार खराब हो सकता है।

बर्तन का साफ होना

आम के अचार को जिस जार में आप रख रहे है उसकी अच्छे से सफाई जरूर करें। जार को साफ करने के लिए आप गर्म पानी का इस्तेमाल कर सकते है। जब जार अच्छे से साफ हो जाए तो उसमें अचार को डालकर रख दें।

अच्छे तेल का इस्तेमाल

चाहते है आपका आम का अचार एकदम परफेक्ट बने तो हमेशा अच्छे तेल का चयन करें। सबसे बेहतर होगा कि आपका बेहतर क्वालिटी के सरसों का तेल का इस्तेमाल करें। तेल की मात्रा भी अचार में भरपूर रखें।

अचार निकालने का तरीका

अचार लंबे समय तक चले इसके लिए खाना खाने वक्त अचार को निकालने से पहले आपके हाथ अच्छे से साफ होने चाहिए। ध्यान रखें कि अचार को निकालने से गंदे चम्मच या फिर हाथों का इस्तेमाल न करें। हमेशा अचार को एयरटाइट डिब्बे और ठंडी जगह पर रखें।

अर्थव्यवस्था ने दिखाया है दम, पर सामने हैं अभी कई चुनौतियां!

आरबीआई को इन बातों का डर

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। वैश्विक स्तर पर आर्थिक मंदी दस्तक दे चुकी है, लेकिन भारतीय अर्थव्यवस्था ने अभी तक तुलनात्मक रूप से बेहतर प्रदर्शन किया है। भारतीय रिजर्व बैंक का भी मानना है कि देश की अर्थव्यवस्था ने अब तक काफी मजबूती दिखाई है। हालांकि आने वाले दिनों के बारे में रिजर्व बैंक को भी कुछ बातों का डर सता रहा है। सेंट्रल बैंक को लगता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था को आने वाले दिनों में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, जो आर्थिक वृद्धि की रफ्तार पर नकारात्मक असर डाल सकते हैं।

अर्थव्यवस्था ने दिखाया है दम

रिजर्व बैंक ने मंगलवार को अपनी सालाना रिपोर्ट जारी की। रिपोर्ट में सेंट्रल बैंक ने देश की अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन और आने वाले समय को लेकर विस्तार से बातें की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने पिछले वित्त वर्ष के दौरान काफी मजबूती दिखाई और प्रमुख देशों के बीच सबसे तेजी से वृद्धि करने वाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनकर उभरा। हालांकि आने वाले दिनों में ट्रेंड में कुछ बदलाव दिख सकता है।

महंगाई में कमी की उम्मीद

रिजर्व बैंक ने कहा कि मजबूत व्यापक आर्थिक नीतियों और कमॉडिटीज की कीमतों में नरमी के चलते भारत की वृद्धि की गति 2023-24 में बरकरार रहने की संभावना है। केंद्रीय बैंक को चालू वित्त वर्ष में महंगाई में कमी की भी उम्मीद भी है। इसके साथ ही रिजर्व बैंक का यह भी मानना है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की धीमी वृद्धि, दीर्घकालिक भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक वित्तीय प्रणाली में दबाव के कारण अगर वित्तीय बाजार में अस्थिरता आती है, तो इससे भारत की वृद्धि के लिए नकारात्मक जोखिम पैदा हो सकते हैं।

मौद्रिक नीति अब तक रही कामयाब

आरबीआई का कहना है कि उसकी मौद्रिक नीति महंगाई को नियंत्रित दायरे में लाने के साथ-साथ आर्थिक वृद्धि दर को मजबूत बनाए रखना सुनिश्चित करने पर केंद्रित रही है। मौद्रिक नीतियों ने इसे पाने में कामयाबी भी दिखाई है और इनके कारण महंगाई नरम पड़ी है, जो अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक है। आने वाले दिनों में महंगाई को लेकर रिजर्व बैंक का कहना है कि अगर अल नीनो का असर नहीं होता है तो एक स्थिर विनिमय दर और एक सामान्य मानसून के मामले में 2023-24 में महंगाई कम हो सकती है। रिजर्व बैंक का कहना है कि थोक महंगाई कम होकर 5.12 फीसदी पर आ सकती है है, जो बीते वित्त वर्ष में 6.17 फीसदी रही थी।

वित्तीय संकट से जूझ रही गो फर्स्ट ने डीजीसीए अधिकारियों से की बातचीत रिवाइवल प्लान पर हुई चर्चा

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। भारतीय एविएशन सेक्टर को उस समय तगड़ा झटका लगा जब देश में सस्ती हवाई सेवा देने वाली कंपनी गो फर्स्ट ने दिवालिया होने के लिए नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल के पास आवेदन किया। इसके बाद से ही एयरलाइंस के रिवाइवल के लिए एनसीएलटी और विमानन नियामक नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) लगातार कोशिश कर रहे हैं। अब इस मामले में एक बड़ी खबर आ रही है। पीटीआई की खबर के मुताबिक सोमवार को कंपनी के रिवाइवल के लिए गो फर्स्ट अधिकारियों ने डीजीसीए के अधिकारियों के मुलाकात की है। इस बैठक में कंपनी को दोबारा खड़ा करने के प्लान पर बातचीत हुई।

डीजीसीए ने कंपनी को दी 30 दिन की मौहलत

वित्तीय संकट से जूझ रही गो फर्स्ट को विमानन नियामक नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने 30 दिन का वक्त दिया है। इस बीच में कंपनी को अपने रिवाइवल प्लान से लेकर फ्लाइट्स के ऑपरेशन तक की पूरी प्लानिंग करनी होगी। ध्यान देने वाली बात ये है कि कंपनी अपनी उड़ानों को संचालित करने और उसे दोबारा शुरू करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। फिलहाल गो फर्स्ट ने अपनी सभी फ्लाइट्स के ऑपरेशन को 30 मई, 2023 तक के लिए रद्द कर दिया है।

सोमवार को हुई गो फर्स्ट और डीजीसीए के बीच मीटिंग

पीटीआई की खबर के मुताबिक डीजीसीए ने सोमवार को गो फर्स्ट के पूरे मैनेजमेंट टीम को मीटिंग के लिए बुलाया था। इसमें कंपनी संबंधित रिवाइवल प्लान के बारे में चर्चा की गई है। इसमें टीम ने आगे फ्लाइट के संचालन से लेकर कंपनी के को दोबारा खड़ा करने के लिए अपना रोडमैप पेश किया है। कंपनी के कर्मचारी और सभी शेयरहोल्डर्स जल्द से जल्द से जल्द फ्लाइट के संचालन को शुरू करना चाहते हैं।

ऐसे में कंपनी इसके लिए कदम उठा रही है और चीजें सही दिशा में चल रही है। रिपोर्ट के मुताबिक अगले कुछ दिनों में डीजीसीए गो फर्स्ट के रोडमैप पर फैसला लेगी। ध्यान देने वाली बात ये है कि अपने कर्मचारियों को कंपनी के साथ जोड़े रखने के लिए गो फर्स्ट ने कैप्टन को 1 लाख रुपये और फर्स्ट ऑफिसर को 50,000 रुपये एक्स्ट्रा देने का ऐलान किया है। यह पैसे जून, 2023 से दिए जाएंगे।गौरतलब है कि गो फर्स्ट ने कैश संकट का हवाला देते हुए 3 मई, 2023 से अपनी फ्लाइट्स के संचालन को बंद कर दिया था।

अडानी समूह पर पुख्ता यकीन

इस इन्वेस्टर ने फिर किया मोटा निवेश, खरीदे 4400 करोड़ के शेयर

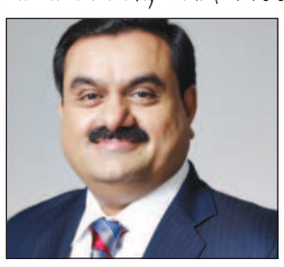

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी शॉर्ट सेलर कंपनी हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद मुश्किल समय में अडानी के शेयरों पर भरोसा दिखाने वाले इन्वेस्टर जीक्यूजी पार्टनर्स ने एक बार फिर से निवेश बढ़ाने का ऐलान किया है। चंद महीनों के भीतर अडानी समूह के शेयरों में जीक्यूजी पार्टनर्स का यह तीसरा मोटा निवेश है। विदेशी इन्वेस्टमेंट फर्म ने अडानी समूह के शेयरों में इस बार करीब 500 मिलियन डॉलर का निवेश किया है।

मार्च में किया था पहला निवेश

ब्लूमबर्ग की एक ताजी रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय मूल के निवेशक राजीव जैन की ऑस्ट्रेलिया में लिस्टेड कंपनी जीक्यूजी पार्टनर्स ने अडानी समूह की कंपनियों में इस बार 330 मिलियन डॉलर से 530 मिलियन डॉलर का निवेश किया है। इससे पहले जीक्यूजी पार्टनर्स ने मार्च की शुरुआत में अडानी समूह की कंपनियों में 1.87 बिलियन डॉलर यानी 15,446 करोड़ रुपये का निवेश किया था। अब जीक्यूजी पार्टनर्स ने करीब 4,400 करोड़ रुपये के शेयरों की खरीदारी की है। हालांकि जीक्यूजी पार्टनर्स ने यह नहीं बताया है कि उसने इन शेयरों को ओपन मार्केट से खरीदा है या किसी अन्य तरीके से।

अडानी के शेयरों में कुल इतना निवेश

जीक्यूजी पार्टनर्स के चेयरमैन, मुख्य निवेश अधिकारी एवं पोर्टफोलियो प्रबंधक राजीव जैन ने ब्लूमबर्ग से बताया, अडानी की सभी कंपनियों में हमारी पूरी शेयरहोल्डिंग 3 मार्च की तुलना में ज्यादा है। एक दर्जन से ज्यादा अलग-अलग खाते से 2.2 से 2.4 बिलियन डॉलर के करीब का कुल निवेश किया गया है। हमारे पास अलग-अलग खाते में ये शेयर हैं।

अडानी के शेयर बनेंगे मल्टीबैगर

राजीव जैन इससे पहले पिछले महीने ब्लूमबर्ग को दिए एक इंटरव्यू में कहा था कि अडानी समूह के शेयर अगले पांच साल में मल्टीबैगर साबित हो सकते हैं। इसी भरोसे के दम पर उन्होंने अडानी समूह के शेयरों में हाल ही में करीब 2 बिलियन डॉलर का निवेश किया है। जैन को लगता है कि अडानी के शेयरों की वैल्यू उसके एसेट्स में है।

ईंधन की कीमतें ऊंची रखकर मुनाफाखोरी कर रही सरकार, चिदंबरम ने केंद्र पर लगाया आरोप

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने मंगलवार को केंद्र पर आरोप लगाया कि वह लोगों की कीमत पर ईंधन पर ऊंचे करों के जरिये मुनाफाखोरी कर रही है। पूर्व वित्त मंत्री ने कहा कि महंगाई बढ़ने का एक कारण पेट्रोल और डीजल की कृत्रिम रूप से रखी गई ऊंची कीमतें हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने सरकार पर हमला बोला और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से एक अंग्रेजी अखबार का संपादकीय पढ़ने का आग्रह किया, जिसमें यह उल्लेख किया गया था कि 2010 और 2014 के बीच यूपीए और एनडीए सरकारों पर पेट्रोल की कीमतों को नियंत्रण मुक्त कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि हालांकि सितंबर 2014 के बाद से 'नियंत्रण मुक्त' सुधार रुक गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2014 से 2021 के बीच कच्चे तेल की कीमतें 60 डॉलर से नीचे थीं, जब रूस ने फरवरी 2022 में यूक्रेन पर हमला किया था, तब यह चरम पर था, लेकिन सके बाद यह फिर गिरकर 75 डॉलर पर आ गया है। फिर भी, सरकार ने कच्चे तेल की कम कीमतों का लाभ पेट्रोल और डीजल की खपत करने वाले उपभोक्ताओं को नहीं दिया है। उन्होंने आरोप लगाया, यह स्पष्ट है कि सरकार आम लोगों की कीमत पर उच्च करों और उपकरों के माध्यम से 'मुनाफाखोरी' कर रही है। उन्होंने कहा, महंगाई बढ़ने का एक कारण पेट्रोल और डीजल की कृत्रिम रूप से ऊंची कीमतें रखना है। कांग्रेस केंद्र सरकार पर कच्चे तेल की कम कीमतों का लाभ उपभोक्ताओं को नहीं देने का आरोप लगा रही है और उनके लिए राहत की मांग कर रही है।

फंड जुटाना पड़ गया भारी? स्टार्टअप कंपनियों को इनकम टैक्स ने थमाया नोटिस

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। डिंग की कमी से जूझ रही स्टार्टअप कंपनियों के लिए एक और बुरी खबर है। 100 करोड़ रुपये से अधिक की फंडिंग पाने वाली स्टार्टअप कंपनियों को इनकम टैक्स विभाग ने नोटिस भेजना शुरू कर दिया है।बिजनेस स्टैंडर्ड की एक रिपोर्ट के अनुसार, आईटी विभाग ने कई स्टार्टअप और यूनिकॉर्न स्टार्टअप कंपनियों को वित्त वर्ष 2019 से 2021 के बीच में मिली फंडिंग के कारण नोटिस भेजा है। इसके निवेश की प्रकृति और सोर्स के बारे में जानकारी देने को कहा गया है। बिजनेस स्टैंडर्ड की खबर के मुताबिक 100 करोड़ रुपये से अधिक की फंडिंग प्राप्त करने वाले सभी छोटे और यूनिकॉर्न स्टार्टअप को इनकम टैक्स विभाग का नोटिस मिला है। हालांकि कुल कितने स्टार्टअप को इनकम टैक्स विभाग का नोटिस मिला है इसका खुलासा अभी तक नहीं हुआ है। आयकर विभाग ने इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 68 के तहत इन नोटिस को भेजा है। इस एक्ट के जरिए विभाग उन फंड्स के बारे में जानकारी मांगता है जिसके स्रोत के बारे में जानकारी नहीं दी गई है। इस सेक्शन का इस्तेमाल फंडिंग के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए किया जाता है।गौरतलब है कि स्टार्टअप कंपनियों से आईटी विभाग ने विदेशी निवेशकों की लोकल होल्डिंग्स, वैल्यूएशन और निवेशकों से जुटाए गए पैसे के इस्तेमाल के बारे में इस नोटिस में जानकारी मांगी है।

अमेरिका पर भी भारी कर्ज वहां के हर नागरिक पर हजारों डॉलर का बोझ!

न्यूयार्क,30 मई (एजेंसियां)। दुनिया में टॉप अर्थव्यवस्था वाला देश है। अन्य देशों की तुलना में अमेरिका में जीवन लग्जरी और बेहतर माना जाता है, लेकिन क्या आपको पता है कि अमेरिका पर भी भारी कर्ज है। अमेरिका पर भी कर्ज का भारी बोझ है। डाटा के मुताबिक अमेरिका पर राष्ट्रीय कर्ज 31,8 ट्रिलियन डॉलर है। इतना ही नहीं अमेरिकी नागरिकों पर भी भारी कर्ज का दबाव है। यहां के हर एक नागरिक पर 95,006 डॉलर यानी कि 78,60,463 रुपये का कर्ज है। वहीं हर टैक्सपेयर पर 248,041 डॉलर का कर्ज है। इसका मतलब है कि यहां के प्रत्येक टैक्सपेयर्स पर 248,041 डॉलर लोन का बोझ है। हालांकि साल दर साल अमेरिका में कर्ज बढ़ा है। 1930 में अमेरिका का नेशनल कर्ज 16 अरब डॉलर था, जो 1940 में बढ़कर 43 अरब डॉलर हो गया।

इसी तरह 1950 में ये कर्ज 257 अरब डॉलर हो गया। 20 साल बाद 1970 में अमेरिका का नेशनल कर्ज 371 अरब डॉलर हो चुका था। वहीं 1990 में यह कर्ज बढ़कर 3.2 ट्रिलियन पर पहुंच गया। 2000 में ये कर्ज 5.6 ट्रिलियन हो चुका था। अमेरिका पर नेशनल कर्ज 2010 में 13.5 ट्रिलियन डॉलर था। 2020 में यह कर्ज बढ़कर 27.7 ट्रिलियन डॉलर पर पहुंच गया और इस साल 2023 में यह कर्ज 31.8 ट्रिलियन डॉलर है।

ओएनजीसी ग्रीन एनर्जी के लिए करने जा रही 1 लाख करोड़ का निवेश

2038 तक जीरो एमिशन का है लक्ष्य

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। भारत की सबसे बड़ी तेल और गैस उत्पादक कंपनी ओएनजीसी ने ग्रीन एनर्जी को लेकर बड़ा प्लान बनाया है। साल 2038 तक जीरो एमिशन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ओएनजीसी ग्रीन एनर्जी में 1 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने जा रही है। यह निवेश साल 2030 तक किया जाएगा। इस मामले पर जानकारी देते हुए कंपनी के चेयरमैन अरुण कुमार सिंह ने कहा कि साल 2038 तक जीरो कार्बन एमिशन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ओएनजीसी ने इस निवेश की प्लानिंग की है।

पीटीआई की खबर के मुताबिक अरुण कुमार सिंह ने कहा कि ओएनजीसी देश में जीरो कार्बन एमिशन के लक्ष्य को प्राप्त करना चाहती है। ऐसे में कंपनी ने इसके लिए अपनी तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए हमने अपने आंतरिक काम को पूरा कर लिया है। हमें पूरा विश्वास है कि साल 2038 तक हम स्कोप-1 और स्कोप-2 के उत्सर्जन को जीरो करने में सफल रहेंगे। इसके जरिए साल 2038 तक ओएनजीसी अपने नेट जीरो के लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल हो जाएगी । ध्यान देने वाली बात ये है कि नेट जीरो का अर्थ यह है कि कंपनी वातावरण से जितनी गैस लेती है उतनी ही छोड़ती है। ऐसे में पर्यावरण को इसमें किसी तरह का नुकसान नहीं होता है।इसके अलावा सिंह ने यह भी कहा कि ओएनजीसी 2030 तक ग्रीन रिन्यूएबल स्रोतों के जरिए बिजली उत्पादन को 189 मेगावाट से बढ़ाकर 1 गीगावॉट तक ले जाएगी। इसके लिए ओएनजीसी ने राजस्थान में 5 गीगावॉट की परियोजना की तैयारी भी शुरू कर दी है और आगे भी इस तरह के सामान परियोजना पर काम करती रहेगी। इसके साथ ही कंपनी बिजली उत्पादन के लिए विंड फॉर्मों को बनाने के विकल्प की भी तलाश कर रही है।

तेजी पर बंद शेयर बाजार, 63,000 के करीब सेंसेक्स और 18650 के पास निफ्टी हुआ क्लोज

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। शेयर बाजार आज दिनभर तेजी के सीमित दायरे में कारोबार करता रहा और क्लोजिंग भी हरे निशान में हुई है। हालांकि बाजार में ज्यादा तेजी आज दर्ज नहीं की गई है। सेंसेक्स एक बार फिर 63,000 के बेहद करीब बंद हुआ है और निफ्टी 18633 के लेवल पर क्लोज हुआ है।आज शेयर मार्केट की क्लोजिंग में बीएसई का सेंसेक्स 122.75 अंक यानी 0.20 फीसदी की उछाल के साथ 62,969 के लेवल पर बंद हुआ है। इसके अलावा एनएसई का निफ्टी 35.20 अंक या 0.19 फीसदी चढ़कर 18,633 के लेवल पर बंद हुआ है। मीडिया शेयरों में 0.68 फीसदी की तेजी देखी गई है और निजी बैंकों में 0.58 फीसदी की उछाल दर्ज की गई। एफएमसीजी शेयरों में 0.59 फीसदी और फाइनेंशियल शेयरों में 0.50 फीसदी की मजबूती के साथ कारोबार देखा गया है।सेंसेक्स के 30 में से 18 शेयरों में उछाल के साथ कारोबार बंद हुआ है और 12 शेयरों में गिरावट के साथ स्टॉक क्लोजिंग देखने को मिली है। वहीं निफ्टी के 50 में से 22 शेयरों में तेजी के साथ कारोबार क्लोज हुआ। 26 शेयरों में मजबूती के साथ ट्रेडिंग बंद हुई है।सेंसेक्स के जो शेयर आज ऊपर रहे हैं उनमें सबसे पहले आईटीसी 2.31 फीसदी ऊपर बंद हुआ है। बजाज फिनसर्व, कोटक महिंद्रा बैंक, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, एचसीएल टेक, विप्रो, अल्ट्राटेक सीमेंट, इंडसइंड बैंक, इंफोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, पावरग्रिड, एनटीपीसी, एचयूएल, एशियन पेंट्स, एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी के शेयरों मे आज बढ़त के साथ कारोबार बंद हुआ है।टेक महिंद्रा, टाटा स्टील, नेस्ले, सन फार्मा, एलएंडटी, टाटा मोटर्स, टाइटन, एसबीआई, भारती एयरटेल, टीसीएस, एमएंडएम और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में आज गिरावट के साथ कारोबार बंद हो पाया है।

2 महीने के निचले स्तर पर आया सोना

चांदी भी हुई सस्ती, जानिए क्या हैं कीमतें

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। घरेलू वायदा बाजार में सोने की कीमतें मंगलवार को गिरावट के साथ खुली और शुरुआती कारोबार में ही इन्होंने 2 महीने का निचला स्तर छू लिया। एमसीएक्स पर मंगलवार को सोने की कीमतें 59,401 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुली थी। शुरुआती कारोबार में यह 59,395 रुपये प्रति 10 ग्राम के निचले स्तर तक गई। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सोने की कीमतों में गिरावट देखने को मिली। अमेरिका में कर्ज की सीमा बढ़ाने को लेकर जल्द ही बिल आने की संभावनाओं के बीच सोने में यह गिरावट देखने को मिली है। सोने के साथ ही चांदी की कीमतों में भी मंगलवार को गिरावट देखने को मिली है।

चांदी की कीमतों में गिरावट

एमसीएक्स एक्सचेंज पर चांदी के वायदा भाव में भी गिरावट देखने को मिली है। मंगलवार दोपहर 5 जुलाई की डिलीवरी वाली चांदी 0.15 फीसदी या 108 रुपये की गिरावट के साथ 71,017 रुपये प्रति किलोग्राम पर ट्रेड करती दिखी।

सोने का वैश्विक भाव

सोने की वैश्विक कीमतों में मंगलवार दोपहर गिरावट देखने को मिली है। कॉमेक्स पर सोने का वैश्विक वायदा भाव 0.10 फीसदी या 1.90 डॉलर की गिरावट के साथ 1961.20 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा। वहीं, सोने का वैश्विक हाजिर भाव 0.04 फीसदी या 0.76 डॉलर की गिरावट के साथ 1942.43 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा।

चांदी का वैश्विक भाव

कॉमेक्स पर चांदी का वैश्विक हाजिर भाव 0.51 फीसदी या 0.12 डॉलर की गिरावट के साथ 23.24 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा। वहीं, चांदी की वैश्विक हाजिर कीमत 0.09 फीसदी या 0.02 डॉलर की गिरावट के साथ 23.16 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करती दिखी।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	वृष	में	मेष--	03-01 बजे
चंद्र-	कन्या	में	वृष--	04-46 बजे
मंगल	कर्क	में	मिथुन..	06-46 बजे
बुध-	मेष	में	कर्क...	09-00 बजे
गुरु-	मेष	में	सिंह...	11-11 बजे
शुक्र-	मिथुन	में	कन्या..	13-17 बजे
शनि-	कुंभ	में	तुला...	15-23 बजे
राहु-	मेष	में	वृश्चिक.	17-33 बजे
केतु-	तुला	में	धनु.....	19-46 बजे
			मकर..	21-52 बजे
			कुंभ...	23-43 बजे
			मीन ..	01-21 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य उत्तरायणे,ऋतु-ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
सूर्योदय- 05-44
सूर्य अस्त- 18-42
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- एकादशी - 13 -46 तक उपरान्त द्वादशी
मास - ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष , बुधवार May 31
नक्षत्र - हस्त - 05- 59 - तक उपरान्त चित्रा
योग - व्यतिपात - 20 - 14 - तक उप - वरियान
करण- विष्टि - 13 -46 - तक उप- बव
विशेष:- निर्जला एकादशी व्रत सर्वे
व्रत -त्योहार - भद्रा-13-47 तक

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:14 से 13:52 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05:44 - 07:20 शुभ	उत्पात	18:42 - 20:07 अशुभ
अमृत	07:20 - 08:58 शुभ	शुभ	20:07 - 21:30 शुभ
काल	08:58 - 10:36 अशुभ	अमृत	21:30 - 22:52 शुभ
शुभ.	10:36 - 12:14 शुभ	चंचल	22:52 - 00:14 शुभ
रोग	12:14 - 13:52 अशुभ	रोग	00:14 - 01:36 अशुभ
उत्पात	13:52 - 15:30 अशुभ	काल	01:36 - 02:58 अशुभ
चंचल	15:30 - 17:07 शुभ	लाभ	02:58 - 04:20 शुभ
लाभ	17:07 - 18:42 शुभ	उत्पात	04:20 - 05:44 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, आ,)

अपने झगड़ालू व्यवहार पर क़ाबू रखें, क्योंकि इससे आपका रिश्ता हमेशा के लिए बिगड़ सकता है। आप खुले दिमाग को बढ़ावा देकर और किसी के प्रति पूर्वाग्रहों को दूर करके इस पर काबू पा सकते हैं। आपको आकर्षित करने वाली निवेश योजना के बारे में गहराई से जानने के लिए गहराई से देखें- कोई भी वादा करने से पहले अपने विशेषज्ञों से सलाह लें।

वृष (ई, उ, ए, ओ,वा, वी, वू, वे, वो,)

तनाव से बचने के लिए अपना कीमती समय बच्चों के साथ बिताएं। आप बच्चे की उपचार शक्ति का अनुभव करेंगे। चूंकि वे पृथ्वी पर सबसे शक्तिशाली आध्यात्मिक और भावनात्मक व्यक्तित्व हैं। आप खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। सोच समझ कर निवेश करें। बच्चे और बुज़ुर्ग अधिक ध्यान देने की मांग करते हैं।

मिथुन (का, की, कू, घ,ङ छ, के,को,ह)

आपकी शाम मिली जुली भावनाओं से भरी होगी जो आपको तनाव में रख सकती है। लेकिन ज़्यादा चिंता करने की ज़रूरत नहीं है- क्योंकि आपकी ख़ुशी आपको निराशा से ज़्यादा खुशी देगी। ऐसी वस्तुएँ ख़रीदने के लिए उत्तम दिन है, जिनकी क़ीमत में वृद्धि होगी।

कर्क (ही, हू , हे, हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

गर्भवती महिलाओं को अपने स्वास्थ्य का अतिरिक्त ध्यान रखने की आवश्यकता है। आप ख़ुद को किसी रोमांचक नई स्थिति में पा सकते हैं- जिससे आपको आर्थिक फ़ायदा भी होगा। कुल मिलाकर फ़ायदेमंद दिन है लेकिन कोई ऐसा व्यक्ति जिस पर आप भरोसा कर सकते हैं वह आपको निराश करेगा।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आपका व्यक्तित्व आज किसी इत्र की तरह काम करेगा। अटकलें खतरनाक होंगी- इसलिए सभी निवेश अत्यधिक सावधानी से किए जाने चाहिए। अपने रिश्तेदारों और दोस्तों को अपने वित्त का प्रबंधन न करने दें या आप जल्द ही अपना बजट पार कर सकते हैं।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)

दोस्तों के साथ शाम सुखद रहेगी लेकिन खाने-पीने की अधिकता का ध्यान रखें। अगर आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं तो सोच समझकर पैसा खर्च करें, क्योंकि आपको धन हानि होने की संभावना है। आप लोगों के साथ अपना रास्ता बना सकते हैं।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

पत्नी के मामलों में अपनी टांग न अड़ाएं, क्योंकि यह उसके क्रोध को आमंत्रित करेगा। बेहतर होगा आप अपने काम से काम रखें। हस्तक्षेप जितना संभव हो उतना कम करें अन्यथा यह निर्भरता पैदा कर सकता है। अपने ख़र्चों पर क़ाबू रखें और कोशिश करें कि आज ख़र्चों में ज़्यादा फिजूलखर्ची न करें।

वृश्चिक (तो,ना,नी, नू,ने,नो या, यी ,यू,)

आउटिंग-पार्टियां और मौज-मस्ती आज आपका मूड अच्छा रखेगी। पिछले निवेश से आय में वृद्धि की संभावना है। आपको नीचे खींचने की कोशिश करने वाले लोगों को संभालना बेहद मुश्किल होगा। आपका प्रिय कुछ चिढ़ा हुआ प्रतीत होगा- जो आपके दिमाग पर दबाव डालेगा।

धनु (ये, यो,य, भा, भी,भू धा ,फा, ढा, भे)

बच्चे आपकी शाम को रोशन करेंगे। सुस्त और व्यस्त दिन को अलविदा कहने के लिए एक अच्छे डिनर की योजना बनाएं। उनकी कंपनी आपके शरीर को रिचार्ज करेगी। पिता की कोई सलाह कार्यक्षेत्र में फायदेमंद साबित हो सकती है। शाम को अपने जीवनसाथी के साथ मूवी-थिएटर या डिनर पर जाना आपको सुकून और शानदार मूड में रखता है।

मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी)

लोगों को अपने लिए चीजें करने के लिए मजबूर और विवश न करें। दूसरों की इच्छा और रुचि के बारे में सोचें जो आपको असीमित खुशी देगा। ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करने और संदिग्ध वित्तीय योजनाओं से बचें। घर के लंबित काम आपका कुछ समय ले लेंगे।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)

आप अपने दिन की शुरुआत योग और ध्यान से कर सकते हैं। ऐसा करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा और आप दिन भर अपनी ऊर्जा के स्तर को बनाए रखेंगे। ख़र्चा बढ़ेगा लेकिन आय में वृद्धि आपके ख़र्चों का ध्यान रखेगी। कोई आपको नुकसान पहुँचाने की कोशिश कर सकता है।

मीन (दी, दू,थ, झ, ज्ञ, दे, दो, चा,ची)

जीवन का आनंद लेने के लिए अपनी आकांक्षाओं की जांच करें। अपने स्वभाव को सुधारने के लिए योग-जो आपको शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ रहने की कला सिखाता है, का सहारा लें। किसी भी लंबी अवधि के निवेश से बचें और बाहर जाकर अपने अच्छे दोस्त के साथ कुछ सुखद पल बिताने की कोशिश करें।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

यूपी भवन में मॉडल का यौन शोषण: पीड़िता बोली कमरा लॉक करके बोला

एक मिनट में तुम्हारा करियर बिगाड़ दूंगा

आरोपी राजवर्धन सिंह परमार

गाजियाबाद/लखनऊ, 30 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के यूपी भवन में यौन उत्पीड़न मामले में आरोपी राजवर्धन सिंह परमार ने सफाई दी है। परमार ने कहा कि वह नशा मुक्ति, लव जिहाद और मजार मुक्त भारत को लेकर अभियान चला रहे हैं। इसलिए उनके खिलाफ साजिश की गई है। मैं नार्को टेस्ट के लिए तैयार हूं। इस साजिश का पर्दाफाश करके रहूंगा। इधर, पीड़िता ने दिल्ली के चाणक्यपुरी थाने में दर्ज कराई गई एफआईआर में घटना को लेकर डिटेल में जानकारी दी है। एफआईआर के मुताबिक, आरोपी राजनाथ सिंह और नितिन गडकरी से मुलाकात कराने के बहाने ले गया था। वहां उसके साथ जबरदस्ती की कोशिश की। धमकी दी कि तुम्हारा करियर बना दूंगा और एक मिनट में बिगाड़ भी दूंगा। पीड़िता बंगला फिल्मों से जुड़ी हुई है। उधर, यूपी सरकार ने यूपी भवन के व्यवस्था अधिकारी दिनेश कारूष, राकेश चौधरी और पारस को सस्पेंड कर दिया है। अब यूपी भवन के आरसी और एआरसी पर भी कार्रवाई हो सकती है। इस मामले में सीएम और राज्यपाल की ओर से कार्रवाई किए जाने के बाद राजीव तिवारी को यूपी भवन की जिम्मेदारी दी गई है। पुलिस ने जिस कमरे में वारदात हुई उस कमरा नंबर-122 को सील कर दिया है।

कमरा लॉक करके मेरे सामने खड़ा हो गया

पीड़िता की तरफ से दर्ज एफआईआर के मुताबिक,राजवर्धन सिंह परमार खुद को बीजेपी नेता और राजनाथ सिंह को अपना ताऊ बताता है। मेरी पहली बार उससे मुलाकात 25 मई 2023 को विट्ठल भवन पटेल चौक दिल्ली के कैफे कॉफी शॉप में हुई। उसने मुझे 26 मई 2023 को भी इसी भवन पर बुलाया और मुझे ये कहकर यूपी भवन ले गए कि चलो आपको वहां नितिन गडकरी और राजनाथ सिंह से मिलवाने की बात कही। रूम में जाकर देखा तो वहां कोई नहीं था। अंदर से लॉक लगाकर राजवर्धन सिंह परमार ने वेट करने के लिए कहा कि कुछ देर में दोनों नेता आ रहे हैं, उसके बाद मीटिंग हो जाएगी। एफआईआर के मुताबिक, इस दौरान आरोपी बाथरूम से गया। वहां कपड़े उतारकर बाहर आया और मेरे सामने खड़ा हो गया। मैंने भागने की कोशिश की तो जबरदस्ती करने लगा। मुझे धमकी देने लगा कि तुम्हारा करियर बना दूंगा और एक मिनट में बिगाड़ भी दूंगा। हालांकि एफआईआर कॉपी में महिला ने ये बात भी साफ तौर पर लिखी है कि वो अपना मेडिकल परीक्षण नहीं कराना चाहती। इस मामले में आरोपी राजवर्धन सिंह परमार खुद को महाराणा प्रताप सेना का राष्ट्रीय अध्यक्ष बताया है। मामला सामने आने के बाद उसने फेसबुक पर लाइव आया और सफाई दी। साथ ही, अपने संगठन के नोट पैड पर रिलीज जारी की।

दोनों कमरे में साथ गए, 43 मिनट बाद राजवर्धन बाहर आया

पुलिस ने यूपी भवन की सीसीटीवी की पुलिस ने जांच की। इसमें आरोपी राजवर्धन 26 मई को 12.22 बजे आते दिख रहा है। साथ में पीड़ित महिला भी है। दोनों कमरा नंबर-122 में चले जाते हैं। इसके बाद 1.05 बजे कमरे से बाहर निकलता दिखता है। 27 मई

पीड़िता

मुझसे 50 हजार मांगे, नहीं दिए तो केस दर्ज कराया

आरोपी राजवर्धन सिंह परमार ने फोन पर बताया कि 26 मई को दिल्ली में नशा मुक्ति को लेकर एक कार्यक्रम था। मैं घर से निकला और विट्ठल भाई पटेल हाउस पर पहुंचा। यहां वो महिला मिली थी। उन्हें भी इसी कार्यक्रम में जाना था। वो मेरी गाड़ी में बैठ गईं। उन्होंने मुझसे कहा कि मुझे भूख लगी है। मैंने ड्राइवर को बोलकर गाड़ी यूपी भवन पर लगा ली। वहां मैंने 2 लस्सी का ऑर्डर की। लस्सी आने में देरी होने पर हम वहां से बिना कुछ खाए-पिए निकल गए। इसके बाद हम दोनों नशा मुक्ति कार्यक्रम में शामिल हुए अपने गंतव्य को निकाल गए। कुछ देर बाद उस महिला ने मुझे वॉट्सऐप कॉल किया और 50 हजार रुपए मांगे। रुपए न देने पर मुझे रेप केस में फंसाने की धमकी दी और कॉल कट गई। मुझ पर लगे आरोप झूठे हैं। मैं हर प्रकार की जांच और नार्को टेस्ट तक के लिए तैयार हूं। दिल्ली पुलिस ने मुझसे इस केस में अभी तक कोई संपर्क नहीं किया है। राजवर्धन सिंह ने कहा, अगर कुछ गलत हुआ तो महिला ने उसी वक्त यूपी भवन के रिसेप्शन पर ये बात क्यों नहीं बताई? वो मेरे साथ नशा मुक्ति कार्यक्रम में क्यों गई? मैं उस महिला से 25 मई को पहली बार मिला और एक दिन बाद ही 26 मई को उसने मुझ पर आरोप लगा दिए। दिल्ली पुलिस इस केस की निष्पक्ष जांच करे।

की शाम को युवती ने परमार के खिलाफ थाने में शिकायत दी। पुलिस इस मामले में सबूत जुटाने में लगी है। राजवर्धन उन लोगों में शामिल नहीं,

जिन्हें कमरा मिल सके

दिल्ली पुलिस की छानबीन में सामने आया कि यूपी भवन में वारदात के वक्त स्वागत पटल पर राकेश चौधरी और पारस मौजूद थे। इन लोगों ने आरोपी राजवर्धन को कमरा उपलब्ध कराया। बताया जा रहा है कि आरोपी राजवर्धन सिंह परमार उन लोगों की सूची शामिल नहीं है, जिन्हें यूपी भवन में कमरा आवंटित किया जाए।

कमरा सील किया, फोरेंसिक ने सबूत जुटाए

पुलिस ने फोरेंसिक टीम को बुलाकर 122 नंबर कमरे की जांच कराई। मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। फिलहाल, अग्रिम आदेश तक कमरे को बंद कर दिया गया है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि इस दौरान वहां पर मौजूद कर्मचारियों से राजवर्धन ने कहा कि किसी बड़े अधिकारी के लिए कमरे की जरूरत है। इस पर वहां मौजूद कर्मचारियों ने कमरा नंबर-122 खोला था।

जम्मू में हुए बस हादसे पर नीतीश ने जताया दुख, मृतकों के परिजनों को दिए जाएंगे 2-2 लाख

पटना, 30 मई (एजेंसियां)। जम्मू में मंगलवार (30 मई) की सुबह श्रद्धालुओं से भरी एक बस खाई में गिर गई. हादसे में बिहार के 10 श्रद्धालुओं की मौत हो गई. वहीं कई घायल हुए हैं. घटना झज्जर कोटली इलाके की है. यात्रियों से भरी बस अमृतसर से कटरा के लिए जा रही थी कि अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी. इस हादसे पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गहरा दुख व्यक्त किया है. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शोक संतप्त परिवारों को दुख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है. नीतीश कुमार ने इस दुर्घटना में बिहार के रहने वाले मृतकों के आश्रितों को दो-दो लाख रुपये अनुग्रह अनुदान मुख्यमंत्री राहत कोष से देने की घोषणा की है.

दलित और पिछड़ों को मायावती ने किया आगाह, सपा से दूर रहने की अपील

लखनऊ, 30 मई (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने समाजवादी पार्टी पर कड़ा प्रहार किया है. ट्वीट कर उन्होंने दलित और पिछड़े वर्ग के लोगों से अपील की है कि वे समाजवादी पार्टी से सावधान रहें. हमेशा ही समाजवादी पार्टी ने इन वर्गों का नुकसान किया है. विधान परिषद चुनाव में समाजवादी पार्टी की तरफ से उतारे गए दो प्रत्याशियों को लेकर मायावती ने सपा मुखिया अखिलेश यादव पर हमला बोला. उन्होंने यहां तक कहा कि समाजवादी पार्टी की नीति नहीं बदली है. सपा हमेशा दलित पिछड़ों को बदनाम करने की सियासत करती है. बसपा सुप्रीमो मायावती ने ट्वीट किया कि यूपी विधान परिषद की दो सीटों के लिए कल हुए उपचुनाव में, हार निश्चित होने के बावजूद चुनाव में सपा द्वारा दलित व ओबीसी उम्मीदवार को खडा करना, हरवाना और ज्यादा संख्या बल होने पर इनकी अनदेखी करना यह साबित करता है कि इन वर्गों के प्रति सपा की षडयंत्रकारी नीति थोड़ी भी नहीं बदली. सपा व इनकी रही सरकारों के दौरान इनकी ऐसी ही संकीर्ण व घृणित राजनीति से दलितों, अन्य पिछड़ों एवं अक्लियत समाज के लोगों का काफी अहित होता रहा है, इसीलिए आगे ऐसे नुकसान से बचने के लिए इन वर्गों के लोगों को हमेशा बहुत ही सावधान रहने की सख़्त ज़रूरत है, बीएसपी की यह अपील है. बता दें, विधान परिषद चुनावों में भारतीय जनता पार्टी के दोनों प्रत्याशी जीतने में सफल हुए हैं, जबकि समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय लोक दल गठबंधन प्रत्याशियों की बुरी हार हुई है. मायावती ने अखिलेश पर इसीलिए निशाना साधा है कि जब अखिलेश को मालूम था कि उनकी जीत नहीं हो सकती है. प्रत्याशी चुनाव हार जाएंगे तो दलित और पिछड़े वर्ग के प्रत्याशियों से इस समाज को बदनाम करने की क्या जरूरत थी. मायावती ने साफ तौर पर दलित और पिछड़ों को समाजवादी पार्टी से आगाह रहने की सलाह दी है.

समय से पहले ओपीडी बंद करने वाले डॉक्टरों पर होगी कार्रवाई : डिप्टी सीएम

लखनऊ, 30 मई (एजेंसियां)। सरकारी अस्पतालों में अधिकांश देखा जाता है कि जितने भी विशेषज्ञ डॉक्टर होते हैं, वे समय से ओपीडी में नहीं जाते हैं और समय होने से पहले ही ओपीडी बंद करके घर चले जाते हैं. अब ऐसा बिल्कुल भी नहीं चलेगा, क्योंकि तय समय से पहले ओपीडी बंद करने वाले डॉक्टरों पर कार्रवाई होगी. दरअसल, गाजियाबाद के एक चिकित्सालय के वीडियो का डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने संज्ञान लिया है. वीडियो में दिखाया गया है कि 1:30 बजे ही ओपीडी से डॉक्टर गायब हो गए. नतीजतन मरीज बिना इलाज लौट गए. इस पर डिप्टी सीएम ने कड़ी नाराजगी जताई है. पांच डॉक्टरों को नोटिस जारी किया है. सीएमओ को जांच के आदेश दिए हैं.

बच्चियों से रेप मामलों पर हाईकोर्ट चिंतित बोला-बहुंत से मामले नहीं हो रहे रिपोर्ट

प्रयागराज, 30 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में मासूम बच्चियों के साथ रेप और यौन शोषण के मामले बढ़ने पर हाईकोर्ट ने चिंता जाहिर की है. इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अबोध बच्चियों के साथ बढ़ रहे दुष्कर्म के मामलों पर चिंता जताते हुए कहा कि बहुत सारे मामलों की रिपोर्ट नहीं होती है. इस वजह से घटनाएं प्रकाश में नहीं आ पाती हैं. साथ ही कोर्ट बोला कि बच्चे इस कुकृत्य से अनभिज्ञ होते हैं और बलात्कारियों का प्रतिरोध करने में भी सक्षम भी नहीं होते हैं. ऐसे में वे दरिंदो के आसान शिकार होते हैं. हाईकोर्ट ने कहा कि ऐसे आरोपियों को निर्दयतापूर्वक और कठोरतम सजा दी जानी चाहिए. दरअसल, कोर्ट आगरा की दौकी पुलिस स्टेशन में दर्ज हुए एक मामले में सुनवाई कर रहा है. यहां पर एक सात साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म की शिकायत थाने में दी गई थी और इसमें केस दर्ज हुआ है. याची पर सात वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म करने का गंभीर आरोप हैं. हाईकोर्ट में याची ने कहा कि उसे गलत फंसाया गया है, जबकि मेडिकल रिपोर्ट में दुष्कर्म की पुष्टि नहीं हुई है. उधर, सरकारी अधिवक्ता ने जमानत अर्जी का विरोध किया और कोर्ट में कहा कि आरोपी के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य मौजूद हैं. हालांकि, मामले की गंभीरता को देखते हुए हाईकोर्ट के जस्टिस संजय कुमार सिंह ने आरोपी की जमानत खारिज कर दी है.

अगर शेर के पंजे में कांटा फंस जाए तो

बीजेपी विधायक राजू सिंह का आया बयान कहा- मेरा संदेश जरूर पढ़ें

पटना, 30 मई (एजेंसियां)। साहेबगंज क्षेत्र से बीजेपी विधायक राजू सिंह के ठिकानों पर पुलिस ने छापेमारी कर उनकी हरियाणा नंबर की दो गाड़ी जब्त की थी. हालांकि विधायक की गिरफ्तारी नहीं हुई है. आरजेडी नेता तुलसी राय पर हमला और अपहरण के मामले में पुलिस जांच कर रही है. अब बीजेपी विधायक राजू सिंह ने फेसबुक पोस्ट कर अपनी बात कही है. राजू सिंह ने फेसबुक पर पोस्ट किया है और लिखा है कि उनके इस संदेश को जरूर पढ़ा जाए. राजू सिंह ने फेसबुक पर लिखा- मैं रहूं या न रहूं साहेबगंज सुरक्षित रहना चाहिए. साहेबगंज के हक और हुकूक के लिए लड़ना अगर गलत है तो ये गलती बार-बार होगी हजार बार होगी...! साहेबगंज की सम्मानित जनता को मेरा नमस्कार. साहेबगंज के एक-एक व्यक्ति के मान-सम्मान की लड़ाई हम लड़ते रहे हैं! जिसका परिणामस्वरूप हमने स्व. मनन बाबू, भोला बाबू जैसे अभिभावकों को खोया है!

'इसी तुलसी राय ने कर दी थी हत्या'

अपने फेसबुक पोस्ट में राजू सिंह ने आगे लिखा कि- पूर्व मंत्री वृषण पटेल जी जैसे नेता भले भूल गए हों, ऊनके ही पोलिंग एजेंट ठेंगपुर निवासी स्व. ऊधो भगत, वीरेंद्र भगत की बहदीनपुर बूथ पर इसी तुलसी राय ने हत्या कर दी थी. देवरिया के मरहूम शहबान खान, स्वं वीरेंद्र भगत (खाद व्यवसायी), ऊस्ती निवासी स्व. जयनारायण सिंह, स्वं शंभू बाबू, खेमकरणा निवासी रवींद्र सिंह जैसे अनेकों वीरो की शहादत भले उनके परिजन, सगे संबंधी भूल गए हों, मैं नहीं भूलूंगा!

महागठबंधन सरकार पर बोला हमला

मैं आप सबों के बीच क्षेत्र में ही हूं! आप सब के मान-सम्मान और सुरक्षा के लिए ऐसे एक नहीं 1000 रोड छाप गुंडे से भी लड़ना पड़ेगा तो मैं कभी पीछे न रहा हूं न रहूंगा. साहेबगंज के सम्मान और सुरक्षा की लड़ाई में जेल जाना पड़े या सूली चढ़ जाना पड़े, मैं हर अंजाम भुगतने के लिए तैयार हूं. महागठबंधन की जिद्दी सरकार जंगलराज के पुरोधाओं, आकाओं के हठ के आगे नतमस्तक है जिसके कारण मेरे दिल में बसने वाले लोगों को अकारण परेशान करने का यह बिहार की निकम्मी सरकार शपथ ले रखी है!

केरल के सीएम पिनाराई से मिले तेजस्वी यादव

12 जून की बैठक में शामिल होने का दिया आमंत्रण, नीतीश की मुहिम में साथ हैं वामदल

पटना, 30 मई (एजेंसियां)। बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन से मुलाकात की.

तेजस्वी यादव कोझिकोड में पूर्व सांसद वीरेंद्र कुमार की पुण्यतिथि पर आयोजित एक स्मृति सभा में शामिल होने के लिए केरल गए थे. यह स्मृति सभा कटाप्पुरम में एलजेडी राज्य समिति द्वारा आयोजित था. तेजस्वी यादव के साथ आरजेडी के राज्यसभा सांसद मनोज झा भी मौजूद रहे. यहां तेजस्वी यादव ने केरल सरकार के काम की खूब तारीफ की.

उन्होंने केरल के एजुकेशन और हेल्थ सिस्टम की सराहना की. इसके साथ ही तेजस्वी ने 12 जून को होनेवाली बीजेपी विरोधी विपक्षी दलों की बैठक में सीएम पिनाराई विजयन को आमंत्रित किया. तेजस्वी यादव ने कहा कि केंद्र सरकार राज्य सरकार पर हमलावर है. इनका सामना करने के लिए साथ आने की जरूरत है. तेजस्वी यादव ने कहा- कम्युनिस्ट और समाजवादी पार्टियों में बंटे राजनीतिक दलों को अब एक साथ आ जाना चाहिए. समाजवादी पार्टियों और वाम पार्टियों के बीच मतभेद रहे हैं लेकिन देशहित इन्हें एक साथ होना चाहिए

केरल में भी बीजेपी पर निशाना

तेजस्वी ने कहा कि बीजेपी की गरीबों, पिछड़ी जातियों और अनुसूचित जातियों के हित में दिलचस्पी नहीं है. यही वजह है कि वह जातीय गणना का विरोध कर रही है. बीजेपी का बस लोगों के दिल में नफरत बोने का रह गया है. पिनाराई विजयन देश एकलौते कम्युनिस्ट सीएम है. वामपंथी दलों का मात्र केरल में ही शासन है. बताया जा रहा है कि बिहार के सीएम नीतीश कुमार के प्रतिनिधि के तौर पर तेजस्वी यादव ने पिनाराई से मुलाकात की.

इसके बाद अब कहा जा रहा है कि 12 जून को होने वाली बैठक में केरल के सीएम भी शामिल हो सकते हैं. इससे पहलेन नीतीश कुमार ने वाम दलों के नेता सीताराम येचुरी और डी राजा से मुलाकात की थी.

12 जून को होने वाली है पटना में बैठक

दरअसल बिहार के सीएम नीतीश कुमार विपक्षी एकता की कवायद में जुटे हुए हैं. वह लगातार बीजेपी विरोधी दलों की को एक मंच पर लाने की कवायद में. पिछले 9 महीनों में उन्होंने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे, अरविंद केजरीवाल, ममता बनर्जी, अखिलेष यादव, हेमंत सोरेन, नवीन पटनायक और वाम दलों के नेताओं के साथ मुलाकात की.

नीतीश कुमार की विपक्षी एकता की कोशिश रंग लाने लगी है और 19 जून को सभी पटना में एक साथ बैठक कर रहे हैं.

गोरखपुर में दूसरी महिला तांत्रिक की भी मौत

गोरखपुर, 30 मई (एजेंसियां)। गोरखपुर में तंत्र-मंत्र करने वाली उषा देवी (50) की बाइक सवार बदमाशों ने हथौड़े से सिर पर हमला कर हत्या कर दी। वहीं, बचाव में आई उनकी रिश्तेदार सुनकेशी (60) गंभीर रूप से घायल हो गई थी।घायल को मेडिकल कॉलेज के आईसीयू में भर्ती कराया गया था। लेकिन, शाम सुनकेशी ने भी इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घटना चौरीचौरा इलाके के बैकुंठपुर में रविवार सुबह की है। सुनकेशी भी तंत्र-मंत्र करती थी। महिला तांत्रिक के पास देवरिया से अंतिम कॉल आई थी। पुलिस ने 8 लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस का दावा है कि संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है। जल्द वारदात का खुलासा होगा। मामले की शुरुआती जांच में सामने आया है कि कुछ पट्टीदारी और गांव के लोग उषा से तंत्र-मंत्र की वजह से परेशान रहते थे।

बेटियों को सड़कों पर घसीटा जा रहा है

पहलवानों को लेकर बीजेपी पर बरसे अखिलेश यादव

लखनऊ, 30 मई (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी की पुण्यतिथि पर प्रदेश मुख्यालय और विधानसभा भवन परिसर में उनकी प्रतिमा पर पुष्प चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित की. इस अवसर पर अखिलेश ने कहा कि चौधरी चरण सिंह जी ने किसानों, नौजवानों, मजदूरों को जगाने का काम किया. किसानों की खुशहाली के बिना देश का विकास नहीं होगा. हर वर्ग के लोगों ने चौधरी साहब को किसानों का नेता माना. सपा उनके बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लेती है. अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार पिछड़ों, दलितों को संविधान में दिए हक और सम्मान को छीन रही है. उनके साथ अन्याय कर रही है. भाजपा लिटरल एंट्री, आउटसोर्स, और निजीकरण के जरिए पिछड़ों, दलितों को नौकरियों, अवसर और आरक्षण से वंचित कर रही है. यूनिवर्सिटी और कॉलेजों की नियुक्तियों, नौकरी और भर्तियों में हर जगह मनमाने तरीके से अपने चहेतों की भर्ती कर रही है. संविधान और नियमों के अनुसार आरक्षण नहीं दे रही है. बीजेपी पिछड़ों और दलितों से वोट तो लेती है, लेकिन जातीय जनगणना नहीं कराना चाहती है.

बीजेपी ने दिया जनता को धोखा

भाजपा सामाजिक न्याय की विरोधी है. वहीं केंद्र की बीजेपी सरकार के नौ साल पूरे होने पर सपा अध्यक्ष ने कहा भाजपा ने जनता को धोखा दिया. जनता से किए वादे पूरे नहीं किए. भाजपा ने अपने संकल्प पत्र की घोषणाओं को पलटकर नहीं देखा. भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में उत्तर प्रदेश के कितने शहरों में एम्स बनाने का वादा किया था लेकिन अब उसे यह याद भी नहीं होगा. किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई, भाजपा यह भी वादा भूल गई, इसी तरह से स्मार्ट सिटी बनाने के नाम पर झूठ बोला और धोखा दिया. नमामि गंगे के नाम पर हजारों करोड़ के बजट की लूट हो गई.

पहलवानों के प्रदर्शन पर क्या बोले अखिलेश

सपा अध्यक्ष ने कहा, बीजेपी संविधान और कानून की धज्जियां उड़ा रही है. जब वोट लेना था तब बेटी बचाओ का नारा दिया था अब सरकार में हैं तो बेटियों को अपमानित कर रहे हैं, उन्हें सड़कों पर घसीट रहे हैं. पूरा देश देख रहा है कि कुश्ती में मेडल जीत कर देश का मस्तक ऊंचा उठाने वाली बेटियों को भाजपा सरकार अपमानित कर रही है. अगले चुनाव में यही माताएं, बहनें और बेटियां भाजपा को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाएंगी. नीति आयोग की रिपोर्ट में उत्तर प्रदेश शिक्षा, स्वास्थ्य समेत सभी मानकों पर देश के अन्य राज्यों से पीछे हैं. निवेश के नाम पर कई इन्वेस्टर मीट हुए लेकिन कोई इन्वेस्टमेंट जमीन पर नहीं उतरा, कहीं कंपनियां जमीन पर नहीं उतरी.

फसल बर्बाद होने पर यूपी में 2 किसानों ने फांसी लगाकर दी जान

लखनऊ, 30 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से एक किसान की फसल बर्बाद हो गई. ऐसे में किसान फसल नुकसान का सहन नहीं कर पाया और उसने फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली. इस घटना से पूरे गांव में सनसनी फैल गई है. परिजनों का रो- रोकर बुरा हाल हो गया है. सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है. जबकि, शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, मामला सकीट थाना क्षेत्र के कुंजपुर गांव है. मृतक की पहचान 35 वर्षीय असवेंद्र के रूप में हुई है. वह खेती बारी का काम करता था. कहा जा रहा है कि बारिश और ओलावृष्टि से उसके गेहूं के गट्ठर सड़ गए थे. उससे बहुत अधिक आर्थिक नुकसान हुआ, जिसे वह बर्दाशत नहीं कर पाया और फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. परिजनों का कहना है कि उसे अपनी आजीविका को लेकर चिंता में था. यही वजह है कि उसने अपनी जिन्दगी समाप्त कर ली.

मुख्तार अंसारी की बहू निकहत बानो को नहीं मिली जमानत, अभी जेल में ही रहना होगा

लखनऊ, 30 मई (एजेंसियां)। बाहुबली माफिया मुख्तार अंसारी के परिवार की मुसीबतें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ पीठ से मुख्तार अंसारी की बहू निकहत बानो को झटका लगा है। हाई कोर्ट ने मुख्तार अंसारी के बेटे विधायक अब्बास अंसारी की पत्नी निकहत बानो की जमानत याचिका खारिज कर दी है। निकहत बानो फिलहाल जेल में बंद है। निकहत बानो को मुख्तार अंसारी के बेटे विधायक अब्बास अंसारी से चित्रकूट जेल में अवैध तरीके से मुलाकात करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। निकहत बानो को जिले की पुलिस अधीक्षक ने रंगे हाथ पकड़ा था। निखत पर गवाहों को धमकाने, रंगदारी वसूलने की साजिश का भी आरोप है। चित्रकूट जिला जेल में 10 फरवरी को जिलाधिकारी अभिषेक आनंद और पुलिस अधीक्षक वृंदा शुक्ला ने छापा मारा था। निकहत बानो और उसके ड्राइवर नियाज अंसारी को रंगे हाथ पकड़ा गया था। निकहत बानो की गिरफ्तारी के बाद पुलिस को कुछ चौंकाने वाली जानकारियां भी मिलीं थीं। छानबीन में पता चला कि मनी लॉन्ड्रिंग के एक केस में चित्रकूट जेल में बंद अब्बास अंसारी से मिलने निकहत नियमित तौर आती थी। इस पूरे खेल में जेल प्रशासन की मिली भगत भी सामने आई है। निकहत जेल में आने के बाद जेलर के बगल वाले कमरे में पति अब्बास अंसारी के साथ एकांत में 3-4 घंटे बिताती थी। डीएम और एसपी के छापे में पकड़ी गई निकहत के पास से मोबाइल फोन भी बरामद हुआ था। जेल में निकहत के साथ समय बिताने के दौरान अब्बास इसी फोन का इस्तेमाल करके गवाहों को धमकाता था। मामले में जेल अधीक्षक अशोक सागर के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की गई थी। जेलर संतोष कुमार, डिप्टी जेलर पीयूष पांडेय और वॉर्डन रैंक के 5 कर्मचारियों को भी सस्पेंड किया गया था। जेल के अंदर अब्बास अंसारी और उसकी पत्नी निकहत बानो की नियमित मुलाकात के बारे में जेल अधिकारियों और जेल कर्मियों को सब पता था। ये सारा खेल मिलीभगत से हो रहा था। निकहत बानो की जेल के अंदर एंट्री को मुलाकात रजिस्टर में दर्ज नहीं किया जाता था और इसके बदले में पैसे लिए जाते थे जो सबमें बंटता था।

राजनाथ सिंह ने नाइजीरिया में प्रवासी भारतीयों से किया संवाद

अबुजा, 30 मई (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तीन दिवसीय यात्रा पर रविवार को नाइजीरिया पहुंचे, यहां उन्होंने प्रवासी भारतीयों के साथ संवाद किया। इस दौरान तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और सरकार के प्रगतिशील प्रयासों के कारण वैश्विक मंच पर भारत के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अबुजा में नाइजीरिया के निर्वाचित राष्ट्रपति श्री बोला अहमद टीनूबु के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया। रक्षा मंत्री के प्रतिनिधिमंडल में रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा, हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) और गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) के शीर्ष अधिकारी भी शामिल थे।

अमेरिकी सांसद ने रूसी सैनिकों की मौत पर जताई खुशी

रूस ने जारी किया अरेस्ट वारंट, कहा- ऐसा सांसद होना अमेरिका के लिए शर्मनाक

मॉस्को, 30 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी सांसद लिंड्से ग्राहम ने रूस-यूक्रेन जंग में रूसी सैनिकों की मौत पर खुशी जताई है। इस बात से नाराज होकर रूस ने उनके खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी कर दिया है। दरअसल, ग्राहम ने शुक्रवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने कहा- अमेरिका ने जंग में यूक्रेन की मदद के लिए पैसे देकर सबसे अच्छा काम किया है। इससे रूसी सैनिकों की मौत हो रही है।

ग्राहम साउथ कैरोलिना स्टेट से रिपब्लिकन पार्टी के सांसद हैं। रूसी सैनिकों की हत्या से जुड़े इनके बयान पर रूस की इन्वेस्टिगेशन कमेटी ने जांच के आदेश दिए थे। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा था- किसी देश के लिए इससे ज्यादा शर्म की बात और कोई नहीं हो सकती कि उनके पास ग्राहम जैसे सांसद हों। वारंट पर अमेरिकी सांसद ने कहा कि वो इसे 'बैज ऑफ ऑनर' यानी सम्मान में दिए गए बैज के तौर पर पहनेंगे।

ग्राहम बोले- यूक्रेन की आजादी तक उसके साथ खड़ा रहूंगा

रूस ने ये नहीं बताया कि किन आरोपों के तहत ग्राहम के खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी किया गया है। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने अमेरिकी सांसद के बयान का पूरा वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया। इसमें ग्राहम कहते हैं कि जंग की शुरुआत में कई देशों को लगा था कि यूक्रेन रूस के आगे 3 दिन भी नहीं टिक पाएगा। लेकिन अब जंग में रूसी सैनिकों की मौत हो रही है। वारंट जारी होने के बाद लिंड्से ग्राहम ने कहा- मुझे खुशी है कि यूक्रेन की तरफ मेरी प्रतिबद्धता को देखकर रूस को गुस्सा आ रहा है।

ग्राहम बोले- मैं तब तक रूस के साथ खड़ा रहूंगा जब तक उसे आजादी नहीं मिल जाती और जब तक रूस के हर एक सैनिक को

यूक्रेन की जमीन से बाहर नहीं निकाल दिया जाता। रूसी सत्ता में मौजूद जो लोग मुझे गिरफ्तार करना चाहते हैं, मैं उन्हें ये ऑफर देता हूं कि मैं इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट के अधिकार क्षेत्र द हेग में जाऊंगा। आप यहां आकर अपनी दलीलें पेश कर सकते हैं। अमेरिका के 67 साल के सांसद लिंड्से ग्राहम रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प के करीबी हैं। वो जंग में यूक्रेन के सपोर्टर हैं और कई बार उसके पक्ष में बयान दे चुके हैं। ग्राहम ने पहले भी मॉस्को को जंग में वॉर क्राइम का दोषी ठहराया था। उन्होंने कहा था- ये जंग तभी रुकेगी जब कोई बहादुर रूसी नागरिक पुतिन की हत्या कर देगा। उनके इस बयान से नाराज रूस ने उन पर कई प्रतिबंध लगा दिए थे। इससे पहले, 17 मार्च को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट आईसीसी ने यूक्रेन में वॉर क्राइम के आरोप में अरेस्ट वारंट जारी किया था। उन पर यूक्रेनी बच्चों के अपहरण और डिपोर्टेशन के आरोप लगे हैं। अरेस्ट वारंट जारी करते हुए आईसीसी ने कहा था कि उसके पास यह मानने के लिए उचित आधार है कि पुतिन ने न सिर्फ इन अपराधों को अंजाम दिया, बल्कि इसमें दूसरों की भी मदद की। कोर्ट ने कहा था- पुतिन ने बच्चों के अपहरण को रोकने के लिए अपने अधिकारों का इस्तेमाल नहीं किया। उन्होंने बच्चों को डिपोर्ट करने वाले अन्य लोगों को रोका नहीं, कार्रवाई नहीं की। यूक्रेन के ह्यूमन राइट्स चीफ के मुताबिक, 13 महीने से चल रही इस जंग में अब तक करीब 16 हजार 226 बच्चों को डिपोर्ट किया जा चुका है।

ड्रोन हमले से फिर टूटी मॉस्को की नींद

कई इमारतों को पहुंचा नुकसान, मेयर ने कही ये बात

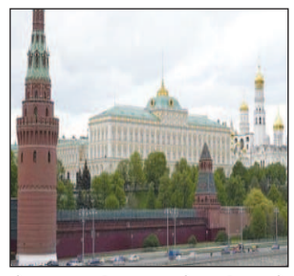

मॉस्को, 30 मई (एजेंसियां)। रूस-यूक्रेन युद्ध करीब एक साल से अधिक समय से चल रहा है। ये दोनों देश एक दूसरे पर लगातार हमला कर रहे हैं। इस बीच, अब रूस की राजधानी मॉस्को में एक ड्रोन हमला हुआ है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि ये हमला किसने कराया है।

मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने बताया कि मंगलवार सुबह मॉस्को में ड्रोन से हमला किया गया। इस हमले से कई इमारतों को मामूली नुकसान पहुंचा है। हालांकि, राहत वाली बात ये रही कि इस हमले में कोई भी गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ।

मेयर ने बताया कि हमले में क्षतिग्रस्त हुईं दो इमारतों में रह रहे लोगों को बाहर निकाला गया है और शहर की सभी आपातकालीन सेवाएं घटनास्थल पर मौजूद हैं। वहीं, रूस की एक समाचार एजेंसी ने बताया कि शहर के दक्षिण में मॉस्को की एक इमारत में मौजूद कुछ लोगों को निकाला गया है।

हमले को लेकर मॉस्को के गवर्नर आंद्रेई वोरोब्योव ने भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मॉस्को पर कई ड्रोन से हमला किया गया था, जिन्हें मार गिराया गया। उन्होंने कहा कि अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि ड्रोन से किसने हमला किया था। वहीं, रूस के कई चैनलों की माने तो मॉस्को के बाहरी इलाके में चार से 10 ड्रोन को मार गिराया है।

ब्रिक्स बैंक को सऊदी अरब की जरूरत है या सऊदी अरब को ब्रिक्स बैंक की?

रियाद, 30 मई (एजेंसियां)। न्यू डेवलपमेंट बैंक में शामिल होने के सिलसिले में सऊदी अरब ने बातचीत शुरू की है। न्यू डेवलपमेंट बैंक को ही पहले ब्रिक्स बैंक कहा जाता था। इसका मुख्यालय चीन के शहर शंघाई में है। इस बैंक की स्थापना विश्व बैंक की तर्ज पर की गई है। अगर सऊदी अरब इसमें शामिल होता है, तो वह उसका नौवां सदस्य होगा।

ब्रिटिश अखबार फाइनेंशियल टाइम्स में छपी एक खास रिपोर्ट के मुताबिक सऊदी अरब शामिल हुआ, तो ब्रिक्स बैंक के लिए धन इकट्ठा करना आसान हो जाएगा। यूक्रेन युद्ध के कारण रूस के दबाव में आने के बाद ब्रिक्स बैंक के लिए फंडिंग का एक प्रमुख स्रोत कमजोर हो गया है। पिछले सवा साल में बैंक को रूस से मिलने वाले फंड में कमी आई है। यह आम समझ है कि इस बैंक की स्थापना ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका) ने ब्रेटन वुड्स संस्थानों के विकल्प के रूप में की थी। विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष को ब्रेटन वुड्स संस्थान के

रूप में जाना जाता है।

न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) ने फाइनेंशियल टाइम्स से कहा- 'पश्चिम एशिया में हम सऊदी अरब को बहुत अहमियत देते हैं। उसके साथ फिलहाल हमारी लाभ-हानि की गणना आधारित बातचीत चल रही है।'

विश्लेषकों के मुताबिक एनडीबी अभी फंडिंग के अपने स्रोतों की समीक्षा में जुटा हुआ है। मंगलवार और बुधवार को बैंक की सालाना बैठक होने जा रही है। इसमें इस मुद्दे पर खास चर्चा होगी। विश्लेषकों के मुताबिक एनडीबी में सऊदी अरब के शामिल होने की यह खबर उस समय आई है, जब सऊदी अरब चीन के साथ अपने संबंध लगातार मजबूत कर रहा है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने पिछले साल सऊदी अरब की यात्रा की थी। उसके बाद से दोनों देशों के बीच रिश्तों को गहरा करने की प्रक्रिया काफी तेज हो गई है।

एनडीबी की स्थापना 2015 में हुई थी। तब बताया गया था कि इसका मकसद विकासशील देशों में विकास परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता देना होगा। अब तक उसने पांच संस्थापक सदस्य देशों में 96 परियोजनाओं के लिए 33 बिलियन डॉलर की सहायता दी है। बाद में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), मिस्र और बांग्लादेश भी एनडीबी का सदस्य बन गए।

सऊदी अरब एक धनी देश है। इसलिए उसे एनडीबी से सहायता की ज्यादा जरूरत नहीं है। जबकि माना जा रहा है कि उसके शामिल होने से एनडीबी के लिए धन जुटाना आसान हो जाएगा। एनडीबी में रूस की हिस्सेदारी 19 फीसदी है। लेकिन यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से रूस अपनी देनदारी पूरी नहीं कर रहा है। उधर एनडीबी ने रूस में चल रही विकास परियोजनाओं को धन देना फिलहाल रोक रखा है।

एनडीपी के स्वतंत्र मूल्यांकन कार्यालय के महानिदेशक अश्विनी मुथू ने फाइनेंशियल टाइम्स से कहा- 'धन जुटाने के स्रोत तलाशना इस समय सबसे महत्त्वपूर्ण बात है।

हमें संसाधन जुटाने में मुश्किल पेश आ रही है।' लेकिन मुथू ने सऊदी अरब से चल रही बातचीत के बारे में कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

6 साल की लड़की का कातिल कमांडो निकला

इस्लामाबाद, 30 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के स्वात इलाके में स्कूल वैन पर फायरिंग करने वाला स्पेशल फोर्स का कमांडो था। पिछले हफ्ते हुई इस घटना के बारे में नई डीटेल्स सामने आई हैं। फायरिंग में 6 साल की आयशा खान की मौत हो गई थी। 7 दूसरी बच्चियां घायल हैं।

लोकल एडमिनिस्ट्रेशन ने मामले को दबान की काफी कोशिश की। स्वात वही क्षेत्र है, जहां 9 अक्टूबर 2012 को नोबेल पीस प्राइज विनर मलाला यूसुफजई पर तालिबान ने जानलेवा हमला किया था। हालांकि, पिछले हफ्ते जो घटना हुई, उसे पुलिसी आतंकी हमला बताने से बच रही है। ये इसलिए भी हैरान करने वाला है, क्योंकि फायरिंग करने वाले कमांडो आलम खान के कट्टरपंथी संगठन से जुड़े होने के आरोप हैं।

11 साल पहले यह खूबसूरत हिल स्टेशन मलाला यूसुफजई पर हमले की वजह से काफी बदनाम हुआ था। यही वजह है कि पहले तो पिछले हफ्ते की इस घटना को दबाने की कोशिश हुई।

अफगान-ईरान झड़प की वजह पानी

30 साल से 97% हिस्से में सूखा झेल रहा तेहरान, अफगानिस्तान के 79% घरों में जरूरी पानी नहीं

तेहरान/काबुल, 30 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान बॉर्डर पर झड़पों से परेशान अफगान हुकूमत को अब ईरान की सीमा पर भी हिंसक झड़पों का सामना करना पड़ रहा है। रविवार को ईरान-अफगान बॉर्डर पर हुई फायरिंग मे 4 लोग मारे गए। तीन ईरानी सैनिक थे तो एक तालिबान भी मारा गया।

सवाल ये है कि दोनों देशों के बीच जंग के हालात क्यों बने? मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इसकी वजह पानी है। ईरान करीब 30 साल से सूखा झेल रहा है तो अफगानिस्तान के हालात भी जुदा नहीं हैं। यहां भी 79% घरों में रोजमर्रा की जरूरतों के मुताबिक पानी मुहैया नहीं है।

वाटर रिसोर्स टकराव की वजह

'अरब न्यूज' के मुताबिक रविवार को हुई झड़प भले ही अचानक हुई हो, लेकिन लंबे वक्त से दोनों देशों के बीच जल स्रोत यानी वाटर रिसोर्स को लेकर टकराव है। फिलहाल, फायरिंग भले ही रुक गई हो, लेकिन ये

आग फिर कब भड़क जाए, कहा नहीं जा सकता।

झड़प उसी सासुली बॉर्डर एरिया में हुई, जहां हेलमंद नदी बहती है। इसके पानी के बंटवारे को लेकर अफगान-ईरान सरकारों ने 1973 में समझौता किया था। पिछले ही हफ्ते ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने तालिबान को वॉर्निंग दी थी कि उसे इस वाटर ट्रीटी की तमाम शर्तों को मानना होगा।

हेलमंद नदी अफगानिस्तान से ईरान की तरफ जाती है। यह करीब एक हजार किलोमीटर लंबी है। ईरान का पूर्वी इलाका इसी के पानी से प्यास बुझाता है। इसी के पानी से सिंचाई होती है, जो एटमी ताकत हासिल करने की कोशिश में लगे ईरान पर लगी पाबंदियों के असर को कम करती है।

तो अब बात क्यों बिगड़ी

इसके लिए दो साल पीछे जाना होगा। दरअसल, नदी अफगानिस्तान से शुरू होती है। यहां बिजली और पानी की भारी किल्लत है।

अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज तालिबान हुकूमत इस पर बांध यानी डैम बनाना चाहती है। मकसद है कि डैम में स्टोर किए गए पानी से न सिर्फ बिजली बनाई जाए, बल्कि फसलों की सिंचाई का रास्ता भी साफ हो सके।

पाकिस्तान में 'एस्टैब्लिशमेंट' की पीठ पर है अमेरिका का हाथ?

इस्लामाबाद, 30 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के समर्थकों पर सेना और शहबाज शरीफ सरकार के दमन चक्र को क्या अमेरिका का साथ मिला हुआ है? यह सवाल पाकिस्तान के मौजूदा हालात पर पूर्व अमेरिकी राजदूत जालमे खलिजाद की टिप्पणियों पर जो बाइडन प्रशासन की कथित नाराजगी की खबर आने के बाद उठा है।

उच्च पदस्थ अमेरिकी सूत्रों ने अखबार एक्सप्रेस ट्रिब्यून से बातचीत में कहा कि रिटायर्ड राजनयिक खलिजाद किसी मुद्दे पर अपनी राय रखने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन अमेरिका सरकार की राय में पाकिस्तान की सियासी हालत पर उनकी हालिया टिप्पणियां से दोनों देशों के आपसी संबंधों में पेचीदगी आ सकती है।

खलिजाद अफगानिस्तान और

इराक में अमेरिका के राजदूत रह चुके हैं। पूर्व राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप ने अफगान मामलों में उन्हें अपना दूत बना रखा था। खलिजाद ट्विटर पर सक्रिय रहते हैं और हाल में उन्होंने पाकिस्तान की स्थितियों पर कई टिप्पणियां की हैं। इन टिप्पणियों से ऐसी धारणा बनी है कि वे पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान का समर्थन कर रहे हैं। बताया जाता है कि बाइडन प्रशासन का ध्यान तब खलिजाद की टिप्पणियों पर टिका, जब उन्होंने सेनाध्यक्ष जनरल असीम मुनीर सहित पूरे सेना नेतृत्व की कड़ी आलोचना की।

सूत्रों ने एक्सप्रेस ट्रिब्यून को बताया कि बाइडन प्रशासन ने अपनी चिंताएं खलिजाद को बता दी हैं। उनसे कहा गया है कि पाकिस्तान की घरेलू स्थिति के बारे में कुछ कहते वक्त वे सावधानी बरतें। यहां शहबाज शरीफ सरकार समर्थक पर्यवेक्षकों ने कहा है कि उन्हें खलिजाद की टिप्पणियां पहले ही विचित्र महसूस हुईं। इन पर्यवेक्षकों के मुताबिक खलिजाद की कई टिप्पणियों से ऐसा लगा कि वे एक राजनयिक के रूप में नहीं, बल्कि इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के समर्थक के रूप में बोल रहे हैं। अभी यह साफ नहीं है कि बाइडन प्रशासन की सलाह पर खलिजाद कितना अमल करेंगे। खलिजाद को निकटता से जानने वाले लोगों के मुताबिक पूर्व राजदूत ऐसे व्यक्ति नहीं हैं, जिन्हें आसानी प्रभावित किया जा सके। वैसे भी उनका संबंध अमेरिका की रिपब्लिकन पार्टी से है, जो डेमोक्रेटिक पार्टी के मौजूदा प्रशासन की विदेश नीति की आलोचक है। पर्यवेक्षकों के मुताबिक खलिजाद जब अफगान मामलों में उलझे हुए थे, तब उनके तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान खान से निकटता बन गई थी। मुमकिन है कि उसी निकटता के कारण अब वे खुल कर पूर्व प्रधानमंत्री के समर्थन में बोल रहे हों। पाकिस्तान में सत्ताधारी गठबंधन पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) के समर्थक पर्यवेक्षकों का आरोप है कि इमरान खान ने अमेरिकी अधिकारियों के बीच अपनी लॉबिंग तेज कर दी है। संभव है कि खलिजाद की टिप्पणियों का एक कारण यह भी हो।

समलैंगिक संबंध बनाने पर सजा-ए-मौत

एलजीबीटीक्यू के खिलाफ दुनिया का सबसे सख्त कानून पास, बाइडेन ने दी निवेश घटाने की चेतावनी

कमपाला, 30 मई (एजेंसियां)। युगांडा के राष्ट्रपति योवेरी मुसेवनी ने सोमवार को समलैंगिकों के खिलाफ दुनिया का सबसे सख्त कानून पारित किया है। इससे वहां समलैंगिक संबंध बनाने पर अब उम्र कैद से लेकर मौत की सजा तक मिल सकती है। हालांकि युगांडा में सेम सेक्स रिलेशन्स पर पहले भी बैन था, लेकिन इतनी सख्त सजा का प्रावधान नहीं था।

सांसदों ने कानून पारित करते हुए समलैंगिक संबंधों को समाज के मूल्यों के खिलाफ होना बताया है। साथ ही कानून का ठीक से पालन करवाने की शपथ भी ली है। कानून पास होते ही दुनिया भर में इसकी आलोचनाएं शुरू हो चुकी हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने तो युगांडा के कई अधिकारियों और अफसरों पर पाबंदियां लगाने और वहां

अमेरिकी निवेश को कम करने की चेतावनी दी है।

एचआईवी संक्रमित ने संबंध बनाए तो मिलेगी मौत की सजा

युगांडा में नए कानून के मुताबिक 18 साल से कम उम्र के किसी व्यक्ति या एचआईवी संक्रमित के साथ समलैंगिक यौन संबंध बनाने पर मौत की सजा हो सकती है। वहीं, होमोसेक्शुअलिटी को प्रोमोट करने पर 20 साल जेल में रहना होगा।

हालांकि, किसी को सिर्फ गे, लेस्बियन या होमोसेक्शुइल होने पर कोई सजा नहीं होगी। सजा तभी होगी जब वो समलैंगिक संबंधों में शामिल होगा। हालांकि, मुसेवेनी ने सांसदों से 'गंभीर समलैंगिकता' को मृत्युदंड देने वाले प्रावधान से हटाने की सलाह दी थी जिसे सांसदों ने खारिज कर दिया। इसका मतलब है कि बार-बार अपराध करने वालों को मौत की सजा दी जा सकती है। हालांकि युगांडा ने कई साल से मृत्युदंड नहीं दिया है। इससे पहले जब मार्च में राष्ट्रपति के पास ये बिल पारित करवाने के लिए भेजा गया था तो उसमें किसी को गे होने पर भी सजा देने की बात कही गई थी। जिसे राष्ट्रपति ने आपत्ति के बाद हटाया गया था।

अफ्रीका महाद्वीप में केवल युगांडा ऐसा देश नहीं है जहां समलैंगिक संबंधों पर पाबंदियां हों। बल्कि वहां 30 से ज्यादा देशों में सेम सेक्स रिलेशन्स बनाने पर पाबंदियां लगी हैं। 1981 में एचआईवी बीमारी की खोज के बाद से अब तक एड्स वायरस से 8 करोड़ 42 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हो चुके हैं। वर्तमान में एचआईवी संक्रमण के दो तिहाई मामले सिर्फ अफ्रीकी देशों में है। एचआईवी/एआईडीएस की वजह से दुनिया में सबसे ज्यादा मौत साउथ अफ्रीका, बोत्सवाना और मोजम्बिक में हुई हैं। वहीं युगांडा में 2004 के बाद एचआईवी से होने वाली मौतों के मामलों में तेजी से कमी आई है।

दूसरों की मदद करने के चक्कर में फंसा पुजारी

मंदिर के आभूषण गिरवी रखने के आरोप में छह साल की जेल

सिंगापुर, 30 मई (एजेंसियां)। सिंगापुर में एक भारतीय पुजारी को छह साल जेल की सजा सुनाई गई है। दरअसल मंदिर की पुजारी को मंदिर के आभूषण गिरवी रखकर पैसों की गड़बड़ी करने का दोषी पाया गया था। पुजारी ने मंदिर के आभूषण गिरवी रखकर करीब 20 लाख सिंगापुर डॉलर लिए थे। भारतीय मूल के पुजारी कांडासामी सेनापति को सिंगापुर के हिंदू एंडोवमेंट बोर्ड के तहत आने वाले श्री मरिअम्मन मंदिर के पुजारी के तौर पर साल 2013 में नियुक्त किया गया था। घोटाले के सामने आने के बाद 30 मार्च 2020 को कांडासामी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। कांडासामी सेनापति एक भारतीय नागरिक है और कोरोना महामारी के दौर में उसके द्वारा की गई धोखाधड़ी का खुलासा हुआ। दरअसल कोरोना के दौरान मंदिर समिति ने संपत्ति का ऑडिट करने का फैसला किया। इसी ऑडिट में कांडासामी द्वारा की गई धोखाधड़ी का खुलासा हुआ। साल 2014 में मंदिर समिति ने मंदिर के गर्भगृह की चाबियां और कोड नंबर दिया गया था।

इसी गृभगृह में मंदिर का खजाना रखा है, जिसमें 255 गोल्ड ज्वैलरी रखी है, जिनकी कीमत करीब 11 लाख सिंगापुर डॉलर है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सेनापति ने साल 2016 में आभूषण गिरवी रखने शुरू किए थे और 2020 तक यह सिलसिला घोटाले के खुलासे तक जारी रहा। सिर्फ 2016 में ही सेनापति ने 66 सोने के आभूषण गिरवी रखे थे। गिरवी रखकर मिले पैसों में से कुछ सेनापति ने अपने बैंक खाते में रखे और कुछ पैसे भारत स्थित अपने घर भेज दिए। घोटाले के खुलासे के बाद मंदिर समिति ने पुजारी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। फिलहाल मंदिर के सारे आभूषण मंदिर को वापस मिल चुके हैं और मंदिर समिति को कोई नुकसान नहीं हुआ है।

बचाव पक्ष के वकील मोहन दास नायडु ने बताया कि सेनापति, कैंसर के लिए फंड जुटा रहे अपने दोस्त की मदद करना चाहता था। साथ ही भारत में स्थित स्कूल और मंदिरों की मदद करना चाहता था। इसी के लिए उसने मंदिर के आभूषण गिरवी रखकर पैसों का इंतजाम किया लेकिन धीरे धीरे वह इसमें फंस गया।

चीन ने अमेरिका से बातचीत बंद की

डिफेंस सेक्रेटरी के मुलाकात के न्योते को ठुकराया, अमेरिका बोला- चीनी सेना से बातचीत की कोशिश जारी रहेगी

बीजिंग, 30 मई (एजेंसियां)। चीन की सरकार ने अमेरिका के डिफेंस सेक्रेटरी लॉयड ऑस्टिन के मुलाकात के न्योते को ठुकरा दिया है। पेंटागन ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। अमेरिका ने चीन के डिफेंस सेक्रेटरी ली शांगफु को इस हफ्ते सिंगापुर में मुलाकात करने के लिए बुलाया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक चीन फरवरी में जासूसी गुब्बारे पर हुए विवाद के बाद से ही अमेरिका से बात नहीं कर रहा है। पेंटागन के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल पैट राइडर ने कहा कि चीन के मिलिट्री डायलॉग में हिस्सा नहीं लेने के बावजूद हमारी चीनी सेना से बातचीत करने की कोशिश जारी रहेगी। चीन के जिस डिफेंस सेक्रेटरी ली शांगफू को अमेरिका ने मिलने के लिए बुलाया उस पर 2018 में पाबंदियां लगाई थी।

अमेरिका ने ली पर पाबंदियों की घोषणा की वजह रूस से हथियार लेने को बताया था। हालांकि, अब कहा गया है कि ली पर लगाई गई पाबंदियां ऐसी नहीं है कि वो अमेरिका के डिफेंस सेक्रेटरी से न मिल पाएं। वहीं, अमेरिका के सीनियर डिफेंस अधिकारी ने कहा है कि चीन न मिलने के लिए सिर्फ बहाने बाजी कर रहा है। चीन ने अब तक अमेरिका की दर्जनों बातचीत की अर्जियों को खारिज किया है। चीन और अमेरिका के बीच बातचीत किस हद तक बंद हो चुकी है इसका अंदाजा अमेरिकी अधिकारी एली रैटनर के बयान से लगाया जा सकता है। वो कहते हैं- हमें चीन से बातचीत करने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हमें फोन कॉल, मीटिंग्स और डायलॉग को लेकर कोई जवाब नहीं मिल रहा है। रैटनर ने बताया कि चीन दोनों देशों के बीच होने वाली सेक्रेटरी लेवल की बातचीत में हिस्सा लेने पर भी टालमटोल कर रहा है। फरवरी में अमेरिका ने चीन पर स्पाई बैलून के जरिए उनकी जासूसी करने के आरोप लगाए थे। तब से दोनों देशों के बीच तल्खी बढ़ी हुई है। अमेरिका ने 5 फरवरी को चीनी बैलून मार गिराया था और इसका मलबा भी चीन को लौटाने से इनकार कर दिया था।

इजराइल और सऊदी के रिलेशन नॉर्मल होंगे

तेल अवीव/रियाद, 30 मई (एजेंसियां)। इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद के पूर्व चीफ योसी कोहन के मुताबिक, इजराइल और सऊदी अरब के बीच रिश्ते जल्द सामान्य हो सकते हैं। कोहेन ने कहा- मेरे हिसाब से दोनों मुल्कों के बीच नॉर्मल रिलेशन शुरू होने में अब कोई दिक्कत नहीं है। ये बिल्कुल मुमकिन है कि इजराइल और सऊदी एक प्लेटफॉर्म पर नजर आएं। कोहेन ने आगे कहा- दोनों देशों के पास ऐसे नेता हैं जो बिना डरे और परेशान हुए इस तरह के फैसले ले सकते हैं। उन्हें अच्छी तरह पता है कि इन मुश्किल कामों को किस तरह किया जाता है। योसी कोहेन 2016 से 2021 तक मोसाद के चीफ रहे। उनके दौर में इजराइल ने पांच गल्फ कंट्रीज के साथ डिप्लोमैटिक रिलेशन शुरू किए।

गहलोत बोले- पायलट पार्टी में हैं तो मिलकर काम करेंगे?

कहा- मेरे लिए पद मायने नहीं रखता, तीन बार मुख्यमंत्री रहा, काम करने में कसर नहीं छोड़ी

जयपुर, 30 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा, 'अगर वे (सचिन पायलट) पार्टी में हैं तो साथ मिलकर काम क्यों नहीं लड़ेंगे? दरअसल, गहलोत दिल्ली में हैं और मीडिया ने उनसे पूछा था कि क्या उन्हें भरोसा है कि पायलट एकसाथ मिलकर काम करेंगे। जब उनसे काउंटर सवाल किया गया कि उनकी(पायलट) की क्या भूमिका होगी, इस पर गहलोत ने कहा कि भूमिका हाईकमान की होती है। मेरे लिए पद मायने नहीं रखता है। मैं तीन बार मुख्यमंत्री रहा, मैंने काम करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। आज मेरी ड्यूटी है, मैं उस दिशा में काम करूं कि सरकार कैसे रिपीट हो, हाईकमान भी यही चाहता है। मैं जनता के लिए बहुत सारी योजनाएं बनाई हैं, मुझे लगता कि जनता इस इस बार सरकार रिपीट करेगी। वैसे तो जनता ही मां-बात पर है, लेकिन जब लोगों से मिलता हूं तो ऐसा लगता है।

गहलोत बोले- अब मेरी ड्यूटी बनती है कि जो हाईकमान कहे, वह करूं

गहलोत ने मीडिया से कहा, 'मैं खुद कई बार कह चुका हूं कि अब मेरे लिए पद मायने नहीं रखता है। मैं तीन बार सीएम बना हूं, केंद्रीय मंत्री बना हूं। सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी ने मुझ पर इतना विश्वास किया है। तीन बार सीएम बनना मायने रखता है। तीन बार केंद्रीय मंत्री बनना मायने रखता है। आज मेरी ड्यूटी बनती है कि जो हाईकमान चाहे वह मैं करूं, पार्टी को जितवाने के लिए काम करूं, वो मैं कर रहा हूं। मैंने योजनाएं बनाने में और लागू करने में कोई कमी नहीं रखी। हर वर्ग का ध्यान रखा है। अब राजस्थान में चाहे मोदी आएं या अमित शाह आएं, जनता हकीकत जानती है।'

इससे पहले दिल्ली में सोमवार देर रात कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के घर चार घंटे चली बैठकों के दौर के बाद राजस्थान कांग्रेस के झगड़े को सुलझाने पर सहमति बन गई। खरगे के घर सचिन पायलट और अशोक गहलोत को साथ बैठाकर सियासी गिले शिकवे दूर करवाए गए। दोनों से अलग अलग भी बैठक हुई। बाद में संगठन महासचिव केसी वेणुगापोल ने दोनों नेताओं को मीडिया के सामने लाकर एकजुटता से साथ चुनाव लड़ने की घोषणा की थी।

हालांकि कल के सियासी सीजफायर के बावजूद अब भी बहुत से सवाल जस के तस हैं। पायलट की तीन मांगों से लेकर पायलट की सियासी भूमिका तक पर कोई फार्मूला सार्वजनिक नहीं किया है। मीटिंग के बाद कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा-

दोनों नेता एक साथ मिलकर एकजुटता के साथ इस साल होने वाला राजस्थान विधानसभा का चुनाव लड़ेंगे। दोनों ने फैसला हाईकमान पर छोड़ दिया है। राजस्थान में कांग्रेस मजबूत है।

मैराथन बैठक में पायलट मुद्दे के समाधान का क्या फॉर्मूला तय किया गया, इसे उजागर नहीं किया गया। पायलट का अल्टीमेटम 30 मई को खत्म हो रहा था, ऐसे में माना जा रहा है कि हाईकमान ने इस मुद्दे पर निर्णायक हल जरूर निकाला होगा और पायलट को ठोस आश्वासन जरूर मिला होगा।

केसी वेणुगोपाल ने कहा- सोमवार को 4 घंटे विधानसभा चुनाव को लेकर राजस्थान सीएम अशोक गहलोत और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के साथ मीटिंग हुई है। बैठक में तय हुआ कि गहलोत और पायलट मिलकर एक साथ चुनाव लड़ेंगे। गहलोत और पायलट दोनों ने हाईकमान पर डिसीजन छोड़ दिया है।

गहलोत-पायलट मीडिया के सामने आए, मुस्कुराते रहे, कुछ नहीं बोले

खड़गे के घर सोमवार देर रात तक चली बैठक के बाद गहलोत और पायलट केसी वेणुगोपाल के साथ बाहर आए। गहलोत और पायलट दोनों मुस्कुरा रहे थे। वेणुगोपाल ने ही मीडिया से बात की। गहलोत और पायलट केवल मुस्कुराते रहे, बोले कुछ नहीं। वेणुगोपाल के साथ दोनों नेता फिर से खड़गे के घर चले गए।

पायलट की चुप्पी से सवाल

केसी वेणुगोपाल ने सुलह का दावा किया है, लेकिन इसके बाद अभी तक सचिन पायलट ने कोई बयान नहीं दिया है। अब पायलट के बयान का इंतजार है। पायलट की तीनों मांगों और सियासी मुद्दों पर फैसला कांग्रेस अध्यक्ष को करना है। सुलह के फॉर्मूले को उजागर नहीं करके अभी केवल हाईकमान पर फैसला छोड़ने की बात कही है।

पायलट का अल्टीमेटम खत्म होने से पहले सुलह का दावा, लेकिन फार्मूला सीक्रेट

पायलट का अल्टीमेटम 30 मई को पूरा हो रहा था। इससे कुछ घंटे पहले ही पायलट मुद्दे पर सुलह हो गई। हालांकि पायलट ने अल्टीमेटम पर अभी कुछ नहीं बोला है। सचिन ने तीन मांगों को पूरा नहीं करने पर आंदोलन की चेतावनी दी थी। माना जा रहा है कि पायलट अब सुलह के बाद आंदोलन नहीं करेंगे। उधर पायलट की तीन मांगों आर उनके सियासी मुद्दों पर क्या सहमति बनी उसे गुप्त रखा गया है।

पायलट ने 15 मई को दिया था अल्टीमेटम, तीन मांगों पर फैसला हाईकमान करेगा

सचिन पायलट ने पेपर लीक और बीजेपी राज के करप्शन के खिलाफ 11 मई से अजमेर से जयपुर के बीच पैदल यात्रा की थी। 15 मई को यात्रा के समापन पर जयपुर के महापुरा में की गई सभा में पायलट ने तीन मांगें रखकर 15 दिन में उन पर कार्रवाई करने का अल्टीमेटम दिया था।

पायलट ने पूर्ववर्ती वसुंधरा राजे की सरकार के करप्शन पर हाईलेवल कमेटी बनाने, आरपीएससी को भंग कर पुनर्गठन करने और पेपर लीक से प्रभावित बेरोजगारों को मुआवजा देने की मांग रखी थी। तीनों मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी भी दी थी। पायलट के अल्टीमेटम को 30 मई को 15 दिन पूरे हो रहे थे, इससे पहले सुलह हो गई। अब तक तीनों में से किसी मांग को सरकार ने नहीं माना है।

पायलट ने कहा था, मांगें सरकार से जुड़ी हैं, कांग्रेस से नहीं, गहलोत के रुख पर सब निर्भर

सचिन पायलट की तीन मांगें सरकार से जुड़ी हैं। अपनी यात्रा के दौरान भी पायलट ने कई बार कहा था कि उनकी मांगों पर सरकार को रास्ता निकालना है, पार्टी को नहीं। सीएम अशोक गहलोत उनकी मुआवजे की मांग को बुद्धि का दिवालियापन कह चुके हैं। मतलब साफ है 15 मई की तीनों मांगों पर दिल्ली की बैठक से पहले गहलोत पूरी तरह मुखर होकर असहमत थे। गहलोत ने तो कल की बैठक से पहले ही सुलह फार्मूला होने पर ही सवाल उठाते हुए पायलट पर तंज कस दिया था। अब सुलह बैठक के बाद गहलोत का पायलट की मांगों पर क्या रुख रहेगा, यह उनके बयान के बाद ही साफ होगा।

सरकार की वर्षगांठ के लिए मोदी ने क्यों चुना अजमेर?

9 साल में पहली बार ब्रह्मा मंदिर जाएंगे प्रधानमंत्री

जयपुर, 30 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक में हार के बाद बीजेपी की सेंट्रल लीडरशिप का पूरा फोकस अब राजस्थान पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 मई को अजमेर में बड़ी सभा करेंगे। इसी के साथ भाजपा के विधानसभा चुनाव अभियान की शुरुआत हो जाएगी। भाजपा अजमेर की सभा में 2 लाख लोगों से अधिक की भीड़ जुटाने का दावा कर रही है।

प्रदेश संगठन की ओर से इसके लिए हर जिला कार्यकारिणी को कार्यकर्ताओं को जनसभा तक लाने का टारगेट दिया गया है। मोदी इस सभा के जरिए 8 लोकसभा क्षेत्रों की 64 में से 45 विधानसभा सीटों को साधेंगे। इन 45 सीटों में से भाजपा के पास सिर्फ 20 सीटें हैं। बाकी की 25 सीटों में से 20 कांग्रेस, 2 राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) और 3 सीटें निर्दलीयों के कब्जे में हैं।

मोदी की सभा के साथ ही भाजपा देशभर में चलाए जाने वाले महाजनसंपर्क अभियान की शुरुआत भी करेगी। यह अभियान 30 जून तक चलेगा। बीजेपी पूरे एक माह तक मोदी सरकार के नौ साल की उपलब्धियों को लेकर जनता के बीच जाएगी। इसके तहत जिला स्तर से लेकर विधानसभा क्षेत्र और मंडल स्तर पर बीजेपी की सभाओं की सीरीज और जनसंपर्क का बड़ा अभियान चलेगा।

महाजनसंपर्क अभियान के जरिए बीजेपी कोशिश करेगी कि मोदी सरकार के कामों को जनता के बीच पहुंचाकर गहलोत सरकार की 'फ्री बिजली' और 'चिरंजीवी' जैसी योजनाओं से बने माहौल का असर कम किया जाए। इस अभियान को व्यापक स्तर पर चलाने के लिए बड़े नेताओं की संभाग, जिला और मंडल स्तर पर अलग-अलग जिम्मेदारी तय की जा रही है।

ट्रक ने बच्चे का सिर कुचला: परिवार की मदद के लिए काम करता था 13 साल का मासूम, वापस घर जा रहा था

बालोतरा, 30 मई (एजेंसियां)। साइकिल से घर लौट रहे बच्चे को ट्रक ने कुचल दिया। टायर बच्चे के सिर के ऊपर से निकल गया। इससे मौके पर मौत हो गई। घटना मंगलवार 11.47 बजे बालोतरा के वीर दुर्गादास सब्जी मंडी केजीएन किचन कॉर्नर के आगे की है। बालोतरा की शास्त्री कॉलोनी में रहने वाला पारस (13) पुत्र माणकचंद माली सब्जी मंडी के पास ही मेडिकल की दुकान पर काम करता था। दोपहर में साइकिल से घर जा रहा था। इस दौरान पारस के बगल से गुजर रहा ट्रक अचानक घूम गया। सामने कीचड़ होने की वजह साइकिल अनकंट्रोल होकर कीचड़ में गिर गया। ट्रक बच्चे को कुचलता हुआ आगे निकल गया। बालोतरा पुलिस ने बच्चे के शव को कब्जे में लेकर ट्रक को जब्त कर लिया। वहीं, ट्रक ड्राइवर ट्रक को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया। शव को राजकीय नाहटा

अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया गया है।

पारस (13) प्राइवेट पढ़ाई करता था। इसी साल 8वीं कक्षा का एग्जाम दिया था। स्कूल की छुट्टियां होने के कारण परिवार को सपोर्ट करने लिए पड़ोसी की मेडिकल की दुकान पर छोटा-मोटा काम करने लिए जाता था। एक छोटा भाई विनोद (8) और बड़ी बहन पूजा (17) है। मां विकलांग है।

पारस के पिता वीर दुर्गादास सब्जी मंडी में काम करते हैं। वहीं, घटना के लगभग आधे घंटे के बाद एक्सीडेंट की सूचना बच्चे को पिता को मिली। घटनास्थल पर पहुंचे तो बच्चे को मृत देख फूट-फूट कर रोने लगे।

एएसआई राजु राम ने बताया- बच्चे के सिर के ऊपर से टायर निकलने से मौके पर मौत हो चुकी थी। शव कब्जे मे लेकर नाहटा हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवा है। ट्रक को जब्त कर लिया गया है। वहीं, सीसीटीवी और ट्रक के नंबरों के आधार पर आरोपी ड्राइवर की तलाश की जा रही है। प्रत्यक्षदर्शी फिरोज ने बताया- मैं होटल के बाहर खड़ा था। इस दौरान ट्रक का हॉर्न सुनकर बच्चे ने साइड में आने का प्रयास किया। आगे कीचड़ और गड्ढा होने के कारण अनकंट्रोल होकर कीचड़ में गिर गया। ऐसे में ट्रक बच्चे के ऊपर से निकल गया। ड्राइवर ने घटना स्थल पर ही ट्रक को रोक दिया था, नीचे उतरकर पीछे जाकर देखा।

ड्राइवर की लापरवाही ने ली 8 लोगों की जान

डीजल बचाने के चक्कर में बिना स्टार्ट किए ढलान से उतारा ट्रैक्टर, बेकाबू होते कूदा

उदयपुरवाटी, 30 मई (एजेंसियां)। एक नौसिखिया और लापरवाह ट्रैक्टर ड्राइवर 8 लोगों की जान ले बैठा। 29 लोग अस्पताल में मौत से लड़ रहे हैं। डीजल कम जले इसलिए बिना ट्रैक्टर चालू किए ड्राइवर ने पहाड़ी की ढलान पर उतार दिया और जब स्पीड बढ़ने से स्टेयरिंग कंट्रोल नहीं कर पाया तो खुद कूदकर अलग हो गया। करीब 50 महिलाओं और बच्चों से भरी बेकाबू ट्रैक्टर-ट्रॉली ढलान पर पहले बिजली के खंभे से टकराई फिर 100 फीट गहरी खाई में पलट गई।

झुंझुनूं के उदयपुरवाटी इलाके में मनसा माता मंदिर से 1 किलोमीटर दूर सोमवार शाम करीब 6 बजे यह हादसा हुआ था। मृतकों में 6 महिला श्रद्धालु और 2 बच्चे शामिल हैं। इधर, 15 घंटे से यानी मंगलवार सुबह तक भी एसडीआरएफ की टीम खाई में लोगों का रेस्क्यू कर रही है। वहीं, पीएम मोदी ने मंगलवार सुबह ट्वीट करते हुए प्रधानमंत्री राहत कोष से मृतकों के परिवारों को 2 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए सहायता राशि की घोषणा की है। हादसे में घायल 24 लोगों को उदयपुरवाटी सीएचसी और 14 को पौंख सीएचसी पहुंचाया गया। ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार अधिकतर श्रद्धालु उदयपुरवाटी के राजीवपुरा और मणकसास गांव के ग्रामीण थे।

दरअसल, मनसा माता की पहाड़ियों में 24 मई से दुर्गा महायज्ञ चल रहा था। वैसे तो हर दिन भंडारा चल रहा था, लेकिन सोमवार को मां दुर्गा की मूर्ति स्थापना के कार्यक्रम में विशेष भंडारा किया गया था। पचलंगी के नजदीक राजीवपुरा के ग्रामीण ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने

के लिए गए थे। ट्रैक्टर ट्राली में सवार करीब 40-50 महिलाएं और बच्चे चीखने-चिल्लाने लगे। मौके पर किसी भी मोबाइल का नेटवर्क काम नहीं करता है। ऐसे में वहां से कुछ लोग भागकर कार्यक्रम स्थल गए और मदद मांगी। पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास मंत्री राजेंद्र गुढ़ा भी उस कार्यक्रम में मौजूद थे, उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं को बचाव कार्य में लगाया। मंत्री के कार्यकर्ता प्राइवेट गाड़ियों से घायलों को उदयपुरवाटी सीएचसी पहुंचाने लगे। मंत्री ने भी एसडीएम और अन्य प्रशासन को अलर्ट किया। सीएचसी पर उस समय जरूरत के मुताबिक डॉक्टर और नर्सिंग स्टॉफ नहीं था। सबसे पहले डॉ. अरुण शर्मा और डॉक्टर मिनाक्षी शर्मा सीएचसी पहुंचे। उसके बाद डॉक्टर संदीप गुप्ता और अन्य डॉक्टर। चार महिलाओं ने सीएचसी पहुंचते ही दम तोड़ दिया। बाकी का इलाज शुरू कर दिया। मनसा माता मंदिर से वापस आते समय लंबी दूरी तक ढलान है। आते समय अक्सर लोग डीजल बचाने के लिए ढलान में बिना ट्रैक्टर स्टार्ट किए, बिना गियर में डाले ही गाड़ी को चलाते हैं। दुर्घटनाग्रस्त ट्रैक्टर के चालक ने भी यही किया। ट्रैक्टर में गियर नहीं डालने से स्पीड बढ़ी और ट्रैक्टर बेकाबू होकर भागने लगा। ड्राइवर घबराकर कूद गया।

कुछ देर में मंत्री गुढ़ा अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने ट्रैक्टर ट्राली हटवाकर घायलों को खुद की गाड़ी व जानकारों की प्राइवेट गाड़ियों से उदयपुरवाटी और पौंख सीएचसी भेजा। इसके बाद मंत्री उदयपुरवाटी सीएचसी भी पहुंचे।

26 जिलों के लिए तूफान-बारिश का अलर्ट

जोधपुर में स्कूटी सवारों पर गिरा पेड़; तापमान में 12 डिग्री की गिरावट, रातें ठंडी

जयपुर, 30 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में आंधी-बारिश का सिलसिला जारी है। बिगड़े मौसम का सबसे ज्यादा असर जोधपुर, जयपुर संभाग में देखने को मिल रहा है। यहां तेज बारिश और हवा की रफ्तार जानलेवा साबित हो रही है। जोधपुर में मंगलवार सुबह बरसात के दौरान स्कूटी सवारों पर पेड़ गिर गया।

वहीं, मौसम विभाग ने फिर प्रदेश के 26 जिलों में अगले 24 घंटे तेज बारिश और तूफान का अलर्ट जारी किया है। इससे बारिश-तूफान प्रभावित जिलों में लोगों की चिंता बढ़ गई है। इस बीच तीन-चार दिन से हो रही बारिश के कारण न्यूनतम तापमान 15 डिग्री के करीब पहुंच गया है। जबकि दिन के तापमान में 12 डिग्री सेल्सियस की गिरावट रही है।

स्कूटी पर गिरा पेड़, तीन युवक घायल

जोधपुर शहर में मंगलवार सुबह से बारिश का दौर जारी है। यहां के कचहरी रोड़ पर सुबह हुए हादसे में तीन युवक घायल हो गए। दरअसल, सुबह करीब नौ बजे एक पेड़ नीचे से निकल रही स्कूटी पर गिर गया। भीड़भाड़ वाली सड़क पर हुए हादसे से अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने पेड़ के नीचे दबे तीनों युवकों को बाहर निकालकर नजदीक के हॉस्पिटल पहुंचाया। जोधपुर शहर और आसपास के इलाकों में तूफान और बारिश के

कारण काफी नुकसान पहुंचा है।

जयपुर मौसम केंद्र के अनुसार मंगलवार को मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के लिए प्रदेश के 26 जिलों में तेज तूफान और बारिश का अलर्ट जारी किया है। ऐसे में आज भी 70-80KM प्रति घंटे की रफ्तार से तेज अंधड़ आ सकते हैं। इसके साथ ही तेज बारिश के दौरान बिजली भी गिर सकती है। इस बीच बाड़मेर में 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चली। जोधपुर और जैसलमेर में तेज हवा के साथ बारिश हुई।

5 में ऑरेंज, 21 में येलो अलर्ट

जयपुर मौसम केंद्र ने मंगलवार को प्रदेश के जोधपुर, नागौर, जालौर, जैसलमेर और चूरू में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। जहां 50 से 80 किमी की रफ्तार से तूफान के साथ बारिश होने की संभावना है। वहीं अजमेर, अलवर, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, दौसा, धौलपुर, जयपुर, झुंझुनू, करौली, कोटा, सवाई माधोपुर, सीकर, सिरोही, टोंक, उदयपुर, बाड़मेर, बीकानेर, हनुमानगढ़, पाली और श्रीगंगानगर माय येलो अलर्ट जारी किया गया है।

सात साल की बच्ची से रेप के दोषी को सजा

पॉक्सो कोर्ट सवाईमाधोपुर ने आजीवन कारावास टिल डेथ की सजा सुनाई

सवाई माधोपुर, 30 मई (एजेंसियां)। सात साल की नाबालिग का किडनैप कर रेप करने के एक मामले में एक आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। पॉक्सो कोर्ट ने आरोपी को एक लाख 15 हजार रुपए के अर्थदण्ड से भी दंडित किया है।

मामला सवाई माधोपुर का है। विशिष्ठ लोक अभियोजक अनिल कुमार जैन ने बताया कि आरोपी शंकर मीणा उर्फ कुंजीलाल पुत्र बाबूलाल मीणा को सजा सुनाई गई है। 27 जून 2020 को सात साल की नाबालिग का किडनैप कर रेप किया था।

घटना को लेकर नाबालिग के परिजनों ने 28 जून 2020 की आरोपी के खिलाफ बौंली थाने में नाबालिग का किडनैप कर रैप करने का मामला दर्ज करवाया था। मामले में कार्रवाई करते हुए बौंली थाना पुलिस ने शंकर मीणा को 8 जुलाई 2020 को गिरफ्तार किया था। तब से ही आरोपी न्यायिक हिरासत में चल रहा है।

पुलिस ने मामले की जांच कर शंकर मीणा के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट पेश प्रस्तुत की थी। कोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए आरोपी को दोषी माना है। कोर्ट आरोपी शंकर मीणा को दोषी मानकर आजीवन कारावास मत्युपर्यंत (मौत आने तक) की सजा सुनाई है। इसी के साथ ही कोर्ट ने दोषी एक लाख 15 हजार रुपए के अर्थदण्ड से भी दंडित किया है।

जनसंघर्ष यात्रा के बाद पहली बार टोंक आएंगे पायलट

टोंक, 30 मई (एजेंसियां)। पूर्व उप मुख्यमंत्री और टोंक विधायक सचिन पायलट बुधवार को टोंक विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर रहेंगे। अपने दौरे के दौरान पायलट विधानसभा क्षेत्र के लोगों की समस्याएं सुनेंगे। अपनी ही सरकार के खिलाफ जन संघर्ष यात्रा निकालने के बाद पायलट का यह पहला टोंक का दौरा है, जिसमें वह कई कार्यक्रमों में भाग लेंगे।

टोंक विधायक सचिन पायलट ने पिछले दिनों पिछली बीजेपी सरकार के कार्यकाल में हुए भ्रष्टाचार और पेपर लीक मामले में दोषियों के खिलाफ कार्रवाई समेत कई मुद्दों को लेकर अपनी सरकार के खिलाफ अजमेर से जयपुर तक जन संघर्ष यात्रा निकाली थी। इसमें 3 मांगों को लेकर 15 दिनों का अल्टीमेटम दिया था। पायलट का अल्टीमेटम खत्म होने से पहले हाईकमान ने सीएम अशोक गहलोत और सचिन पायलट को दिल्ली बुलाया और करीब 4 घंटे चली बैठक में दोनों के बीच सुलह कराई।

कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने मीडिया से बात करते हुए दोनों के एकजुट होकर चुनाव लड़ने की बात कही थी। पायलट बुधवारको अपने विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर आ रहे हैं। पायलट के इस दौरे को लेकर उनके समर्थक इंतजार कर रहे हैं।

अहमदाबाद से भीलवाड़ा जा रही बस पलटी: बैलेंस बिगड़ने पर डिवाइडर से टकराई, ड्राइवर-कंडक्टर सहित 19 सवारी घायल

भीलवाड़ा, 30 मई (एजेंसियां)। भीलवाड़ा से गुजर रहे नेशनल हाईवे 758 पर मंगलवार सुबह सवारियों से भरी हुई ट्रैवल्स बस डिवाइडर से टकराकर सड़क पर पलट गई। हादसे में बस ड्राइवर और उसका साथी सहित 19 लोग घायल हो गए है। सूचना पर गंगापुर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को हॉस्पिटल पहुंचाया गया। हादसे के बाद करीब एक घंटे तक यातायात बाधित हो गया।

गंगापुर थाना प्रभारी नरेंद्र जैन ने बताया कि नेशनल

हाईवे 758 पर सहाड़ा के पास सुबह राजदीप ट्रैवल्स की बस डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसे में बस का ड्राइवर और उसका साथी गंभीर घायल हुए है। दोनों को उदयपुर रेफर किया गया है। वहीं 17 सवारियों को भी काफी चोट आई है। सभी को गंगापुर हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया है। यह बस अहमदाबाद से भीलवाड़ा की तरफ जा रही थी। आशंका है कि बस के ड्राइवर को नींद की झपकी आ गई थी। इस कार से यह हादसे हुआ है।

15 साल की लड़की से रेप: घर में अकेला पाकर घुसा पड़ोसी, विरोध पर मारपीट कर भागा

जयपुर, 30 मई (एजेंसियां)। जयपुर में 15 साल की लड़की से रेप का मामला सामने आया है। घर में अकेला पाकर आरोपी पड़ोसी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। विरोध करने पर मारपीट कर भाग निकला। मालपुरा गेट थाने में नाबालिग पीड़िता ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के तहत FIR दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एसएचओ (मालपुरा गेट) सतीश चन्द ने बताया कि सांगानेर निवासी 15 साल की लड़की ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। शिकायत में बताया कि पड़ोसी होने के कारण आरोपी का घर पर आना-जाना है। 26 मई को मम्मी-पापा और भाई अपने-अपने जॉब पर चले गए। वह घर पर अकेली रह गई।

चारधाम यात्रा में पहली बार जोशीमठ सूना

जमीन धंसने के डर से यात्री रुक नहीं रहे, टूटे घरों में क्यों लौटे लोग

जोशीमठ, 30 मई (एक्सक्लूसिव डेस्क)। जोशीमठ में रहने वाली सुनैना अपने घर में खड़ी हैं। घर क्या है, खंडहर जैसा नजर आ रहा एक कमरा है। पता नहीं कब गिर जाए। दीवारों पर आधा फीट तक चौड़ी दरारें है। इस साल जनवरी में पहली दरार दिखी थी। फिर पूरा घर दरकने लगा। अफसरों को बताया तो बोले- आपके घर की हालत ठीक नहीं है, पर हम कुछ नहीं कर पाएंगे। दरारें बढ़ने लगीं, तो रातोंरात एक होटल में शिफ्ट कर दिया। सरकार के मुताबिक, सुनैना के घर जैसे जोशीमठ में कुल 1049 घर हैं, जिनमें दरारें आईं हैं। 181 घर अनसेफ जोन में हैं यानी इनमें रहना खतरनाक है। इसकी शुरुआत 5 जनवरी को हुई थी, एक के बाद एक कई घरों में दरारें आने की खबरें आने लगीं।

जोशीमठ चारधाम यात्रा के रूट पर बसा है। यात्री केदारनाथ की ओर जाने से पहले जोशीमठ में ही रुकते थे। 22 अप्रैल से यात्रा शुरू हो चुकी, लेकिन जोशीमठ इससे अलग हो गया है। यात्री यहां रुकने से बच रहे हैं।

जोशीमठ जब दरकना शुरू हुआ था, तब मीडिया में खबरें आ रही थीं, प्रशासन और सरकार अलर्ट पर थे। मुआवजे और मदद की बातें थीं, लेकिन अब 5 महीने बाद क्या हालात हैं। इसी को पडताल करती खबर।

गांधीनगर, पाइका मारवाड़ी, लोअर बाजार, सिंहदार, मनोहरबाग, अपर बाजार, सुनील, परसारी और रविग्राम के घरों में दरारें और बड़ी हो चुकी हैं। कुछ दिन कैंप में रहने के बाद लोग टूटे घरों में ही लौट आए। सरकार ने अब तक पुनर्वास पैकेज के तहत सिर्फ 67 लोगों को मुआवजा दिया है। जोशीमठ के 9 इलाकों में घरों में दरारें आई हैं। इनमें रहने वाले लोगों का कहना है कि सरकार से मुआवजा नहीं मिला, जिन्हें मिला वो इतना नहीं है कि नया घर बना पाएं।

23 साल की सुनैना सकलानी वार्ड नंबर-7 के सुनील एरिया में रहती हैं। ये इलाका जोशीमठ से औली की ओर बढ़ने पर करीब 5 किमी ऊपर की तरफ है। सुनैना बताती हैं कि 'जब घर टूटने की खबरें आई थीं, उससे भी पहले हमारे घर में दरारें दिखने लगी थीं। पापा एसडीएम ऑफिस गए और एप्लिकेशन दी। उन्हें कहा गया कि आपके घर की बुनियाद ठीक नहीं है, हम कुछ नहीं कर पाएंगे।'

'धीरे-धीरे दरारें ज्यादा बढ़ गईं। घर टूटने की हालत में आ गया। 6 जनवरी की रात करीब 11 बजे एसडीएम मैडम हमारे घर आईं। अगले दिन मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शहर में आने वाले थे। रात में ही घर के आसपास बैरिकेडिंग कर दी। पास में पहाड़ी कैफे नाम का होटल है, हमें उसमें शिफ्ट कर दिया।' 'तब बहुत मीडियावाले आए, हमारे घर की फोटो अखबारों में छपीं। लगता था कि घर चला गया, लेकिन कुछ मदद तो मिल ही जाएगी। अब इस पर कोई बात ही नहीं हो रही।'

सुनैना के 3 कमरे का घर रहने लायक नहीं बचा है, लेकिन परिवार मजबूरी में यहां रह रहा है। सुनैना कहती हैं कि 'अब तो

सरकारी कर्मचारी ये तक देखने नहीं आ रहे कि हम इसी घर में रह रहें हैं या कहीं और। हमें दरके हुए मकानों में छोड़ दिया गया है। ये घर कब गिर जाए, भरोसा नहीं है। दरारें पहले के मुकाबले ज्यादा बढ़ गई हैं। हमारी गोशाला में अभी हाल में दरारें आईं हैं।'

सुनैना बताती हैं कि 'मुआवजे में हमें करीब साढ़े 12 लाख रुपए का चेक मिला है, लेकिन सरकार ने जिस हिसाब से घर की कीमत लगाई है, वो हमें मंजूर नहीं है। इसलिए अब तक हमने चेक भुनाया नहीं है। अगर हम 12 लाख ले भी लें, तो इतने में घर बनाना तो दूर, जमीन तक नहीं मिलेगी। हम दूसरी जगह इसलिए भी नहीं जाना चाहते क्योंकि हमारा काम-धंधा तो यहीं हैं

40 कमरों का घर है, अब तक एक रुपया मुआवजा नहीं मिला

नीलम परमार का जोशीमठ के मनोहर बाग इलाके में 3 मंजिला मकान है। घर में करीब 40 कमरे हैं, जो किराए पर दिए हुए थे। जनवरी में नीलम का घर रेड जोन में आ गया। उन्हें घर खाली करना पड़ा। सारे किराएदार चले गए। जनवरी में नीलम के घर में कम दरारें थीं। अब पूरे घर में दरारें हैं, जो वक्त के साथ और बड़ी होती जा रही हैं। नीलम परमार के घर को अनसेफ बताकर प्रशासन ने रेड क्रॉस का निशान बना दिया था, इसका मतलब है कि इस घर में रहना अब खतरनाक है।

दो भाइयों वाले इस परिवार में करीब 10 लोग हैं। प्रशासन ने उन्हें रहने के लिए होटल शैलजा में कमरा दिया है। नीलम ने अपने घर से थोड़ी दूर एक मकान किराए पर लिया है। परिवार दरके हुए घर में भी रहता है। नीलम कहती हैं कि 'हमारा सामान इसी घर में है, खाना भी यहीं बनता है, इसलिए हम यहीं रह रहे हैं। हमारे मकान में पहले कुछ सेंटीमीटर की दरारें थीं, अब एक फीट तक हो गई हैं। सरकार से हमें कोई

मैं तो सरकार से कहती हूं कि अब पूरे परिवार को जहर दे दे, एक झटके में सब खत्म हो जाएगा। दिन-रात आंसू नहीं बहाने पड़ेंगे।

कश्मीरी देवी, जोशीमठ

स्थायी मदद नहीं मिली।'

रोज-रोज कौन आंसू बहाए

नीलम की सास छत पर बैठकर घर से सटे अपने खेतों की ओर देखती रहती हैं। वे कहती हैं, 'जब से ये मुसीबत आई है, खेतों में मोटी-मोटी दरारें आ गई हैं। पिछले हफ्ते अचानक 5 फीट गहरा गड्ढा हो गया, मेरी बहू उसमें गिरते-गिरते बची। हमने इस सीजन में कोई फसल नहीं बोई है। मजदूर खेतों में काम करने को तैयार नहीं है।' कश्मीरी देवी का दर्द ये भी है कि इतना बड़ा घर होते हुए भी बेटों को किराए पर कमरा लेकर रहना पड़ रहा है। वे कहती हैं कि 'मेरे दो बेटे हैं। एक का क्लिनिक है, दूसरे की बर्तन की दुकान है। अब जोशीमठ इतना बदनाम हो चुका है कि यहां चारधाम यात्री नहीं रुक रहे हैं। इससे यहां के लोगों की कमाई खत्म हो गई है। शुरुआत में हम धरना देने जाते थे। 108 दिन तक धरना चला। रोज तहसील दफ्तर के सामने प्रदर्शन किया, लेकिन सब बेकार।' 108 दिन चले जिस धरने का जिक्र कश्मीरी देवी कर रही थीं, वो जोशीमठ संघर्ष समिति ने शुरू किया था। समिति की मांग थी कि पीड़ितों को मदद मिले, उनके रहने का इंतजाम किया जाए और जोशीमठ पर आई मुसीबत का हल निकाला जाए।

समिति के अध्यक्ष अतुल सती बताते हैं कि 'आपदा अभी खत्म नहीं हुई है, कई नए घर हैं, जिनमें हाल के दिनों में दरारें आई हैं। 278 परिवारों को अपनी जगह छोड़नी पड़ी थी। इनमें से कई परिवार फिर से उन्हीं घरों में रहने के लिए मजबूर हैं। ये सरकार की नाकामी है।'

अतुल सती कहते हैं कि 'नई दरारें उस रफ्तार से आते हुए नहीं दिख रही हैं, जैसी जनवरी में थी। इसकी वजह पिछले 5 महीने से एनटीपीसी प्रोजेक्ट का काम बंद होना लग रहा है। अब सुरंग में ब्लास्ट नहीं हो रहे हैं। हालांकि, अप्रैल-मार्च में भरी गई दरारें दोबारा खुल गई हैं।'

जोशीमठ आने से घबरा रहे टूरिस्ट, पहले दरारें चेक करते हैं

जोशीमठ के रहने वाले सोहन सिंह का कामकाज चौपट है। वजह चारधाम यात्रा और औली जाने वाले टूरिस्ट नहीं आ रहे। वे जोशीमठ के नाम से ही डर रहे हैं। सोहन बताते हैं कि 'टूरिस्ट या तो जोशीमठ से पहले पीपलकोटी, पांडुकेश्वर में रुक रहे हैं या फिर बद्रीनाथ धाम में होटल ले रहे हैं। लौटते वक्त भी वे सीधे निकल रहे हैं। लोगों ने जोशीमठ में जमीन धंसने की इतनी खबरें सुन ली हैं, वे इस जगह को सेफ नहीं मान रहे हैं। कुछ टूरिस्ट आ रहे हैं तो वे भी होटल चेक करते हैं कि कमरों में दरारें तो नहीं है।'

डीएस पंवार होटल हिमगिरी के मालिक हैं। वे बताते हैं कि 'जोशीमठ को लेकर लोगों में दहशत है। प्रशासन को यहां के बारे में पॉजिटिव माहौल बनाना चाहिए था, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। शहर में पार्किंग की बहुत दिक्कत है। दूसरी तरफ कई होटलों में सरकार ने राहत शिविर कैंप बनाए हुए हैं, इस वजह से भी यात्री नहीं रुक पा रहे।'

जोशीमठ के मेन मार्केट में गुरताल सिंह का रेस्टोरेंट है। लंच टाइम है, लेकिन उनका होटल खाली है। एक कस्टमर नहीं। गुरताल सिंह कहते हैं कि चारधाम यात्रा के वक्त पहले जोशीमठ में भीड़ रहती थी। तब और अब में जमीन-आसमान का फर्क है।'

जोशीमठ में होटल चलाने वाले गुरताल सिंह सीजन के बावजूद कस्टमर का इंतजार कर रहे हैं। वे कहते हैं कि पिछले साल के मुकाबले इस साल बिजनेस 75% तक कम हो गया है।

अब तक 67 परिवारों को 17.65 करोड़ रुपए मुआवजा

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, जोशीमठ में अब तक 1049 घरों में दरारें आई हैं। पुनर्वास पैकेज के तहत 67 परिवारों को 17.65 करोड़ रुपए दिए गए हैं। 350 लोगों को फौरी राहत और शिफ्टिंग के लिए डेढ़ लाख रुपए दिए गए हैं। इस पर 6.58 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। 65 परिवार अब भी राहत शिविरों में रह रहे हैं।

जोशीमठ में एक साथ कई घर दरकने के बाद केंद्र सरकार की 8 संस्थाओं को स्टडी के लिए भेजा गया था।

इनमें जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, नेशनल जियोफिजिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट, आईआईटी रुड़की, इसरो, जल संसाधन विभाग शामिल हैं। इन्होंने 10 फरवरी को अपनी रिपोर्ट नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी (एनडीएमए) को भेज दी। रिपोर्ट उत्तराखंड सरकार को भी दी गई है, लेकिन अब तक उसे सार्वजनिक नहीं किया गया है।

अविमुक्तेश्वरानंद बोले- हिंदू राष्ट्र नहीं, रामराज्य चाहिए

हिंदू समाज को तोड़ने की हो रही साजिश, शराबबंदी पर कहा-जनता चाहे तो कर सकती है सरकार

रायपुर, 30 मई (एजेंसियां)। जोशी मठ के पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद 3 दिन के रायपुर दौरे पर हैं। एक बार फिर उन्होंने दोहराया कि हमें हिंदू राष्ट्र नहीं चाहिए, बल्कि हम रामराज्य की कामना करते हैं। इसके अलावा उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर कहा कि अगर वे राजधर्म का निर्वाह करते हैं, तो ये ऐतिहासिक होगा।

अविमुक्तेश्वरानंद सोमवार को बोरियाकला स्थित आश्रम में प्राण-प्रतिष्ठा और विशेष पूजन में शामिल हुए। यहां उन्होंने मीडिया से विभिन्न मुद्दों पर बातचीत की। उन्होंने देश में कुछ लोगों के शंकराचार्य होने के दावों को लेकर कहा कि वैदिक धर्म और वेदों की सुरक्षा के लिए 4 पीठों का निर्माण किया गया। हर पीठ पर शंकराचार्य बने। इसके अतिरिक्त कोई और भी स्वयंभू शंकराचार्य बनकर आए, तो उन्हें सही नहीं माना जा सकता।

हिन्दू समाज को तोड़ने की साजिश

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद

सरस्वती ने कहा कि राजनीति के चलते आदिवासियों को हिंदू नहीं हो, ऐसा कह दिया जाता है। हम शहरों में आकर बस गए, तो इसका मतलब यह नहीं कि हम कभी वनवासी नहीं थे। हमारी जड़ें भी जंगल से जुड़ी हुई हैं। हमें आज भी पेड़ों, फूल-पत्ते, लकड़ियों की आवश्यकता होती है। आज हिंदू समाज को बांटने का प्रयास हो रहा है, लेकिन हम सभी को एकजुट रहना होगा। आदिवासियों को किसी के बहकावे में नहीं आना चाहिए।

भगवान राम के नाम पर हो रही राजनीति पर शंकराचार्य ने कहा कि जो राजा भूखी जनता के दुख को दूर करने का प्रयास करता है, वही असली है, केवल भगवान राम का मंदिर बनाकर उसे साधन के रूप में उपयोग करने से नहीं होगा। हमें यह देखना होगा कि कौन सा राजनीतिक दल भगवान राम को साधन के रूप में इस्तेमाल करता है।

महिला पहलवानों के विरोध-प्रदर्शन पर शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि यदि शिकायत की गई है, तो जांच कराने में समस्या क्या है। जिस सांसद के खिलाफ हमारी बहनें प्रदर्शन कर रही हैं, यदि वह निर्दोष है, तो जांच के बाद साबित हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि एक तरफ तो लोकतंत्र के मंदिर का उद्घाटन हो रहा है, वहीं दूसरी तरफ महिलाओं को घसीटा जा रहा है। यह कैसा लोकतंत्र है! यह दोनों दृश्य हमें स्वीकार नहीं। शराबबंदी को लेकर शंकराचार्य ने कहा कि यदि जनता चाहेगी, तो सरकार की मदद कर शराबबंदी हो सकती है। आज जितने भी अपराध हो रहे हैं, उसमें बहुत बड़ा हाथ शराब का है। यदि अपराध को रोकना है, तो शराबबंदी करनी होगी।

सुरक्षाबलों पर हमले की नक्सलियों की बड़ी साजिश नाकाम

पांच शक्तिशाली आईईडी बरामद

रांची, 30 मई (एजेंसियां)। सुरक्षा बलों ने नक्सलियों की बड़ी साजिश को नाकाम किया है। यहां टोंटो थाना क्षेत्र के तुम्बाहाका गांव के जंगल से जवानों ने सोमवार को बड़ी मात्रा में आईईडी बम बरामद किए हैं। मौके पर बम निरोधक दस्ते (बीडीएस) की टीम ने निष्क्रिय कर नक्सलियों के मंसूबों को नाकाम कर दिया।

पुलिस ने बताया कि जिले में माओवादी विरोधी अभियानों में लगे सुरक्षाकर्मियों को निशाना बनाने के लिए भाकपा (माओवादियों) द्वारा आईईडी लगाए गए थे। हालांकि, सुरक्षा बलों ने जिले के पश्चिमी सिंहभूम जिले में लगाए गए पांच शक्तिशाली इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) का पता लगाकर उनकी योजना पर पानी फेर दिया।

उन्होंने कहा कि तुम्बाहाका गांव के पास एक जंगल से 20 किलो और 12 किलो सहित चार आईईडी बरामद किए गए, जबकि वन क्षेत्र में लगाया गया 5 किलो का आईईडी छोटा कुइरा और मारादिरी गांवों के बीच पाया गया। बम निरोधक दस्ते ने मौके पर पहुंचकर सभी आईईडी को निष्क्रिय कर दिया। एक अधिकारी ने बताया कि जिला पुलिस को मिसिर बेसरा सहित शीर्ष माओवादी नेताओं की मौजूदगी के बारे में सूचना मिली थी। इसी को लेकर, जिला पुलिस ने सीआरपीएफ, कोबरा और झारखंड जगुआर के साथ मिलकर 11 जनवरी से बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू की थी। बता दें, बेसरा पर एक करोड़ रुपये का इनाम है। पुलिस ने कहा कि इस साल जनवरी से भाकपा (माओवादियों) द्वारा किए गए आईईडी विस्फोटों में 10 वर्षीय लड़के और दो बुजुर्ग महिलाओं सहित आठ ग्रामीणों की मौत हो गई और सीआरपीएफ कर्मियों सहित लगभग 20 लोग घायल हो गए थे।

ईडी की बड़ी कार्रवाई

विधायक प्रदीप यादव के साथ-साथ राज्य के 12 ठिकानों पर छापा, दुमका में कांट्रैक्टर के घर पर भी धमक

रांची, 30 मई (एजेंसियां)। ईडी ने एक बार फिर राज्य में बड़ी कार्रवाई की है। कांग्रेस के पोड़ैयाहाट विधायक प्रदीप यादव के साथ- साथ राज्य के 12 जगहों पर ईडी ने छापेमारी की है। मंगलवार की सुबह- सुबह ही ईडी की टीम ने एक साथ इन ठिकानों पर छापेमारी की है।

विधायक के साथ-साथ बिल्डर के यहां भी छापेमारी

ईडी ने जिन ठिकानों पर छापेमारी की है उसमें विधायक प्रदीप यादव के साथ-साथ चेशायर होम रोड में रहने वाले बिल्डर शिवकुमार के ठिकाने पर भी ईडी की टीम पहुंची है। जमीन घोटाले मामले को लेकर ईडी की टीम शिवकुमार के ठिकाने पर छापा मारा है। विधायक प्रदीप यादव के ठिकानों पर ईडी के पहले आय़कर विभाग ने छापेमारी की थी। रेड 4 नवंबर 2022 को आयकर विभाग की टीम ने की थी। उस वक्त भी प्रदीप यादव ने इसे राजनीति से प्रेरित बताया था। इस बार ईडी ने विधायक के ठिकानों पर छापा मारा है। अब तक इस मामले में कोई आधिकारिक बयान विधायक की तरफ से नहीं आया है और ना ही ईडी ने इस रेड को लेकर कोई बयान जारी किया है।

ईडी दुमका में भी छापेमारी कर रही है। यह छापेमारी पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के दो बड़े कांट्रैक्टर के घर चल रही है। जिनके नाम अजय कुमार झा उर्फ मिकी और विनोद लाल है। जांच एजेंसी इनके यहां कागजात खंगाल रही है। कांट्रैक्टर विनोद कुमार लाल नगर परिषद दुमका के निवर्तमान उपाध्यक्ष हैं। वहीं अजय कुमार झा की पत्नी श्वेता झा अध्यक्ष रह चुकी हैं।

प्रदीप यादव के करीबी ईडी के निशाने पर

प्रदीप यादव के कई करीबी लोग भी ईडी की रडार में है। मिली जानकारी के अनुसार ईडी आय से अधिक संपत्ति के मामले में यह छापेमारी कर रही है। कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव के करीबियों के यहां छापेमारी की जा रही है। बताया जा रहा है कि 4 नवंबर 2022 को आयकर विभाग की टीम की रेड के बाद एक रिपोर्ट तैयार की गयी थी। यही रिपोर्ट ईडी को भेजा गया जिसके आधार पर ईडी ने आज यह छापेमारी की है।

पहले आयकर विभाग ने भी की थी छापेमारी

आयकर विभाग ने 4 नवंबर 2022 को कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव के साथ-साथ बेरमो विधायक कुमार जयमंगल सिंह उर्फ अनूप सिंह के ठिकानों पर छापेमारी की थी। आईटी ने प्रदीप यादव के रांची और गोड्डा स्थित आवास और अनूप सिंह के बेरमो और रांची स्थित सरकारी आवास में छापेमारी की थी।. इस रेड में कई लोग निशाने पर हैं। बताया जा रहा है कि ईडी प्रदीप यादव के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में लंबे इंतजार और पूरी तैयारी के साथ आयी है।

आंधी-तूफान चलने की चेतावनी

आने वाले 2 दिनों में कई जिलों में चलेगी तेज हवा, गरज-चमक के साथ पड़ेंगी बौछारें

रायपुर, 30 मई (एजेंसियां)। मौसम विभाग ने अगले तीन घंटे के लिए प्रदेश के कुछ जिलों में आंधी-तूफान चलने की संभावना जताई है। बस्तर, बीजापुर, दंतेवाड़ा और कोंडागांव में इसका असर देखने को मिल सकता है। दोपहर 2 से शाम 5 तेज हवाएं चल सकती हैं। आने वाले 2 दिनों में कई जिलों में भी तेज आंधी और हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। मंगलवार को शाम होते-होते तेज धूप से तेज हवाएं राहत देंगी। कुछ जगहों पर आकाशीय बिजली गिरने के आसार जताए गए हैं। पिछले 24 घंटों में प्रदेश के मौसम में बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। राजधानी रायपुर में मंगलवार को भी मौसम में बड़े बदलाव की आशंका कम है। मौसम वैज्ञानिक एचपी चंद्रा के मुताबिक रायपुर में गर्मी 1 से 2 डिग्री बढ़ सकती है। रायपुर शहर में अधिकतम तापमान 41 डिग्री और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री रहने की संभावना है।

मौसम विभाग के मुताबिक आगामी 2 दिनों में प्रदेश के कुछ जिलों में के मौसम में बदलाव आएगा। मंगलवार को कोरिया, सूरजपुर, बलरामपुर, जसपुर महासमुंद, धमतरी, गरियाबंद कोंडागांव, बस्तर, दंतेवाड़ा सुकमा, बीजापुर, नारायणपुर जैसे जिलों में तेज हवाएं चल सकती हैं। इसी तरह 31 मई बुधवार को राजनांदगांव, रायपुर, दुर्ग, महासमुंद, गरियाबंद, धमतरी कांकेर, कोंडागांव, बस्तर में तेज हवाएं चलेंगी।

1 जून गुरुवार के दिन महासमुंद, गरियाबंद, धमतरी जैसे जिलों में तेज हवा के साथ बिजली गिरने की संभावना जताई गई है।

रेप पीड़िता की मां बोली- राहत मिली, न्याय नहीं मिला

बिलासपुर, 30 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में टीआई की एक लापरवाही ने पूरे पुलिस महकमे को बदनाम कर दिया और रिश्वतखोरी जैसे गंभीर आरोप झेलने पड़े। प्रदेश में रेप केस में पहली बार हुए काउंटर एफआईआर में एसडीओपी की संदिग्ध भूमिका भी सामने आई है। जांच रिपोर्ट के आधार पर एसपी संतोष सिंह ने लापरवाही बरतने वाले टीआई को सस्पेंड कर दिया है। वहीं, एसडीओपी को नोटिस जारी किया गया है। पुलिस अब इस काउंटर एफआईआर पर क्लोजर रिपोर्ट सौंपने की तैयारी में है। रतनपुर क्षेत्र में रहने वाली एक दुष्कर्म पीड़िता युवती ने पुलिस की कार्रवाई को लेकर विरोध जताते हुए गंभीर आरोप लगाए थे। उसके मुताबिक, उसके साथ एक युवक ने रेप किया था। पुलिस ने जुर्म दर्ज कर युवक को जेल भेज दिया। इधर युवक के परिजन उस पर समझौते के लिए दबाव बना रहे थे। युवती के इनकार करने पर परिजनों ने उसकी मां पर 10 साल के बच्चे के साथ अप्राकृतिक कृत्य करने का आरोप लगाकर एफआईआर दर्ज करा दिया। पुलिस ने भी मामले की स्पष्ट जांच नहीं की और उसकी मां पर केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार भी कर लिया। रेप जैसे गंभीर मामले में पुलिस ने जिस तरह से काउंटर केस दर्ज किया और दुष्कर्म पीड़िता की मां को जेल भेज दिया। इसके बाद रतनपुर के साथ ही बिलासपुर में आक्रोश भड़क गया। विश्व हिंदू परिषद सहित सामाजिक संगठनों ने पुलिस के खिलाफ मोर्चा को खोल दिया। रतनपुर बंद करने के साथ ही कलेक्टोरेट का घेराव कर धरना-प्रदर्शन और मशाल जुलूस निकालकर लगातार आंदोलन जारी रखा।

जांच कमेटी ने माना, दुष्कर्म पीड़िता की मां पर हुई गलत एफआईआर

एसपी संतोष कुमार सिंह ने इस केस को गंभीरता से लिया और जांच कमेटी बनाई। उन्होंने कमेटी से सात दिन के भीतर रिपोर्ट मांगी थी। कमेटी ने बीते रविवार को रिपोर्ट एसपी को सौंपी, जिसे सोमवार को कोर्ट में पेश किया गया। महिला को जमानत देने के लिए कोर्ट में यही आधार बना। पुलिस के अफसरों का कहना है कि इस मामले में पुलिस को पूरी तरह से उपयोग किया गया है। बच्चे को लेकर उसकी मां और परिवार के सदस्य पहले रायपुर भी गए और वहां जीरो में एफआईआर दर्ज कराने की कोशिश की। सफलता नहीं मिली तो रतनपुर आए और यहां अंधेरे में रखकर एफआईआर दर्ज कराई।

पुलिस ने जांच में सभी की कॉल डिटेल देखी तो इसका पता चला। लेकिन, टीआई ने इस घटना की जानकारी होने से इनकार कर दिया।

अपने दम पर 90 सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ेगी समाजवादी पार्टी

प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश ने किया ऐलान

रायपुर, 30 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव 2023 को लेकर हर पार्टी अपने स्तर पर जुट गई है। इसी क्रम में समाजवादी पार्टी (सपा) ने आज मंगलवार को हुंकार भरी है। सपा छत्तीसगढ़ के सभी 90 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। छत्तीसगढ़ में किसी भी पार्टी के साथ बिना गठबंधन किए 90 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। पार्टी प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश साहू ने आज मंगलवार को रायपुर प्रेस क्लब में प्रेस कॉन्फ्रेंस लेकर इस संबंध में ऐलान किया।

उन्होंने कहा कि जल्द ही हर जिले में पार्टी कार्यकर्ता सम्मेलन किए जाएंगे। इसमें पार्टी को मजबूत करने और विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज करने के लिए रणनीति बनाई जाएगी। राज्य सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि भूपेश सरकार अपेक्षा के अनुरूप काम नहीं कर रही है। प्रधानमंत्री आवास, शराबबंदी का वादा. संप्रदायिक दंगे में छत्तीसगढ़ियां को टारगेट करना, संरक्षण देना, बेरोजगारी भत्ते पर

अस्वीकार शर्तें, नौकरी और ट्रांसफर में वसूली, 2000 करोड़ का शराब घोटाला, कोयला घोटाला और सरकारी अस्पतालों में चिकित्सा स्तर में गिरावट, महिला अपराधों में वृद्धि आदि मुद्दों पर सरकार से जनता बेहद निराश हैं।

'बीजेपी और कांग्रेस की राजनीति से जनता निराश'

सपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आरक्षण पर बीजेपी और कांग्रेस के राजनीति करने से जनता निराश है। पार्टी राज्य को ईमानदार, स्थानीय नेतृत्व दिलाएगी। संख्या के आधार पर विधानसभा में विधायक चुनकर भेजेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि छत्तीसगढ़ में सबसे गंभीर समस्या भ्रष्टाचार, महंगाई और संप्रदायिक तनाव चरम सीमा पर है। समाजवादी पार्टी उक्त मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाएगी। जनता को ऐसी सरकार से निजात दिलाएगी। समाजवादी पार्टी ने आज राज्य कार्यकारिणी का गठन किया है। इसमें कोरबा से प्रधान महासचिव शैलेंद्र यादव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर गयूर सिद्दीकी दुर्ग, महासचिव मनीष श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष केशव वर्मा की नियुक्ति की गई है। शेष कार्यकारिणी के पदों पर जल्द ही नियुक्ति की जाएगी।

70 हजार करोड़ का आईपीएल एक मैच से कमाई 130 करोड़

आईपीएल दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी लीग मगर प्लेयर्स पर खर्च में पीछे

मुंबई, 30 मई (एजेंसियां)। हर साल आईपीएल का बिगुल बजने का इंतजार भारत की लगभग आधी आबादी कर रही होती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपकी इसी बेकरारी ने आईपीएल की कमाई में 12 गुना इजाफा किया है। कमाई किस तरह बढ़ी, इसे यूं समझिए। आईपीएल के मैच टेलीकास्ट के राइट्स की डील 5 साल से 10 साल के लिए होती है। मगर इसे औसत सालाना कमाई में बांटें तो 2008 में आईपीएल ने मीडिया राइट्स बेचकर 820 करोड़ रुपए कमाए थे। 2023 में ये कमाई बढ़कर 9,978 करोड़ रुपए हो चुकी है।

आईपीएल के पैदा होने से पहले ही बीसीसीआई दुनिया का सबसे अमीर क्रिकेट बोर्ड का खिताब पा चुका था। अब बीसीसीआई के लिए आईपीएल सबसे कमाऊ पूत साबित हुआ है।

2006-07 में बीसीसीआई की कमाई 651.81 करोड़ रुपए थी... और 2021-22 में बोर्ड की कुल कमाई 4,360 करोड़ हो गई। इसमें अकेले आईपीएल का योगदान ही करीब 2,200 करोड़ रुपए था। 2019 में आईपीएल की ब्रांड वैल्यू 47,500 करोड़ रुपए थी। ब्रांड फाइनेंस की रिपोर्ट के मुताबिक 2022 में आईपीएल की ब्रांड वैल्यू बढ़कर करीब 70 हजार करोड़ रुपए तक पहुंच चुकी है। एक मैच से कमाई के मामले में आईपीएल अब सिर्फ अमेरिका के एनएफएल से ही पीछे है। एक मैच से व्यूअरशिप, स्पॉन्सरशिप, लाइसेंसिंग और टिकट सेल को मिलाकर आईपीएल करीब 130 करोड़ रुपए कमाता है। हालांकि, प्लेयर्स पर खर्च के मामले में आईपीएल बाकी स्पोर्टिंग लीग्स से अभी काफी पीछे है।

आज आईपीएल किसी भी बड़े कॉरपोरेट घराने जैसी एक इकोनॉमिक मशीन है। इसके संचालन का पूरा अधिकार बीसीसीआई के पास है। आईपीएल की कमाई को तीन हिस्सों में बांटा जा सकता है...

पहला हिस्सा सेंट्रल पूल : सेंट्रल पूल में तीन सोर्स से कमाई आती है। और बंटती भी तीन हिस्सों में है।

दूसरा हिस्सा फ्रेंचाइजी की कमाई: इसमें कमाई के तीन मुख्य जरिये होते हैं। जबकि ये दो हिस्सों में बंटती है। 80% हिस्सा फ्रेंचाइजी को मिलता है।

तीसरा हिस्सा फ्रेंचाइजी फीस : आईपीएल में आने वाली हर टीम का ओनर ऑक्शन के जरिये तय होता है। सबसे ऊंची बोली लगाने वाले को टीम की फ्रेंचाइजी दी जाती है।

ये वन टाइम फ्रेंचाइजी फीस पूरी तरह बीसीसीआई के खाते में जाती है।

मीडिया राइट्स है आईपीएल की कमाई का सबसे बड़ा जरिया

मीडिया और ब्रॉडकास्टिंग राइट्स, यानी आईपीएल के मैचों के टेलीकास्ट करने का अधिकार। मैच के लाइव टेलीकास्ट के अलावा हाइलाइट्स तक सिर्फ वही कंपनी दिखा सकती है जिसके पास मीडिया राइट्स हों।

आईपीएल 2023 के लीग स्टेज में कुल 70 मुकाबले खेले गए। जिन्हें जियो सिनेमा और स्टार स्पोर्ट्स पर करोड़ों लोगों ने लाइव देखा। ये मीडिया राइट्स आईपीएल ऑक्शन के जरिये बेचता है। सबसे ऊंची बोली लगाने वाले को मैच दिखाने के राइट्स मिल जाते हैं।

2008 यानी आईपीएल के पहले सीजन में सोनी इंटरटेनमेंट ने 10 सालों के लिए मीडिया राइट्स हासिल किए थे। इसके लिए सोनी ने कुल 8,200 करोड़ बीसीसीआई को दिए।

कोई भी प्रोडक्ट तब सक्सेसफुल माना जाता है, जब उसकी ऑडियंस बड़ी हो। वो लोगों का अटेंशन खींच रहा हो, फिर इसी अटेंशन के दम पर कंपनियां विज्ञापन देती हैं और कमाई का रास्ता खुल जाता है। क्रिकेट या किसी भी खेल में पैसे का सबसे बड़ा सोर्स अलग-अलग कंपनियों के विज्ञापन ही हैं। जिसकी कीमत मैच की व्यूअरशिप

पर डिपेंड करती है। साल 2008 में आईपीएल के 10.2 करोड़ व्यूअर थे। जो साल 2023 में 40 करोड़ से ऊपर पहुंच गए हैं। आईपीएल को सिर्फ आईपीएल नहीं, टाटा आईपीएल कहा जा रहा है। मतलब लीग से पहले किसी ब्रांड का नाम। जैसे 2008 में डिएलएफ आईपीएल कहा जाता था। इसे ही टाइटल स्पॉन्सरशिप कहते हैं, जिसके लिए कंपनियां बोली लगाकर डील हासिल करती हैं।

साल 2008 में टाइटल स्पॉन्सरशिप के लिए सालाना 50 करोड़ दिए गए थे, वहीं 2023 में ये आंकड़ा सालाना 300 करोड़ से ज्यादा है। टाटा और बीसीसीआई के बीच दो साल की डील हुई है, जिसके लिए कुल 600 करोड़ दिए गए।

टाइटल स्पॉन्सरशिप के अलावा भी कमाई

टाइटल स्पॉन्सरशिप के अलावा ऑफिशियल स्पॉन्सर, अंपायर स्पॉन्सर और स्ट्रैटेजिक टाइम आउट स्पॉन्सर भी होते हैं। जिससे साल 2022 में करीब 270 करोड़ की कमाई हुई। इसके अलावा मैच के दौरान ग्राउंड पर लगने वाले विज्ञापनों से भी बीसीसीआई की कमाई होती है।

फ्रेंचाइजी की कमाई है आईपीएल के अर्थशास्त्र का दूसरा हिस्सा

अभी आईपीएल में 10 टीमें हैं। हर टीम को सेंट्रल पूल से कुछ राशि मिलती है। इसके अलावा ये अपने स्तर पर भी खासी कमाई करते हैं। हर फ्रेंचाइजी अपनी टीम के लोगो वाली जर्सी, कैप, बैग, चश्मे और जूते जैसे सामान बेचते हैं। ये बिक्री ऑनलाइन और कुछ रिटेल आउटलेट्स से पार्टनरशिप में होती है। मगर इससे होने वाली कमाई का खुलासा कोई भी टीम ओनर नहीं करता है। आईपीएल मैच के टिकट का गणित भी हर साल बदलता रहता है

फ्रेंचाइजी की कमाई का दूसरा हिस्सा टिकट सेल से आता है। मैच के दौरान टिकट की कीमत होमग्राउंड वाली टीम तय करती है। इसीलिए टिकट के प्राइस अलग-अलग स्टेडियम और मैच के दौरान बदल जाते हैं। जैसे लीग स्टेज के मुकाबलों की तुलना में फाइनल और क्वालिफाइंग मैच का टिकट ज्यादा महंगा होता है।

कोई भी नई टीम जब आईपीएल का हिस्सा बनती है, इसके लिए फ्रेंचाइजी फीस देनी होती है। ये पूरा प्रोसेस बोली लगाकर होता है, जिसमें अलग-अलग कंपनियां या ग्रुप टीम खरीदने के लिए बिडिंग प्रोसेस का हिस्सा बनते हैं। लेकिन कोई भी इस बिडिंग प्रोसेस का हिस्सा नहीं बन सकता। इसके लिए वही लोग अप्लाय कर सकते हैं, जिनकी वैल्यूवेशन 3,000 करोड़ से ज्यादा होती है। फिर सबसे ज्यादा बोली लगाने वाले को फ्रेंचाइजी दे दी जाती है। जैसे साल 2022 में जब गुजरात टाइटंस और लखनऊ सुपरजायंट्स लीग का हिस्सा बनीं, तो बीसीसीआई के खाते में 12,500 करोड़ जुड़ गए।

साल 2008 में बीसीसीआई ने अलग-अलग शहरों की फ्रेंचाइजी लॉन्च की। जिसके लिए कंपनियों ने बोली लगाई, इसमें सबसे ज्यादा दिलचस्पी मुंबई और चेन्नई के लिए दिखी।

आईपीएल से होने वाली कमाई का बड़ा हिस्सा सेंट्रल रेवेन्यू पूल नाम दिया गया है। जिसमें मीडिया राइट्स और टाइटल स्पॉन्सरशिप के अलावा दूसरे सोर्स शामिल होते हैं। सेंट्रल रेवेन्यू पूल में सबसे बड़ा हिस्सा यानी करीब 50% बीसीसीआई का होता है। वहीं 45% रकम को सभी फ्रेंचाइज में बांटा जाता है। इसके अलावा बचे हुए पैसे को प्राइज मनी और दूसरे खर्चों में इस्तेमाल करते हैं। प्राइज मनी के मामले में भी आईपीएल दुनिया की दूसरी लीग से काफी आगे है। साल 2023 के लिए आईपीएल का प्राइज पूल 46.5 करोड़ का है।

विनर को 20 करोड़ और रनर-अप को 13 करोड़ दिए जाएंगे। वहीं तीसरे और चौथे नंबर की टीम को 7-7 करोड़ रुपए मिलेंगे।

आईपीएल की बढ़ती इकोनॉमी के साथ-साथ प्राइज मनी भी करीब-करीब हर साल बढ़ी। 2020 में कोविड के दौर में कॉस्ट कटिंग के नाम पर बीसीसीआई ने प्राइज मनी आधी कर दी थी।

विनर के लिए प्राइज मनी 2017 में भी 20 करोड़ से घटाकर 15 करोड़ की गई थी। मगर इसका कोई कारण बीसीसीआई ने नहीं बताया था।

आईपीएल का रोमांच खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर डिपेंड करता है। शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों की कमाई भी जबरदस्त है। प्रदर्शन के आधार पर ही ऑक्शन में प्लेयर की कीमत करोड़ों में पहुंच जाती है। इसके अलावा मैच फीस, सैलरी और विज्ञापन से कमाई में भी कई खिलाड़ियों की हिस्सेदारी होती है।

विराट कोहली जब साल 2008 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से जुड़े थे, तो उनको हर साल 12 लाख मिलते थे। आज 2023 में विराट हर साल 15 करोड़ सैलरी लेते हैं। आईपीएल ने भारत ही नहीं, विदेशी खिलाड़ियों के लिए भी रास्ता खोला है।

इसके लिए बीसीसीआई दूसरे देशों के क्रिकेट बोर्ड को खिलाड़ियों की सैलरी का कुछ हिस्सा देती है। बीसीसीआई शुरू होने के दौरान सैलरी का 10% बोर्ड को मिलता था, जिसे 2017 के बढ़ाकर 20% कर दिया है।

क्रिकेट की लीग्स में बीसीसीआई ही नंबर-1

क्रिकेट और इंटरटेनमेंट का ऐसा तालमेल बना कि देश ही नहीं, आईपीएल पूरी दुनिया में लोकप्रिय हो गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दुनियाभर में आईपीएल की व्यूअरशिप 46 करोड़ से ज्यादा है।

बीसीसीआई हाइब्रिड मॉडल के सपोर्ट में नहीं

एशिया कप को लेकर फैसला अब तक नहीं; श्रीलंका और बांग्लादेश भारतीय बोर्ड के समर्थन में

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। बीसीसीआई सचिव और एसीसी अध्यक्ष जय शाह ने आईपीएल फाइनल देखने आए श्रीलंका, अफगानिस्तान बोर्ड के अधिकारियों के साथ एशिया कप को लेकर बातचीत की।

बीसीसीआई सचिव और एसीसी अध्यक्ष जय शाह ने आईपीएल फाइनल देखने आए श्रीलंका, अफगानिस्तान बोर्ड के अधिकारियों के साथ एशिया कप को लेकर बातचीत की।

एशिया कप 2023 के आयोजन को लेकर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के हाईब्रिड मॉडल के सपोर्ट में नहीं है। एशिया कप को लेकर में रविवार को इंडियन प्रीमियन लीग

2023 के फाइनल के दौरान एशियन क्रिकेट काउंसिल के सदस्य बोर्ड की मीटिंग भी हुई। मीटिंग के दौरान कोई निर्णय नहीं निकला।

बीसीसीआई सचिव और एसीसी अध्यक्ष जय शाह ने कहा था कि आईपीएल 2023 का फाइनल देखने बांग्लादेश, अफगानिस्तान और श्रीलंका के अध्यक्ष आएंगे। इस दौरान 2023 एशिया कप की मेजबानी पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

एशिया कप 2023 की मेजबानी पाकिस्तान के पास

बता दें कि इस साल एशिया कप 2023 की मेजबानी का अधिकार पाकिस्तान के पास है। लेकिन बीसीसीआई सुरक्षा कारणों की वजह से पाकिस्तान में टीम इंडिया को भेजने से इंकार कर चुका है। बीसीसीआई ने एशिया कप किसी न्यूट्रल वेन्यू पर कराने को कहा था, लेकिन पीसीबी नहीं माना। इसके बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की ओर से हाईब्रिड मॉडल पेश किया गया जिसके तहत भारत के मैचों का आयोजन किसी दूसरे देश में करवाने का ऑफर दिया गया।

श्रीलंका और बांग्लादेश ने किया था बीसीसीआई का समर्थन

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पीसीबी के इस हाइब्रिड मॉडल को सदस्य देशों (श्रीलंका और बांग्लादेश) ने खारिज कर दिया था। हालांकि एशियन क्रिकेट काउंसिल ने कोई औपचारिक बयान नहीं दिया था।

वहीं श्रीलंका क्रिकेट और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने एशिया कप टूर्नामेंट को पाकिस्तान से बाहर (न्यूट्रल वेन्यू) करने के मामले में बीसीसीआई का समर्थन किया था।

रहाणे के कमबैक पर दिनेश कार्तिक का बड़ा बयान

बोले- 'अगले 6-8 महीने उनके लिए महत्वपूर्ण'

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने आईपीएल 2023 और डोमेस्टिक क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत टीम इंडिया में वापसी की है।

अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने आईपीएल 2023 और डोमेस्टिक क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत टीम इंडिया में वापसी की है। उन्हें अगले महीने होने वाले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिए टीम में जगह दी गई है। उनके इस शानदार कमबैक पर विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने खुशी व्यक्त की है। कार्तिक ने इसके साथ ही उन्हें समझाइश भी दी है।

आईपीएल में रहाणे का दमदार प्रदर्शन

रहाणे को सीएसके ने 2023 मिनी-ऑक्शन में उनके बेस प्राइस पर खरीदा था। बेन स्टोक्स की चोट के बाद उन्हें एक्शन में

बुलाया गया और बल्लेबाजी क्रम में नंबर 3 स्थान को अपना बनाने के लिए आगे बढ़े। मुंबई में जन्मे इस बल्लेबाज ने आईपीएल 2023 में 169.89 की स्ट्राइक रेट से 10 पारियों में 299 रन बनाए हैं। उनकी बल्लेबाजी की स्कील्स को देखकर हर कोई हैरान है।

दि ने श कार्तिक ने कही ये बात

डब्ल्यूटीसी फाइनल से पहले रहाणे अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर वापस आता देख दिनेश कार्तिक ने उनके कमबैक पर आईसीसी को बताया है कि "मुझे लगता है कि उसने अपना जोश वापस पा लिया है। वह अच्छी लय में है, वह अच्छे आत्मविश्वास में है, वह हमेशा भारत के बाहर अच्छा प्रदर्शन करने के लिए जाना जाता है। यह छह से आठ महीने टेस्ट क्रिकेट में उसके करियर के लिए बहुत महत्वपूर्ण होने जा रहा है।"

उन्होंने आगे कहा कि "जब वह वापस आया तो उसने सीएसके के लिए बहुत अच्छा किया। जिस तरह से उसने बल्लेबाजी की है, उसने जो इरादा दिखाया है, उसने दिखाया है कि वह एक अच्छी मानसिकता में है और यह कुछ ऐसा है जो बल्लेबाज के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।"

'बाबर आजम टी-20 में खतरा नहीं...', मोहम्मद आमिर ने दिया बड़ा बयान

इस्लामाबाद, 30 मई (एजेंसियां)। मोहम्मद आमिर ने कहा- मैंने हमेशा कहा है कि बाबर आजम टेस्ट और वनडे में एक महान बल्लेबाज है, लेकिन टी20 में मेरी राय अलग है।

पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर और मौजूदा कप्तान बाबर आजम के बीच पाकिस्तान सुपर लीग के दौरान अनबन की खबरें सामने आई थीं। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) सीजन 8 से पहले आमिर ने कहा था कि बाबर या पुछल्ले बल्लेबाज को गेंदबाजी करना उनके लिए समान होगा। अपने बयान पर आलोचना झेलने के बाद आमिर ने इस पर सफाई दी है।

बाबर मेरा पूर्व मंगेतर नहीं है

जियो न्यूज के शो हसना मना है के दौरान आमिर से एक बार फिर बाबर पर उनके बयान के बारे में पूछा गया। इस पर आमिर ने हंसते हुए कहा- सबसे पहले तो बाबर मेरा पूर्व मंगेतर नहीं है कि मैं उसे पसंद नहीं करूंगा। दूसरा, बाबर पांच साल से खेल रहा है और हमारे बीच कभी तीखी बहस नहीं हुई। हमारे बीच हमेशा एक आपसी समझ है और जूनियर होने के नाते उसने हमेशा मुझे सम्मान दिया है। आमिर ने कहा कि उनकी राय को गलत एंगल दिया गया। उन्होंने कहा- मैंने हमेशा कहा है कि वह टेस्ट और वनडे में एक महान बल्लेबाज है, लेकिन टी20 में मेरी राय अलग है। एक गेंदबाज के रूप में मुझे नहीं लगता कि बाबर टी20 में खतरा है।

पाकिस्तान का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज कहा

इस महीने की शुरुआत में आमिर ने अपने यूट्यूब चैनल पर भी इस मामले पर सफाई दी थी। आमिर ने कहा था- सबसे पहले मैं उन लोगों से पूछना चाहता हूं जिन्होंने इस मामले को गलत तरीके से प्रस्तुत किया है। बाबर ने कहा- मुझे एक इंटरव्यू दिखाओ जिसमें मैंने कहा कि बाबर एक औसत खिलाड़ी या पुछल्ले खिलाड़ी हैं। मेरे सभी इंटरव्यू में मैंने उन्हें पाकिस्तान का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज कहा है। मैं कई जगहों पर कह चुका हूं कि उसकी तकनीक के कारण वनडे और टेस्ट मैचों में उसके खिलाफ गेंदबाजी करना मुश्किल है, तो क्या मैं उसे पुछल्ले बल्लेबाज कहूंगा?

आमिर ने कहा- मेरा कहना था कि चाहे बाबर हो या 11 नंबर का खिलाड़ी, विकेट लेना मेरे लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे टीम को फायदा होता है। उदाहरण के लिए अगर आखिरी 2 ओवर में 12 रन चाहिए और 8 विकेट गिर गए हैं, तो पुछल्ले खिलाड़ी हैं। वे भी खेल रहे हैं? इसलिए उन्हें आउट करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यह मेरी बात थी। मेरे लिए हर विकेट महत्वपूर्ण है चाहे वह बाबर का हो या पुछल्ले बल्लेबाज का।

बैंक से नोट बदल सकते हैं लेकिन विकेट के पीछे एमएस धोनी नहीं बदल सकते : वीरेंद्र सहवाग

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। वीरेंद्र सहवागने मजेदार ट्वीट कर एमएस धोनी की स्टंपिंग की तारीफ की है। सहवाग ने कहा- बैंक से नोट बदल सकते हैं लेकिन विकेट के पीछे एमएस धोनी नहीं बदल सकते!

विकेट के पीछे एमएस धोनी की नजरों से बच पाना नामुमकिन है। इसी का एक नजारा सोमवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए आईपीएल 2023 के फाइनल में नजर आया। चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान एमएस धोनी ने गुजरात टाइटंस के सबसे अहम बल्लेबाज शुभमन गिल को इस तरह आउट किया कि दुनिया दिल हार बैठी। इसी में से एक पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग भी थे। सहवाग ने मजेदार ट्वीट कर एमएस धोनी की स्टंपिंग की तारीफ की है।

सहवाग ने आईपीएल का वीडियो रीट्वीट कर कहा- बहुत खूब! बैंक से नोट बदल सकते हैं लेकिन विकेट के पीछे एमएस धोनी नहीं बदल सकते! नहीं बदल सकते.. हमेशा की तरह तेज एमएस धोनी। सहवाग का ट्वीट उस वक्त चर्चा का विषय बन गया है जब बैंक में 2 हजार के नोट वापस जमा कराए जा रहे हैं क्योंकि आरबीआई ने इन्हें बंद करने का फैसला लिया है।

आईपीएल फाइनल, धोनी की स्टंपिंग और सहवाग का ट्वीट एक बार फिर क्रिकेटप्रेमियों की जुबां पर चढ़ गया है।

ऋषभ पंत समय से पहले हो सकती है टीम इंडिया में वापसी

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। ऋषभ पंत का पिछले साल 30 दिसंबर को कार एक्सीडेंट हो गया था. उस दुर्घटना के बाद उनका बड़ा ऑपरेशन हुआ था. इसके बाद ये तय हुआ था कि उनका दूसरा ऑपरेशन बाद में किया जाएगा.

ऋषभ पंत को लेकर महीनों बाद एक अच्छी खबर ने दस्तक दी है. खबर है कि इस विकेटकीपर बल्लेबाज की जल्दी ही टीम इंडिया में वापसी हो सकती है. ऐसा इस वजह से संभव हो सकेगा क्योंकि उनकी जो दूसरी सर्जरी होनी थी वो अब नहीं होगी. TOI की रिपोर्ट के मुताबिक मेडिकल टीम लगातार ऋषभ पंत की रिकवरी पर नजरें गड़ाए हैं. पिछले 4 महीनों में जिस तरह से उन्होंने रिकवरी की है, उससे डॉक्टरों की टीम खुश भी है.

भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत का पिछले साल 30 दिसंबर को कार एक्सीडेंट हो गया था. उस दुर्घटना के बाद उनका बड़ा ऑपरेशन हुआ था. साथ ही ये तय हुआ था कि उनका दूसरा ऑपरेशन बाद में किया जाएगा.

ऋषभ पंत को अब सर्जरी की आवश्यकता नहीं

हालांकि, अब ऋषभ पंत के रिकवरी प्रोसेस पर नजरें जमाए मेडिकल टीम को लगता है कि उन्हें दूसरी सर्जरी की आवश्यकता नहीं है. उनकी बाकी इंजरी अपने आप ठीक हो जाएगी. डॉक्टरों की टीम हर 15 दिन में एक बार उनकी इंजरी की समीक्षा करती है.

ऐसे ही चली रिकवरी तो जल्दी करेंगे वापसी

बीसीसीआई के सूत्रों ने भी टीओआई को बताया कि ऋषभ पंत की रिकवरी उम्मीद से बेहतर हुई है. ये उसके मनोबल को बढ़ाने वाली भी है. अगर वो इसी तरह रिकवर करते रहे तो तय समय से पहले टीम में वापसी भी कर सकते हैं.

फिलहाल एनसीए में हैं ऋषभ पंत

दिल्ली में अपने घर पर कुछ वक्त बिताने के बाद पंत अब फिर से एनसीए पहुंच गए हैं. सूत्रों ने बताया कि उनका जोश हाई है और वो अब बिना बैसाखी के काफी दूर तक चल भी पा रहे हैं. जल्दी ही वो ट्रेनिंग करते भी नजर आएंगे.

क्या वह जिंदगी भर खेलते रहेंगे, एमएस धोनी के संन्यास को लेकर कपिल देव ने क्यों कही ये बात

मुंबई, 30 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2023 का फाइनल मुकाबला चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान एमएस धोनी का आखिरी मैच होगा? ये सवाल चारों तरफ घूम रहा है। सीएसके का हर एक फैन चाहते है कि धोनी अगला सीजन भी खेलें। लेकिन चर्चा है कि यह धोनी का आखिरी सीजन हो सकता है। अब इस सवाल पर टीम इंडिया के पूर्व कप्तान कपिल देव ने प्रतिक्रिया दी है।

कपिल देव ने धोनी के संन्यास वाले पर सवाल क्या कहा?

एक इंटरव्यू में कपिल देव ने साफ कहा कि 'धोनी पिछले 15 साल से आईपीएल खेल रहे हैं। ऐसे में हम सिर्फ यहां धोनी की ही

बात क्यों कर रहे हैं? उन्होंने अपना काम कर दिया है। हम उनसे और क्या चाहते हैं? क्या हम यह चाहते हैं कि वह जिंदगी भर खेलते रहें, तो यह नहीं होने वाला है।

कपिल देव ने धोनी के योगदान पर कहा कि 'हमें उनका शुक्रगुजार होना चाहिए कि वह 15 साल तक आईपीएल खेले। वह अगले साल खेले या नहीं खेलें, लेकिन उन्होंने जाने से पहले काफी प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। उन्होंने इस सीजन भले ही बड़ा स्कोर नहीं बनाया हो, लेकिन उन्होंने अपनी टीम को फाइनल तक पहुंचाया। इससे यह पता चलता है कि क्रिकेट में कप्तान की क्या अहमियत होती है।'

दरअसल, माना जा रहा है कि चेन्नई के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का प्लेयर के तौर पर यह आखिरी आईपीएल हो सकता है। जब उन्होंने चेन्नई में अपना आखिरी मैच खेला था तो पूरे ग्राउंड के चक्कर लगाकर फैंस का अभिवादन दिया था। धोनी के संन्यास को लेकर अभी तक धोनी या सीएसके फ्रेंचाइजी के तरफ से अभी तक कोई ऑफिसियल स्टेटमेंट नहीं आया है।

'तेलंगाना का विकास मॉडल देश के अन्य राज्यों के लिए मिसाल'

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। यह एक ऐतिहासिक अवसर है कि दस साल पहले 2 जून को तेलंगाना राज्य अस्तित्व में आया और उसी दिन स्वशासन शुरू हुआ। के. चंद्रशेखर राव ने 2 जून 2014 को देश के सबसे युवा राज्य तेलंगाना के पहले मुख्यमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण किया और यह स्वशासन की दिशा में पहला कदम था। तेलंगाना आंदोलन की आकांक्षाएं 2 जून 2023 को नौ साल पूरे कर 10 साल में प्रवेश कर रही हैं। तेलंगाना राज्य ने मुख्यमंत्री केसीआर के दूरदर्शी शासन और प्रगतिशील कल्याण कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों के जीवन में गुणात्मक परिवर्तन देखा है। आज तेलंगाना देश के अन्य राज्यों के लिए विकास और कल्याण का मॉडल बन गया है। यह यात्रा स्वर्णिम तेलंगाना के निर्माण की ओर शुरू हुई जिसने न केवल देश बल्कि मानव समाज को भी कई अच्छी सीख दी।

तेलंगाना द्वारा हासिल की गई प्रगति और विकास इस बात का प्रमाण है कि यदि सरकार लोक कल्याण और विकास के उद्देश्य से काम करती है तो किस तरह के परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। आज प्रदेश में हर वर्ग का व्यक्ति खुशहाल और स्वस्थ जीवन जी रहा है। केसीआर के नेतृत्व में तेलंगाना सरकार के गठन के तुरंत बाद, नई सरकार ने गरीब परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू कीं। 3.5 करोड़ राज्य की आबादी में से 44,12,882 लोगों को हर महीने पेंशन मिल रही है जो देश में कल्याण के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

बीआरएस सरकार ने कई योजनाओं की शुरुआत कर कल्याणकारी क्षेत्र में एक स्वर्णिम युग की शुरुआत की, जिसने पूरे देश को हैरान कर दिया। कल्याण लक्ष्मी (शादी मुबारक), रैतु बंधु, रैतु बीमा, कृषि के लिए 24 घंटे मुफ्त बिजली, केसीआर किट, केसीआर पोषण किट, भैंस वितरण, भेड़ वितरण, मछली बीज वितरण, स्वाभिमान भवन, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति परिवारों को मुफ्त बिजली आपूर्ति, सैलून, ग्राम पंचायत के रूप में जनजातीय थांडा का विकास, उच्च शिक्षा के लिए विदेशी छात्रवृत्ति, एससी, एसटी, बीसी, अल्पसंख्यक, ब्राह्मण, मिशन काकतीय, मिशन भागीरथ आदि सभी वर्गों के लोगों के जीवन में गुणात्मक परिवर्तन लाए। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में, तेलंगाना एक रोल मॉडल के रूप में खड़ा था और केंद्र सरकार और अन्य राज्य देश में समान योजनाओं और कार्यक्रमों का अनुकरण कर रहे हैं। सीएम केसीआर के नेतृत्व में एक स्वशासी राज्य के रूप में तेलंगाना राज्य द्वारा हासिल किया गया विकास देश के लिए एक मार्गदर्शक शक्ति बन गया। तेलंगाना कृषि क्षेत्र ने भारत में कृषि क्षेत्र में एक आदर्श बदलाव लाया है। किसानों द्वारा मुख्यमंत्री को रायथु बंधु के रूप में ब्रांडेड किया जाता है और यह 60 साल के संघर्ष का जवाब है। इसी तरह, तेलंगाना में दलित और आदिवासी तेलंगाना के विकास का लाभ उठा रहे हैं। राज्य सरकार द्वारा क्रियान्वित की जा रही योजनाओं से पिछड़े समुदायों को आर्थिक आत्मनिर्भरता प्राप्त करने में मदद मिली है। तेलंगाना, जिसे "गंगा जमुनी तहजीब" का घर कहा जाता है, अल्पसंख्यक समुदाय देश में कहीं और के विपरीत आत्मविश्वास के साथ प्रगति के पथ पर अग्रसर हैं। तेलंगाना राज्य द्वारा हासिल किए गए अद्भुत परिणाम उन लोगों के लिए प्रमाण हैं जिन्होंने तेलंगाना की प्रगति पर सवाल उठाए थे।

सड़क हादसे में ट्रक चालक की मौत

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को राजेंद्रनगर में प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना राज्य कृषि विश्वविद्यालय के पास एक भीषण दुर्घटना में, एक ट्रक चालक की मौके पर ही मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया, जब ट्रक अनियंत्रित हो गया और एक खड़ी कार से टकरा गया। हालांकि यह संदेह है कि ट्रक चालक को गाड़ी चलाते समय अचानक दिल का दौरा पड़ा, पुलिस ने कहा कि इसकी पुष्टि पोस्टमार्टम के बाद ही होगी। टक्कर लगने से चालक ट्रक के केबिन से बाहर निकलकर दूसरे वाहन की छत पर गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। राजेंद्रनगर पुलिस के अनुसार, आंध्र प्रदेश के कुरनूल का रहने वाला चालक के. नरसिम्हुलु (49) खाद्यान्न से लदे ट्रक के साथ शमशाबाद से मेहदीपट्टनमकी ओर जा रहा था, तभी हादसा हुआ।पुलिस ने कहा कि वह स्टीयरिंग व्हील से नियंत्रण खो बैठा और सड़क किनारे खड़ी कार में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे उसका चालक घायल हो गया।

पूर्व सरकारों द्वारा उपेक्षित पुस्तकालयों के पूर्ण विकास करेगी सरकार : तलसानी

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रदेश के पशुसंवर्धन, मत्स्य, डेयरी विकास एवं छायांकन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि पूर्व की सरकारों द्वारा उपेक्षित पुस्तकालयों को पूर्ण रूप से विकसित कर जनता के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है। मंगलवार को जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र के शेखपेट में 60 लाख रुपये की लागत से बनने वाले नए पुस्तकालय भवन का कार्य विधायक मगंती गोपीनाद के साथ शुरू किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री ने कहा कि पुस्तकालयों का समृद्ध इतिहास रहा है। कहा जाता है कि पुस्तकालयों के प्रबंधन के लिए आवश्यक धन के आवंटन की कमी और सुविधाओं और सुविधाओं की उपेक्षा के कारण पुस्तकालयों में आने वाले लोगों की संख्या में कमी आई है। तेलंगाना सरकार आने के बाद मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के आदेशानुसार उन्होंने कहा कि

शहर के पुस्तकालयों में सभी सुविधाएं और सुविधाएं उपलब्ध करायी जा रही हैं। बताया गया है कि 14 जर्जर एवं किराये के पुस्तकालयों के लिये 9.40 करोड़ रुपये की लागत से आवश्यक मरम्मत एवं नये भवनों का निर्माण कराया जा रहा है। साथ ही सरकार द्वारा संचालित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थियों को आवश्यक अध्ययन सामग्री भी मुख्य पुस्तकालयों में उपलब्ध करायी गयी है। उन्होंने कहा कि सरकार पुस्तकालयों के पूर्ण विकास के लिए आवश्यक धनराशि जारी कर रही है। बताया जाता है कि ये पुस्तकालय आसपास के क्षेत्र के लोगों के लिए काफी फायदेमंद साबित होंगे। उन्होंने कहा कि सरकार लोगों को खुश करने के विचार से कई कल्याणकारी और विकास कार्यक्रम आयोजित करेगी। इस कार्यक्रम में हैदराबाद सिटी लाइब्रेरी एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रसन्ना, सचिव पद्मजा, स्थानीय नेताओं प्रदीप, वेणुगोपाल और अन्य ने भाग लिया।

सचिवालय में 2 जून को राज्य स्थापना दिवस समारोह का शुभारंभ करेंगे सीएम केसीआर

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव 2 जून को डॉ. बी आर अंबेडकर सचिवालय में तेलंगाना राज्य के 10वें स्थापना दिवस समारोह का शुभारंभ करेंगे। समारोह की शुरुआत को चिह्नित करने के लिए मुख्यमंत्री उस दिन सुबह 10.30 बजे ध्वजारोहण करेंगे। राज्य सरकार ने 2 जून से 21 दिनों तक राज्य के स्थापना दिवस समारोह को भव्य पैमाने पर मनाने का फैसला किया है। इस बीच, मंत्री इस दिन जिला मुख्यालयों में इस तरह के उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे।

मार्गदर्शी चिट फंड की 793 करोड़ संपत्ति कुर्क करने के लिए जीओ जारी

अमरावती, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश सरकार ने अपराध जांच विभाग (सीआईडी) के लिए 793 करोड़ रुपये की संपत्तियों को मार्गदरसी चिट फंड प्राइवेट को कुर्क करने के लिए जीओ 104 जारी किया।

इस संबंध में गृह प्रधान सचिव हरीश गुप्ता ने जीओ 104 जारी किया और एमसीएफपीएल की संपत्तियों की कुर्की के लिए एक विज्ञापन-अंतरिम आदेश जारी किया। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, सीआईडी, को संलग्न चल वस्तुओं की हिरासत लेने, उन पर नियंत्रण रखने और फाइल करने का उपयुक्त एक अदालती आवेदन अधिकार दिया।

सीआईडी ने बयान में कहा कि आयकर अधिनियम का उल्लंघन तब होता है जब चिट फंड फर्म द्वारा ब्याज के वादे के तहत पैसा एकत्र किया जाता है और फिर जोखिम भरे शेयर बाजार में स्थानांतरित कर दिया जाता है। मार्गदर्शी चिट फंड की 37 शाखाएं विभिन्न जिलों में स्थित हैं और पूरे आंध्र प्रदेश में अपना कारोबार चलाती हैं। चिट फंड व्यवसाय अपने ग्राहकों को उनके पैसे की प्रतिपूर्ति करने में असमर्थ है। आंध्र प्रदेश सीआईडी इस मामले में पहले ही चार शाखा प्रबंधकों और लेखा परीक्षक को गिरफ्तार कर चुकी है और सीएच रामोजी राव, सीएच शैलजा और मार्गदर्शी चिट फंड प्रबंधकों के खिलाफ मामले दर्ज कर चुकी है।

आईपीसी की धारा 120बी, 409, 420, और 477(ए) के तहत धारा 34 के साथ पढ़ें, रामोजी राव के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। 1999 की धारा 5 के एपी वित्तीय प्रतिष्ठानों के जमाकर्ताओं का संरक्षण मुकदमा दर्ज करने के लिए इस्तेमाल किया गया था। संबंधित बैंक प्रबंधक को ए3 के रूप में सूचीबद्ध किया गया है, जबकि चेरुकुरी रामोजी राव और चेरुकुरी शैलजा क्रमशः सीआईडी के पहले और दूसरे आरोपी व्यक्ति हैं।

वाईएस जगन 7 जून को करेंगे कैबिनेट बैठक

अमरावती, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री, वाईएस जगन मोहन रेड्डी 7 जून को सुबह 11 बजे सचिवालय में कैबिनेट की बैठक करेंगे। राज्य के मुख्य सचिव जवाहर रेड्डी ने सभी विभागों को 5 जून को दोपहर 2 बजे तक सामान्य प्रशासन विभाग को कैबिनेट की मजूरी के लिए प्रस्ताव भेजने का निर्देश दिया। वाईएसआरसीपी सरकार ने चार साल तक सत्ता में काम किया है और आगामी वर्ष एक चुनावी वर्ष होगा, इसलिए कैबिनेट बैठक का अत्यधिक महत्व है। वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से उनके आवास पर मुलाकात की और राज्य से संबंधित मुद्दों पर 40 मिनट से अधिक समय तक चर्चा की।

तिरुमला में भक्तों की भीड़ जारी, सर्वदर्शनम के लिए लग रहे हैं 22 घंटे

तिरुपति, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आने वाले हफ्तों में तिरुमला में भक्तों की भीड़ जारी रहेगी। गर्मी की छुट्टी हाने तथा स्कूल और कॉलेजों के फिर से शुरू होने से पहले भक्त श्रीवारी दर्शन करने के लिए दौड़ पड़ते हैं। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के अनुसार, बिना टोकन वाले तीर्थयात्रियों को सर्वदर्शन के लिए 22 घंटे तक इंतजार करना पड़ सकता है। डिब्बे बड़ी संख्या में भक्तों से भरे हुए हैं।

टीटीडी के अधिकारी यह सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक सावधानी बरत रहे हैं कि श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े। इससे पहले, अधिकारियों ने आम तीर्थयात्रियों के लिए अधिक दर्शन घंटे प्रदान करने के लिए बड़े बदलाव किए। साथ ही, अधिकारियों ने वीआईपी अनुशंसा पत्रों को रद्द कर दिया, जिससे एक घंटे तक की बचत होती है, लेकिन यदि वीआईपी लोग मंदिर जाते हैं तो वे सीधे दर्शन कर सकते हैं।

लोगों के कल्याण के लिए काम करने वाली एकमात्र पार्टी बीआरएस : कविता

निजामाबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एमएलसी कल्वाकुंतला कविता ने कहा कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) तेलंगाना में लोगों के कल्याण के लिए काम करने वाली एकमात्र पार्टी है। एमएलसी कविता ने मंगलवार को निजामाबाद जिले के मकलूर मंडल मुख्यालय में आत्मीय सम्मेलन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में तेलंगाना ने कल्याण और विकास दोनों में महत्वपूर्ण प्रगति हासिल की है और यह पूरे देश के लिए एक आदर्श है। उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार समाज के सभी वर्गों की आकांक्षाओं को पूरा कर रही है और ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के विकास को समान महत्व दे रही है। लोगों के कल्याण के लिए प्रभावी ढंग से काम करने के लिए अरमूर विधायक जीवन रेड्डी की सराहना करते हुए, कविता ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनावों में विपक्षी दलों के लिए जीवन रेड्डी के खिलाफ चुनाव लड़ना एक निरर्थक कवायद होगी

और विश्वास जताया कि जीवन रेड्डी पिछले विधानसभा चुनाव की तुलना में अधिक वोट हासिल करके अपनी विधायक सीट बरकरार रखेंगे। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं से आग्रह किया कि वे लोगों को नमस्ते तेलंगाना तेलुगु दैनिक की सदस्यता लेने और टी न्यूज चैनल देखने के लिए प्रोत्साहित करें क्योंकि लोगों को बीआरएस सरकार के कल्याण और विकास कार्यक्रमों को जानना चाहिए।

कविता ने कहा कि वही लोग, जो कभी बीआरएस पार्टी से नफरत करते थे, अब उनकी पार्टी सरकार के तहत विकास का फल प्राप्त कर रहे हैं। वे नेता जो अक्सर केसीआर की आलोचना करते थे, अब उनके प्रदर्शन की सराहना कर रहे हैं। उन्होंने बैठक में मौजूद श्रम मंत्री मल्ला रेड्डी से निजामाबाद जिले में ईएसआई अस्पताल के निर्माण की पहल करने का भी आग्रह किया।

जुपल्ली कृष्णा राव का सनसनीखेज खुलासा

कहा, सीएम केसीआर को हराने के हमारे प्रयास में इटेला भी हमारा साथ देगा

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री जुपल्ली कृष्णा राव ने आज भाजपा विधायक इटेला राजेंद्र के खिलाफ सनसनीखेज टिप्पणी की। उन्होंने सीधा संकेत दिया कि आने वाले दिनों में इटेला भी कांग्रेस पार्टी में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि इटेला भी विधानसभा चुनाव में उन्हें समर्थन देंगे और अगले चुनाव में सीएम केसीआर को हराने के उनके प्रयासों में उनके और पूर्व सांसद पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के साथ हाथ मिलाएंगे। श्री राव ने यह भी खुलासा किया कि राज्य के कई नेता उनसे हाथ मिलाने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि वे उस राजनीतिक दल की ओर देख रहे हैं, जो सीएम को हराएगा और कहा कि उनके राजनीतिक भविष्य पर सस्पेंस जून के पहले सप्ताह में समाप्त हो जाएगा। पता चला है कि जुपल्ली कृष्णा राव और पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी दोनों ने 8 जून को कांग्रेस पार्टी में शामिल होने का फैसला किया था। भाजपा विधायक एटाला राजेंदर ने भी जुपल्ली के उनके पार्टी में शामिल होने की संभावना से इनकार किया।

तेलंगाना के 33 जिलों में नशामुक्ति केंद्र स्थापित

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने सोमवार को तेलंगाना के सभी 33 जिलों में नशामुक्ति केंद्र शुरू करने की घोषणा की। विशेष नशामुक्ति केंद्र, जो पहले से ही चालू हैं और व्यक्तियों को मुफ्त मानसिक स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं, तेलंगाना के 33 जिलों में स्थित सरकारी सामान्य अस्पतालों में स्थापित किए गए हैं। चिकित्सा शिक्षा निदेशक (डीएमई), तेलंगाना, डॉ. के. रमेश रेड्डी ने कहा कि नशामुक्ति केंद्र सरकारी सामान्य अस्पतालों में मनोरोग विभाग से जुड़े हुए हैं और ऐसे मरीजों के लिए अलग रखे गए समर्पित बिस्तरों में रोगी उपचार सेवाओं सहित मरीजों को कई तरह की सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

उपचार प्राप्त करने वाले अधिकांश व्यक्ति वे हैं जो शराब के दुरुपयोग, तम्बाकू जैसे मादक पदार्थों की लत और यहां तक कि भांग जैसे मादक पदार्थों की लत से जूझ रहे हैं।

नशामुक्ति केंद्र सामान्य अस्पतालों से जुड़े हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मरीज अन्य चिकित्सा विभागों से संबद्ध स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठा सकें। जिन व्यक्तियों को नशामुक्ति केंद्रों में भर्ती कराया जाता है, उन्हें उपचार, योग, परामर्श सत्र और रोगी देखभाल तक पहुंच प्राप्त होती है।

प्रारंभ में, राज्य सरकार ने मानसिक स्वास्थ्य संस्थान, एर्रागड्डा, गांधी अस्पताल, काकतीय मेडिकल कॉलेज वारंगल, रिम्स आदिलाबाद और निजामाबाद और महबूबनगर में सरकारी सामान्य अस्पताल सहित छह शिक्षण अस्पतालों में नशामुक्ति सुविधाएं शुरू की थीं। पिछले कुछ महीनों में, राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने तेलंगाना के 33 जिलों के सभी सरकारी सामान्य अस्पतालों में नशामुक्ति केंद्र जोड़ने में कामयाबी हासिल की है।

हैदराबाद में बारिश नहीं, पारा चढ़ने से भीषण गर्मी

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद भीषण तापमान से राहत के लिए तरस रहा है, क्योंकि मंगलवार को तेज बारिश ने शहर को दरकिनार कर दिया। जबकि पड़ोसी जिले एक ताज़ा बारिश में खुश है, हैदराबाद के निवासियों को पारा के बढ़ते स्तर का एक और दिन का सामना करना पड़ा।

मंगलवार को भोर होते ही शहर में काले बादल छा गए, जिससे बारिश की उम्मीद जगी। हालांकि, हैदराबादियों की निराशा के कारण, प्रत्याशित बारिश पूरे शहर से दूर रही। सुबह बादल छाए रहे, जिससे राहत मिली, लेकिन दिन चढ़ने के साथ ही उमस भरी गर्मी ने एक बार फिर सिर उठा लिया।

छिछली फुहारों के रूप में कुछ राहत के बावजूद, सोमवार को हैदराबाद के लोगों को लू जैसी स्थिति ने परेशान करना जारी रखा था। दिलसुखनगर, अंबरपेट, रामनाथपुर, चैतन्यपुरी और सरूरनगर सहित कई इलाकों में

स्वागत योग्य बारिश हुई, जिसने चिलचिलाती गर्मी से थोड़ी राहत दी।

हालांकि, कई अन्य क्षेत्रों जैसे कि कापरा, सेरिलिंगमपल्ली, कुकटपल्ली, खैरताबाद और पटानचेरु में तापमान 40.4 डिग्री सेल्सियस से 40 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। आईएमडी हैदराबाद ने सोमवार को पूरे हैदराबाद में अधिकतम तापमान 39.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया।

इस बीच, तेलंगाना के उत्तरी और पूर्वी क्षेत्रों में दिन के शुरुआती घंटों में जलप्रलय का अनुभव हुआ। नलगोंडा जिले में सबसे अधिक वर्षा देखी गई, जिसमें गुरमपोड में दोपहर तक 73.3 मिमी की प्रभावशाली वर्षा दर्ज की गई। कई दिनों से भीषण गर्मी का सामना कर रहे लोगों को झमाझम बारिश से काफी राहत मिली है।

नलगोंडा जिले में गुरामपोड के पीछे, गुडापुर में 52.3 मिमी बारिश हुई, जबकि चंदूर और कानागल में क्रमशः 47.8 मिमी और 41.8 मिमी बारिश दर्ज की गई।

खम्मम, पेद्दापल्ली, वारंगल, हनुमकोंडा, सूर्यापेट, और नागरकुर्नूल सहित अन्य जिलों में भी भारी मात्रा में वर्षा हुई। इन क्षेत्रों ने ताज़गी भरी फुहारों का आनंद लिया, जिससे चिलचिलाती गर्मी से राहत मिली। रुक-रुक कर बारिश और गर्मी का मिलाजुला मौसम पैटर्न बुधवार तक बने रहने की उम्मीद है। मौसम विज्ञानियों का अनुमान है कि गुरुवार से बारिश थम जाएगी, क्योंकि इस क्षेत्र में एक बार फिर भीषण गर्मी हावी हो गई है।

आगे देखते हुए, भारत मौसम विज्ञान विभाग- हैदराबाद ने 1 जून से मौसम के पैटर्न में बदलाव की भविष्यवाणी की है। बारिश कम होने की उम्मीद है, जिससे क्षेत्र में अत्यधिक गर्मी का मार्ग प्रशस्त होगा। अधिक तीव्र गर्मी का यह संक्रमण पूरे राज्य में जून के मध्य तक जारी रहने का अनुमान है। दुर्भाग्य से, मानसून की शुरुआत में भी देरी होने का अनुमान है, जिससे तीव्र गर्मी की स्थिति बढ़ जाती है।

महानाडु ने केवल चंद्रबाबू की प्रशंसा में गाना गाया : कोडाली नानी

ताडेपल्ली, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के नेता कोडाली नानी ने कहा कि तेलुगु देशम पार्टी ने सप्ताहांत के दौरान केवल अपने अध्यक्ष एन. चंद्रबाबू नायडू की प्रशंसा में गाने के लिए अपने महानाडू का आयोजन किया, जिन्हें पार्टी के संस्थापक एनटी रामाराव के जन्म शताब्दी समारोह आयोजित करने का कोई अधिकार नहीं है।

यहां पत्रकारों से बात करते हुए, उन्होंने आश्चर्य व्यक्त किया कि फिल्म अभिनेता एन. बालकृष्ण की कोई तस्वीर महानाडू मंच पर क्यों नहीं लगी, जबकि नारा लोकेश की तस्वीर, जो एक विधायक के रूप में भी नहीं जीत सके, को प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया। यह सब एनटीआर के नाम पर कुछ वोटों के लिए है।

यौन अपराधियों के खिलाफ साइबराबाद पुलिस का विशेष अभियान

हैदराबाद, 30 मई (स्वतंत्र वार्ता)। निगरानी रखने और यौन अपराधियों को रोकने के लिए, साइबराबाद पुलिस ने आयुक्तालय में व्यापक गश्त और निगरानी अभियान चलाया। इसके हिस्से के रूप में, पुलिस टीमों ने साइबराबाद पुलिस सीमा के तहत पिछले पांच वर्षों में विभिन्न यौन अपराधों और महिलाओं से संबंधित अपराधों में शामिल सभी 143 यौन अपराधियों की जाँच की। अभ्यास सभी पांच क्षेत्रों- मधापुर, राजेंद्रनगर, बालानगर, मेडचल और शमशाबाद में किया गया।

जांच के दायरे में आने वाले अपराधियों की सूची में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों के दोषी व्यक्ति, बलात्कार और हत्या के जघन्य अपराध करने वाले और साथ ही 12 साल से कम उम्र के नाबालिगों के खिलाफ यौन अपराधों में शामिल अपराधी शामिल हैं।

अधिकारियों ने कहा कि विशेष अभियान के दौरान, सभी अपराधियों के वर्तमान ठिकाने, उनके आवासीय क्षेत्रों और उनके पड़ोस के क्षेत्रों में उनकी गतिविधियां, क्या अपराधी किसी अन्य क्षेत्र में किसी अन्य अपराध में शामिल है और अपराधियों के अद्यतन आवासीय विवरण दर्ज किए गए। जनता की सुरक्षा, संरक्षा और सुरक्षा के लिए यौन अपराधियों की गतिविधियों पर सावधानीपूर्वक नजर रखने की आवश्यकता है। अधिकारियों ने कहा कि आदतन अपराधियों द्वारा किए जाने वाले अपराधों को रोकने के लिए ग्राउंड इंटेलिजेंस और बीट पुलिसिंग के एक व्यापक नेटवर्क के माध्यम से अपराधियों की गतिविधियों पर निगरानी रखी गई है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.